डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 16.06.2025 से 22.06.2025

▶ वर्ष-42 ▶ अंक-25 ▶ मूल्य ₹ 10.00

संक्षिप्त खबर

भारत बना दुनिया का 5वां सबसे बड़ा रक्षा निर्यातक- मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में देश का रक्षा क्षेत्र सुदृढ़ हुआ है। वर्ष 2014 के मुकाबले भारत में स्वदेशी रक्षा उत्पादन 174 प्रतिशत बढ़कर 1 लाख 27 हजार 434 करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गया है। भारत अब दुनिया का 5वां सबसे बड़ा रक्षा निर्यातक (डिफेंस एक्सपोर्टर) बन गया है। यह निर्यात 100 से अधिक देशों तक फैला हुआ है, जो वर्ष 2014 में लगभग शून्य था। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प से रक्षा क्षेत्र में भारत ने श्रेष्ठता सिद्ध की है और देश को सैन्य प्रौद्योगिकी के मामले में नई वैश्विक पहचान मिली है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी का नेतृत्व 2029 में भी प्राप्त होगा - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के सफल 11 वर्ष पूर्ण होने पर राज्य सरकार की ओर से उन्हें बधाई देते हुए कहा कि वर्तमान का दौर भारत का स्वर्णिम काल है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जो कार्य किये हैं वह, न भूतो न भविष्यति हैं। हमें विश्वास है कि वर्ष 2029 में भी देश को श्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश के मानस को साथ जोड़ते हुए वैश्विक पटल पर भारत की विशेष पहचान बनाई है। वैश्विक शक्तियों के बीच संतुलन स्थापित करते हुए, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने रूस से सस्ता पेट्रोल लेने के साथ ही इजराइल और अमेरिका से सुरक्षा के लिए उन्नत तकनीक से देश को लैस किया।

डिजिटल इंडिया अभियान बना आधुनिक भारत की जीवन रेखा

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का भारत को प्रौद्योगिकी, कनेक्टिविटी और नवाचार की क्रांति का वैश्विक केंद्र-बिंदु बनाने के लिए संपूर्ण प्रदेशवासियों की ओर से हार्दिक आभार माना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के विजनरी नेतृत्व में 'डिजिटल इंडिया' अभियान आधुनिक भारत की जीवन-रेखा बन चुका है। आज गांव हो या शहर, देश का हर कोना डिजिटल युग से कदमताल कर रहा है। बीते 11 वर्षों में, देश में डिजिटल इंडिया के माध्यम से ई-गवर्नेन्स, पारदर्शिता और जवाबदेही के चलते योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ अब सीधे आमजन तक पहुंच रहा है।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिये निर्देश

मध्यप्रदेश में आमजन की सुविधा के लिए 1700 सेवाओं को जोड़कर शुरू होगा यूनिफाइड पोर्टल सिस्टम- मुख्यमंत्री

भोपाल, प्रदेश में आमजन को सुविधाएं उपलब्ध कराने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है। विभिन्न विभागों की सेवाओं का लाभ आमजन को आसानी से दिलाने के लिए यूनिफाइड पोर्टल सिस्टम तैयार किया जाए, जिसमें विभिन्न विभागों की सेवाएं एक साथ जोड़कर, आमजन को लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में आयोजित मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूनिफाइड पोर्टल को विभिन्न विभागों की 1700 सेवाओं से जोड़कर लॉन्च किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित करते हुए

यातायात प्रबंधन में हो ड्रोन का उपयोग

मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन में सिंहस्थ-2028 में विभिन्न तकनीकी कार्यों एवं व्यवस्थाओं के प्रभावी संचालन में नवीन प्रौद्योगिकी की मदद ली जाए। इसे सुनिश्चित करने के लिए एमपीएसईडीसी सॉफ्टवेयर, ऐप तैयार करें और नगरीय विकास एवं आवास विभाग को भी निर्देशित किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने नवीन ड्रोन नीति तैयार कर इसे लागू किया है।

डोंगला में आयोजित होगी राष्ट्रीय कार्यशाला

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) को उज्जैन में 'खगोल विज्ञान एवं भारतीय ज्ञान परंपरा' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन होगा। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद एवं अन्य सहयोगियों की ओर से यह कार्यशाला डोंगला स्थित वराहमिहिर खगोलीय वेधशाला में आयोजित की जाएगी।

जल्द ही बनेगी स्पेस टेक नीति

अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे ने कहा कि राज्य की स्पेस टेक नीति तैयार करने के लिए स्टेक होल्डर्स को भी कंसल्ट किया गया है। शीघ्र ही राज्य की स्पेस टेक नीति तैयार की जाएगी। अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने बताया कि एमपी-सर्ट द्वारा विभिन्न विभागों का साइबर सुरक्षा के संबंध में प्रशिक्षण कराया गया है। प्रदेश के प्रमुख शहरों इंदौर, भोपाल, जबलपुर एवं ग्वालियर में एमपीएसइडीसी द्वारा आईटी पार्क विकसित किए गए हैं। राज्य में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में निवेश के अनुकूल वातावरण एवं निवेश की बढ़ती संभावनाओं के दृष्टिगत आईटी पार्कों की संख्या बढ़ाई जाए।

डेटा संग्रहण क्षमता बढ़ाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कानून और व्यवस्था नियंत्रण के लिए ड्रोन के उपयोग की व्यापक कार्य योजना तैयार की जाए। शहरी यातायात प्रबंधन के लिए भी ड्रोन का उपयोग सुनिश्चित किया जाए। साथ ही ड्रोन के माध्यम से निगरानी तंत्र को मजबूत करते हुए डेटा संग्रहण क्षमता को बढ़ाने की आवश्यकता है। प्रदेश सरकार ने नवीन ड्रोन नीति तैयार कर इसे लागू किया है। वर्तमान व्यवस्था के अनुसार राजस्व, नगरीय विकास एवं आवास, रेरा, लोक निर्माण, जल संसाधन आदि विभिन्न विभागों में ड्रोन की सहायता ली जा रही है।

प्रदेश में प्रारंभ होंगे नए वन्य प्राणी रेस्क्यू सेंटर

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मीडिया से चर्चा में कहा कि मध्यप्रदेश देश का सर्वाधिक वन क्षेत्र और वन्यजीवों की विविधता से संपन्न राज्य है। भारत में सबसे अधिक बाघ (टाइगर) मध्यप्रदेश में देखने को मिलते हैं।

तेंदुआ (लेपर्ड) और गिद्ध (वल्चर) की संख्या भी मध्यप्रदेश में सबसे अधिक है। प्रदेश के अलग-अलग वन क्षेत्रों में मगरमच्छ और घड़ियालों का बसेरा है। वन्य जीव संरक्षण, जंगलों की रक्षा और पारिस्थितिकी तंत्र को पुनर्जीवित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में वन्य प्राणी संरक्षण सहित सभी क्षेत्रों में तेजी के साथ अग्रसर है। प्रदेश में नए वन्य प्राणी रेस्क्यू सेंटर स्थापित किये जायेंगे।

मध्यप्रदेश में ज़ू की संख्या बढ़ेगी

राज्य सरकार प्रदेश में चिड़ियाघरों अर्थात प्राणी उद्यान (ज़ू) की संख्या में भी वृद्धि करने जा रही है। बजट में दो प्राणी उद्यान की स्थापना को स्वीकृति दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि वे गुजरात की अध्ययन यात्रा में जामनगर में वन्यजीवों के लिए की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगे साथ ही वन्यजीवों के आदान-प्रदान की संभावनाएं भी तलाशेंगे।

विकसित हो रहा नया नेशनल पार्क

मुख्यमंत्री ने कहा कि वन्यजीव प्रेमियों के लिए मध्यप्रदेश में किंग कोबरा भी लेकर आए हैं। चीतों को पालपुर कूनो राष्ट्रीय उद्यान से गांधी सागर वन क्षेत्र में छोड़कर एक नया नेशनल पार्क विकसित किया जा रहा है।

सफल उद्यमी, समृद्ध उद्योग, समावेशी विकास थीम पर 27 जून को होगा 'राइज़ कॉन्क्लेव'

भोपाल, 'सफल उद्यमी, समृद्ध उद्योग, समावेशी विकास' की थीम पर राइज़ (रीजनल इण्डस्ट्री स्किल एंड इम्प्लायमेंट) कॉन्क्लेव का आयोजन 27 जून को रतलाम में किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में हो रहे इस आयोजन का उद्देश्य राज्य में उद्योग, कौशल विकास और रोज़गार के क्षेत्र में समन्वित विकास को प्रोत्साहन देना है। कॉन्क्लेव में लगभग 2500 से अधिक प्रतिभागी शामिल होंगे। इसके साथ ही एमएसएमई उद्यमी, बैंक प्रतिनिधि, प्रशिक्षित युवा, विभागीय अधिकारी और निवेशक इस कॉन्क्लेव में प्रतिभागी होंगे। मुख्यमंत्री राइज़ के दौरान प्रदेश के चयनित 4 से 5 जिलों के लाभार्थियों से वी.सी. के माध्यम से संवाद भी करेंगे।

एक हजार करोड़ रुपये से अधिक का ऋण वितरण होगा

'राइज़' कॉन्क्लेव में 1 लाख से अधिक हितग्राहियों को स्वरोज़गार के लिये एक हजार करोड़ रुपये से अधिक के ऋण वितरित किये जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 500 से अधिक युवा लाभार्थियों को जॉब ऑफर लेटर सौंपेंगे। कॉन्क्लेव में 50 से अधिक औद्योगिक इकाइयों और क्लस्टर्स का भूमिपूजन, लोकार्पण किया जाएगा। यहां ओएनडीसी, एनपीसीआई और वॉलमार्ट जैसे संस्थानों से एमओयू प्रस्तावित हैं।

प्रदेश में कृषि आधारित उद्योग लगाने पर मिलेगा 50 प्रतिशत का अनुदान - मुख्यमंत्री

नरसिंहपुर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा में 80 करोड़ रुपये से अधिक के निर्माण और विकास कार्यों का भूमिपूजन तथा लोकार्पण किया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के किसानों को कृषि आधारित उद्योग लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि उद्योग समागम मेले भी लगाए जा रहे हैं। कृषि आधारित उद्योग लगाने वाले किसानों को 50 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जाएगी। कृषि उद्योग से जुड़े रोज़गारपरक कारखाने बनायेंगे, जहां काम करने वालों को 5 हजार रुपये महीने भी दिये जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गाडरवारा में गौशाला निर्माण किए जाने और प्रदेशवासियों को सुगम परिवहन सेवा उपलब्ध करवाने की भी घोषणा की।

नई पीढ़ी को शिक्षित करने की मुहिम

मुख्यमंत्री ने कहा कि नई पीढ़ी को बेहतर शिक्षा देने का प्रबंध किया जा रहा है, ताकि बच्चे देश के लोकतंत्र, सभ्यता व संस्कृति को जान सकें और अपने उज्ज्वल भविष्य के सपने को साकार कर सकें।

सेवा और सुशासन के 11 वर्ष पूरे

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। विश्व में देश का मान-सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के सेवा एवं सुशासन के 11 वर्ष पूर्ण हो गए हैं। विकास की नई उपलब्धियां सभी के सामने हैं। उनके कार्यकाल में तीन तलाक का कानून पास हुआ, जिसके क्रियान्वयन में कहीं भी कोई विरोध नहीं हुआ। धारा 370 हटाने पर देश के अंदर एक आनंद का माहौल रहा। पहलगाम की घटना में पूरा देश एकजुट हुआ और पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया गया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अयोध्या में भगवान श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कर देश में सनातन संस्कृति को नई ऊंचाई प्रदान की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में गरीब, युवा, किसान और महिला सशक्तिकरण की दिशा में तेजी से कार्य हो रहे हैं।

7 जून

अहमदाबाद रथ यात्रा में भीड़ संभालेगा एआई

● गुजरात पुलिस अहमदाबाद में निकलने वाली रथ यात्रा के दौरान भीड़ को संभालने

के लिए एआई आधारित निगरानी सिस्टम का इस्तेमाल करेगी। इस सिस्टम में ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से मिलने वाले लाइव वीडियो फीड का विश्लेषण कर पुलिस को पहले ही भीड़ बढ़ने की चेतावनी दे दी जाएगी। यह जानकारी अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के असिस्टेंट कमिश्नर भरत पटेल ने दी।

● सरकार जल्द ही डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन (डीपीडीपी) एक्ट के तहत नए नियम लागू करेगी। इन नियमों के अनुसार, सोशल मीडिया और इंटरनेट कंपनियों के ऐप को बताना होगा कि वह यूजर का निजी डेटा किस लिए ले रहे हैं। पहले सभी सेवाओं के लिए एक बार में मंजूरी ली जाती थी, लेकिन अब यह व्यवस्था खत्म होगी। इसका उद्देश्य है कि उपभोक्ता को स्पष्ट रूप से पता हो कि वह किस सेवा के लिए सहमति दे रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय जल्द ही इन नियमों को अधिसूचित करेगा। डेटा संभालने वाली कंपनियों को यूजर की सहमति से जुड़ी हर जानकारी का रिकॉर्ड रखना होगा। इसमें यूजर की पहचान, सहमति देने, अपडेट करने या वापस लेने का समय, सहमति का उद्देश्य और यूजर की पसंदीदा भाषा जैसी जानकारियां शामिल होंगी।

8 जून

भारतीय कंपनियां रेयर अर्थ मैग्नेट के बिना बनाएंगी ईवी

● चीन ने हाल ही में रेयर अर्थ एलिमेंट्स (आरईई) और रेयर अर्थ मैग्नेट्स (आरईएम) के निर्यात पर रोक लगाकर भारत सहित पूरी दुनिया को परेशानी में डाल दिया है। इससे इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का प्रोडक्शन थम गया है। इससे निपटने के लिए भारत की प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनियां रेयर अर्थ मैग्नेट के बिना ही ईवी बनाने पर काम कर रही हैं। वित्त वर्ष 2026-27 तक आरईएम-फ्री मोटरों से चलने वाली ईवी लॉन्च की जा सकती है। इस टेक्नोलॉजी पर कई वर्षों से काम चल रहा है। भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री द्वारा आरईएम-फ्री मोटरों पर काम करने की प्रमुख वजह इन दुर्लभ खनिजों की कीमत बढ़ना और चीन पर इसका एकाधिकार होना है।

● राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा ऑल इंडिया आयुष पोस्ट ग्रेजुएट एंट्रेंस टेस्ट (एआईएपीजीईटी) का आयोजन चार जुलाई को देश के विभिन्न शहरों में होगा। यह परीक्षा कम्प्यूटर बेस्ड टेस्ट मोड पर होगी। इधर, एनटीए ने परीक्षा आवेदन पत्र में सुधार या बदलाव के लिए विंडो ओपन कर दी है। जिन अभ्यर्थियों ने इस परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन किया है उन्हें वेबसाइट https://exams.nta.ac.in/AIAPGET पर उनके द्वारा दिए गए विवरण को चेक करने के लिए निर्देशित किया गया है, ताकि अगर उन्हें कोई त्रुटि नजर आए तो उसमें बदलाव किया जा सके।

9 जून

गेट स्कोर के आधार पर होगा डीआरडीओ में रिक्रूटमेंट

● रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने विभिन्न पदों पर वैकेंसी जारी की है। यह भर्तियां ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) के स्कोर के आधार पर की जाएंगी। डीआरडीओ की जारी सूचना के अनुसार गेट के स्कोर का वेटेज 80 प्रतिशत और 20 प्रतिशत वेटेज इंटरव्यू का रहेगा। डीआरडीओ के लिए तीन साल का गेट स्कोर वैध रहेगा। यानी वर्ष 2023 से लेकर 2025 तक गेट परीक्षा पास करने वाले छात्र आवेदन कर सकते हैं।

● भारत ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) से लैस हथियार विकसित करने में बड़ी कामयाबी हासिल की है। देहरादून की डिफेंस फर्म बीएसएस मटेरियल लिमिटेड ने पहला स्वदेशी ऑटोनॉमस वेपन सिस्टम तैयार किया है। इसका दो बार परीक्षण हो चुका है। पहला परीक्षण सेना की देखरेख में आंतरिक प्लेटफॉर्म पर हुआ और दूसरा, हिमालय क्षेत्र में 14 हजार फीट की ऊंचाई पर लाइट मशीनगन पर लगाकर हुआ। सैन्य सूत्रों के मुताबिक, इसकी मदद से मशीनगन ने बिना मानवीय दखल के न सिर्फ दुश्मन की पहचान की, बल्कि उसे सटीक निशाने के साथ खत्म भी किया। भारत अब अमेरिका, रूस, चीन, इजराइल और जापान की श्रेणी में शामिल हो गया है।

10 जून

केरल के स्कूलों का रोबोटिक्स मॉडल अपनाएगा फिनलैंड

● केरल के स्कूलों में अनिवार्य की गई रोबोटिक्स की पढ़ाई का मॉडल अब फिनलैंड अपनाएगा। इसके लिए फिनलैंड ने एक डेलिगेशन केरल भेजा है। डेलिगेट्स यहां स्कूलों में जाकर मॉडल को समझ रहे हैं और फीडबैक ले रहे हैं। केरल इंफ्रास्ट्रक्चर एंड टेक्नोलॉजी फॉर एजुकेशन (काइट्स) के सीईओ के. अनवर सादात ने बताया कि जब फिनलैंड को यह जानकारी मिली कि केरल ने स्कूलों में तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अच्छी सफलता हासिल की है, तो उन्होंने खुद यहां आकर मॉडल को देखने और अपनाने का निर्णय लिया। इससे पहले अक्टूबर 2023 में फिनलैंड की शिक्षा मंत्री अन्ना माजा हेनरिक्शन डेलिगेशन के साथ केरल आई थीं। उनका उद्देश्य कम्प्यूटर शिक्षा के केरल मॉडल को समझना था। फिनलैंड के सभी स्कूलों में रोबोटिक्स की थ्योरी के साथ-साथ प्रैक्टिकल की पढ़ाई के लिए केरल ही फिनलैंड को तकनीकी सहायता और विशेषज्ञों की टीम उपलब्ध कराएगा। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी केरल ने फिनलैंड को लिटिल काइट्स मॉडल को फिनलैंड के स्कूलों में शुरू करने में मदद की थी। इसके तहत स्कूलों में इलेक्ट्रॉनिक्स, एनिमेशन और एआई जैसी तकनीक में बच्चों को तैयार करना था।

● आम जनता हाईवे में छोटा निवेश कर सकेंगी। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इन्विट) लाने वाली है। इसका उद्देश्य निवेश का दायरा बढ़ाना और रिटेल निवेशकों को इंफ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच मुहैया कराना है। एनएचएआई की रिपोर्ट के मुताबिक, पब्लिक इन्वेस्टमेंट के लिए न्यूनतम सब्सक्रिप्शन राशि 10 हजार से 15 हजार रुपये होगी। निजी इन्वेस्टमेंट की राशि 25 करोड़ रुपये होगी।

11 जून

वैज्ञानिकों ने समुद्र में घुलने वाला प्लास्टिक बनाया

● जापान के वैज्ञानिकों ने ऐसा प्लास्टिक तैयार किया है जो समुद्र के खारे पानी में

घुलकर पूरी तरह खत्म हो जाता है और कोई हानिकारक अवशेष भी नहीं छोड़ता है। साथ ही यह प्लास्टिक पारंपरिक पेट्रोलियम बेस्ड प्लास्टिक जितना मजबूत है, लेकिन पानी में जाते ही अपने मूल तत्वों में टूट जाता है और पानी में घुल जाता है।

● पुणे की पाषाण झील में वैज्ञानिकों ने एक नया फ्लैटवॉर्म खोजा है, जो अपने आप को पूरी तरह से रीजनरेट कर सकता है। इस नई प्रजाति का नाम 'डुजेसिया पुणेन्सिस' रखा गया है। यह नाम इसे पुणे में मिलने के कारण दिया गया है। यह खोज सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी के मॉडर्न कॉलेज की पीएचडी छात्रा मिथिला चिंचालकर और उनके गाइड डॉ. रविंद्र क्षीरसागर के द्वारा की गई है।

● ब्राजील की राजधानी ब्राजीलिया में 11वां ब्रिक्स संसदीय फोरम आयोजित किया गया। इसमें भारत सहित दस सदस्य देशों की संसद के प्रतिनिधिमंडल ने हिस्सा लिया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने किया। इस दौरान सांसदों ने संयुक्त ब्रिक्स देशों के रूप से पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की। इस दौरान आतंकवाद के विरुद्ध 'जीरो टॉलरेंस' नीति पर सहमति भी जताई गई। इसके साथ ही 12वां ब्रिक्स संसदीय फोरम भारत में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इसकी अध्यक्षता श्री ओम बिरला को औपचारिक रूप से सौंपी गई।

12 जून

क्ले तकनीक से कोविड जांच की लागत होगी कम

● आईआईटी गुवाहाटी के शोधकर्ताओं ने कोविड-19 वायरस का सटीक पता लगाने के लिए एक नई तकनीक विकसित की है। यह तकनीक क्ले सेडिमेंटेशन पर आधारित है, जो वायरस की मात्रा का सटीक मापन

करती है। यह विधि पीसीआर और अन्य महंगी परीक्षण विधियों का सरल और किफायती विकल्प है। इस रिसर्च टीम ने बेंटोनाइट क्ले का उपयोग किया, जो अपनी रासायनिक संरचना के कारण प्रदूषकों को अवशोषित करने में सक्षम है। शोध के परिणाम 'एप्लाइड क्ले साइंस' जर्नल में प्रकाशित हुए हैं।

● यूक्रेन के स्पाइडर वेब ड्रोन हमले का जवाब देते हुए रूस ने यूक्रेन पर बड़ी स्ट्राइक की। रूस के 400 से ज्यादा ड्रोन और 40 मिसाइलों ने यूक्रेन ने एक दर्जन से ज्यादा शहरों को निशाना बनाया। इस हमले में पांच लोगों की मौत और 49 लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की खबर है। रूस के हमले के चलते यूक्रेन की राजधानी कीव में कई आवासीय भवनों में आग लग गई। एक रेलगाड़ी को नुकसान पहुंचने के बाद मेट्रो को बंद करना पड़ा। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि रूस ने बैलिस्टिक मिसाइलों से पूरे देश में हमला किया। सभी हमलों को रोका नहीं जा सका। उल्लेखनीय है कि यूक्रेन ने 117 ड्रोन से रूस में कई किलोमीटर अंदर तक हमला करके रूस के 41 लड़ाकू विमान तबाह किए थे।

13 जून

यूएवी रुद्रास्त्र का हुआ सफल परीक्षण

● भारत ने अपनी रक्षा प्रौद्योगिकी में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की। सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड की ओर से विकसित हाइब्रिड वर्टिकल टेकऑफ एंड लैंडिंग यूएवी 'रुद्रास्त्र' का जैसलमेर में सफल परीक्षण किया गया। यह परीक्षण पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में संपन्न हुआ। यह परीक्षण सैन्य शक्ति को मजबूत करने और क्षेत्रीय चुनौतियों का सामना करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यूएवी 'रुद्रास्त्र' वर्टिकल टेकऑफ और लैंडिंग में माहिर है। यूएवी रुद्रास्त्र की 170 किलोमीटर से अधिक की रेंज है और ये सटीक लक्ष्य को भेदने में कारगर है।

● गैर-पंजीकृत संस्थाओं द्वारा निवेशकों के साथ धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं के बीच बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक नई पहल शुरू की है। इसके तहत निवेशक यह सत्यापित कर सकेंगे कि जिस संस्था को वे पैसे ट्रांसफर कर रहे हैं, वह सेबी के पास पंजीकृत है या नहीं। पंजीकृत संस्थाओं के लिए तथा '@वैलिड' हैंडल लाइव किया जाएगा। केवल पंजीकृत और प्रामाणिक संस्थाएं ही बैंकों के माध्यम से इस हैंडल को सिक्योर कर पाएंगी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

SHRI SHANTI NIKETAN MAHAVIDYALAYA
REQUIREMENTS
FACULTY REQUIRED UNDER COLLEGE CODE 28
- Principal
- Professor
- Associate Professor
- Asistant Professor
- Sports Incharge and Librarian

(Hindi, English, Sociology, History, Botany, Chemistry, Physics, Mathematics, Economics, Computer / IT, Accountants)
QUALIFICATION: As per UGC/NCTE/DAVV Norms
SALARY: As per Norms

Interested Candidates May Send Their Updated CV Along With Photocopy of All Testimonials At Institutes Address Or E- Mail
SHRI SHANTI NIKETAN MAHAVIDYALAYA
Gram Dhannd, Opposite Govt.Higher Secondary School, Vishal Chouraha Indore M.P. Contact - 9303207945,8770169784, 0731-3507017, sshantiniketan78@gmail.com
R-51109/2025

एजेंसी देना है
मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र
रोज़गार और निर्माण
प्रदेश के छिन्दवाड़ा, धार, रतलाम, राजगढ़ एवं नीमच में एजेंसी नियुक्त करना है।
एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालयीन समय में संपर्क करें
0755-2760006
प्रमुख आकर्षण
- कॅरियर की ख़बरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय ख़बरें
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
www.mpmadhyam.in
madhyam.rojgar@gmail.com
आज ही ख़रीदें
प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

वर्ष 42, अंक 25 16.06.2025 से 22.06.2025
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
- सम्पादक - रंजना चितले
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
- आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

फिशरीज़ प्रोडक्शन एंड प्रोसेसिंग क्लस्टर की दिशा में मध्यप्रदेश ने बढ़ाये कदम

देश की अर्थव्यवस्था में कृषि का अहम् योगदान है। यही कारण है कि भारत सरकार द्वारा किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य के अनुरूप किसानों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार की योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। इस योजना को 'नीली क्रांति' का नाम दिया है। इसके अंतर्गत जलीय कृषि करने वाले किसानों को बैंक ऋण, बीमा आदि अनेक प्रकार की सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। वर्तमान समय में केंद्र सरकार द्वारा मछली पालन अर्थात् जलीय कृषि करने वाले किसानों को बढ़ावा दिया जा रहा है। भारत में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरकार द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना की शुरुआत की गई है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही एक ऐसी योजना है, जिसके माध्यम से मछली पालन व्यवसाय से जुड़े हुए लोगों की आय में वृद्धि करने के साथ ही उनके जीवन स्तर में सुधार करना है। दरअसल सरकार इस स्कीम के अंतर्गत जलीय कृषि को बढ़ावा देना चाहती है, जिससे जलीय क्षेत्रों में व्यवसाय को एक बड़े पैमाने तक बढ़ाया जा सके। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश का पहला रिजर्वायर फिशरीज़ प्रोडक्शन एंड प्रोसेसिंग क्लस्टर का शुभारंभ हो रहा है। यह क्लस्टर भोपाल के पास स्थित हलाली के पास तैयार किया गया है। देश में पीएम मत्स्य संपदा योजना में इस तरह के 17 क्लस्टरों की पहचान केन्द्र सरकार ने की है जो उन क्षेत्रों की मत्स्य पालन की विशेषताओं के आधार पर विकसित किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य में मछुआरों को आत्मनिर्भर बनाने के लिये जल क्षेत्र के कुशल प्रबंधन पर लगातार कार्य किया जा रहा है। इसके चलते इनलैंड फिशरीज़ एण्ड एक्वाकल्चर मीट के अवसर पर इंदौर के ब्रिलियेंट कन्वेंशन सेंटर में एक प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसमें प्रदेश का खूबसूरत एक्वा पार्क एवं मछली पालन की नई तकनीकी-केज कल्चर और आरएएस को प्रदर्शित करते हुए स्टॉल लगाये गए। प्रदेश सरकार के प्रयासों से राज्य में मछुआरों की आय में वृद्धि हो रही है। साथ ही विज़न 2047 के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये मध्यप्रदेश में मछुआ पालन से जुड़ी सभी गतिविधियों पर गंभीरता से कार्य किया जा रहा है। विशेष तौर पर इनपुट सप्लाई के क्षेत्र में, पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट, प्रोसेसिंग एवं उत्पादों के निर्यात के लिये भी प्रयास जारी हैं। प्रदेश का सिवनी ज़िला बेस्ट इनलैंड डिस्ट्रिक्ट का पुरस्कार पहले भी प्राप्त कर चुका है। साथ ही बालाघाट ज़िले की प्राथमिक मछुआ सहकारी समिति को मछुआरों के सशक्तिकरण की दिशा में राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल चुकी है। इनलैंड स्टेट में फिशरीज़ से जुड़ी इस तरह की बैठक देश में पहली बार इंदौर में हो रही है। बैठक का उद्देश्य उन इनलैंड राज्यों में मत्स्य उत्पादन बढ़ाना है, जिनकी सीमाएं समुद्र से नहीं जुड़ती हैं। इस बैठक में सिर्फ उन राज्यों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं जो समुद्र से मत्स्य उत्पादन गतिविधियां नहीं करते हैं। इनलैंड फिशरीज़ एण्ड एक्वाकल्चर मीट में देश के 20 राज्यों के मत्स्य पालन मंत्री सम्मिलित हुए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशानुसार देश में मत्स्य उत्पादन में निर्यात को बढ़ावा देने के लिये इंदौर की इस राष्ट्रीय बैठक में भारत के अलग-अलग राज्यों में हो रहे प्रयोगों पर तकनीकी-सत्र भी आयोजित हुए। इनमें राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं ICAR-CIFRI, CAR-CIFA, NFDB की तरफ से मत्स्य उत्पादन की दिशा में विश्व में अपनाई जा रही नई तकनीकों पर प्रेजेन्टेशन दिया गया। तकनीकी-सत्रों में जलाशय पट्टा नीति, नदी और तालाबों में आधुनिक तरीके से मत्स्य पालन और ठंडे पानी में मछली पालन की संभावनाओं जैसे विषय पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम में लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किये गये। यह प्रमाण पत्र मत्स्य सहकारी समितियों, मछुआरा उत्पादक संगठन, मत्स्य पालन स्टार्ट-अप्स एवं परंपरागत मछुआरों को दिये गये। मछुआरों को किसान क्रेडिट कार्ड और जलीय कृषि बीमा भी उपलब्ध कराया गया। इसका उद्देश्य मछुआरों को बीमा और डिजिटल एक्सेस देना है।

कृषि अपशिष्ट पदार्थ का ऊर्जा सुरक्षा में उपयोग और अर्थव्यवस्था में योगदान

भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा कृषि उत्पादक देश है, जहां प्रति वर्ष लगभग 500 मिलियन टन कृषि अपशिष्ट उत्पन्न होता है। परंपरागत रूप से इन अपशिष्टों को अनुपयोगी समझा जाता था, लेकिन वर्तमान में इन्हें ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण के महत्वपूर्ण साधन के रूप में देखा जा रहा है। कृषि अपशिष्ट से बायोएथेनॉल, बायोडीजल, बायोसीएनजी और बायोचर जैसे नवीकरणीय ईंधनों का उत्पादन हो रहा है। भारत सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2025 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण प्राप्त किया जाए। जिसमें कृषि अपशिष्ट आधारित एथेनॉल का योगदान होगा। सरकार की योजना के अंतर्गत 5 हजार सीबीजी प्लांट स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है जिनके लिए कृषि अपशिष्ट एक मुख्य कच्चा माल है।

पराली जैसे फसल अवशेषों की बिक्री से किसानों को अतिरिक्त आमदनी प्राप्त हो रही है, उदाहरण के लिए पंजाब में किसान पराली बेचकर प्रति एकड़ दो हजार से तीन हजार तक आय प्राप्त कर रहे हैं। भारत में बायोएनर्जी सेक्टर में 10 लाख से अधिक रोज़गार उत्पन्न हो सकते हैं। इसमें कचरा संग्रहण, प्रसंस्करण, संयंत्र संचालन आदि शामिल हैं। कृषि अपशिष्ट से बायोकेमिकल्स, बायोप्लास्टिक, बायोफर्टिलाइजर जैसे उत्पाद बनाये जा रहे हैं, जो हरित औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देते हैं। भारत सरकार ने राष्ट्रीय बायो-ऊर्जा मिशन प्रारंभ किया है जिसका उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा में कृषि अपशिष्ट का योगदान बढ़ाना है।

उपयुक्त तकनीक, नीति समर्थन और किसान सहभागिता के माध्यम से कृषि अपशिष्ट न केवल भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को सशक्त कर सकता है बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकता है।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस - 21 जून

तन, मन और जीवन को स्वस्थ्य रखने के संकल्प का दिन

भारत की पहल पर पूरी दुनिया में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन भारतीय ज्ञान परंपरा की वैश्विक मान्यता का दिवस है। यह शरीर और मन मस्तिष्क के साथ संपूर्ण ब्रह्मण्ड से तादात्म्य स्थापित कर जीवन को समृद्ध बनाने का संकल्प दिवस है।

21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस है। आरोग्य रहकर सृष्टि के विविध रहस्यों से एकाकार होने का माध्यम है योग। भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व नेतृत्व को इस अद्भुत विधा से अवगत कराया था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र के उद्घाटन के दौरान अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का प्रस्ताव पेश किया था। इस प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र द्वारा 11 दिसम्बर, 2014 को स्वीकार किया गया और 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया। 21 जून, 2015 को पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजित हुआ। धीरे-धीरे पूरी दुनिया योग से जुड़ी। पिछली बार दुनिया के 180 से अधिक देशों ने 21 जून को योग दिवस का आयोजन किया था। अनेक देशों ने तो नियमित अभ्यास और शिक्षण की व्यवस्था भी की है। योग दिवस के लिए 21 जून का निर्धारण भी सामान्य अथवा किसी व्यक्ति विशेष के स्मरण का दिन नहीं है। इस तिथि का निर्धारण भी वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर निश्चित हुआ है। 21 जून को उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन होता है। इसका सीधा प्रभाव सूर्य से धरती पर आने वाले प्रकाश और तापमान के संतुलन से पड़ता है। सूर्य की विभिन्न स्थितियों में उत्सर्जित प्रकाश और ऊर्जा में अंतर आता है। इसे हम प्रतिक्षण बदलते तापमान से समझ सकते हैं। यह धरती के जीवन पर प्रभाव डालती है। योगाभ्यास व्यक्ति के अवचेतन की चेतना को सूर्य की केन्द्रीभूत चेतना से एकाकार करने का प्रयास करता है, जो धरती पर जीवन को पल्लवित करती है। सूर्य से ऊर्जा, ऊष्मा और प्रकाश के सहारे ही व्यक्ति अपनी प्रतिभा एवं क्षमता का विकास करता है। जिस प्रकार सूर्य में अनंत ऊर्जा होती है। उसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति में भी असीम प्रतिभा होती है। लेकिन इसके माध्यम से वह नई ऊंचाइयां तभी प्राप्त कर सकता है, जब स्वस्थ हो, मनोबल संपन्न हो अपनी प्रतिभा की मौलिकता के अनुरूप जीवन यात्रा का मार्ग निर्धारित करता हो। योगाभ्यास उसकी इस मौलिक प्रतिभा और दक्षता को भी उन्नत नहीं करता उसके स्वभाव में संतुलन एवं आत्मविश्वास की वृद्धि भी करता है। सैकड़ों वर्षों तक भारतीय ऋषि मनीषियों ने शोध साधना और अनुसंधान के बाद योग शैली का अविष्कार किया। जिससे व्यक्ति अपने व्यक्तित्व का समन्वित विकास कर सके। आधुनिक विज्ञान ने भी भारतीय ज्ञान परंपरा की इस विशेषता को स्वीकार किया है कि भारतीय दर्शन में केवल भौतिक विकास के सूत्र नहीं हैं अपितु इनमें अभौतिक और सृष्टि के अदृश्य आयामों के प्रभाव और उनसे एकीकृत होकर जीवन को उन्नत बनाने के सूत्र भी शामिल हैं। इसीलिए एक समय पूरे संसार के जिज्ञासु अध्ययन के लिए भारत आते थे। इसका प्रमाण ढाई हजार वर्ष पहले भारत के तक्षशिला, नालंदा और उज्जैन सहित दर्जनभर विश्वविद्यालय हैं। वर्तमान में जिनके खंडहरों को देखने दुनियाभर के सैलानी आते हैं, इसीलिए संसार ने भारत को विश्व गुरु माना था।

भारतीय ज्ञान परंपरा में यौगिक विधा कितनी प्राचीन है, यह कहा नहीं जा सकता। इतिहास में पीछे जहां तक दृष्टि जाती है, योग का विवरण मिलता है। गीता, महाभारत, उपनिषद या अरण्यक ग्रंथ ही नहीं चारों वेदों में भी योग का उल्लेख है। योग शब्द के दो अर्थ हैं एक सामान्य और दूसरा संस्कृत के भाषा विज्ञान की व्याख्या। शब्द 'योग' का सामान्य अर्थ जोड़ना होता है। सूर्य के प्रकाश और ऊर्जा के माध्यम से प्रकृति से जुड़ने की विधा का नाम है योग। भाषा विज्ञान की दृष्टि से इसका अर्थ और व्यापक है। जो योग के सामान्य अर्थ को और विस्तार देता है तथा विधा को व्यापक बनाता है। यह शब्द संस्कृत की 'युज' धातु से बनता है। युज धातु में 'यु' पहले आता है। 'युग' और 'युगान्तरकारी' जैसे शब्द इसी से बनते हैं। फिर प्रत्यय के रूप में 'ज' जुड़ता है। 'ज' से जन्म और जीवन बनता है। जन्म के बाद जीवन को युगान्तकारी बनाने का संदेश इस युज धातु में है। इसी 'युज' धातु से यजुर्वेद शब्द बना है। साधना से आत्मकोष की जाग्रति और सृष्टि की अनंत ऊर्जा से एकात्म होने के सूत्र यजुर्वेद में हैं और आत्म जाग्रति की यात्रा आरंभ करने की पहली सीढ़ी योग ही है। इसलिए भारतीय मनीषियों ने योगाभ्यास के लिए प्रत्येक नागरिक को प्रेरित किया है।

इस वर्ष की थीम

प्रकृति और प्राणी का जीवन उभय पक्षीय है। जिस प्रकार प्रकृति का परिवर्तन जीवन को प्रभावित करता है उसी प्रकार प्राणियों का आचरण प्रकृति को प्रभावित करता है। इसे हम मौसम के परिवर्तन और वर्तमान स्थिति में मानव के प्रगति आयाम से समझ सकते हैं। मौसम परिवर्तन से आने वाली गर्मी, सर्दी या बरसात हमारे जीवन पर कैसा प्रभाव डालते हैं। इससे हम सब अवगत हैं। उसी प्रकार मनुष्य की प्रगति ने प्रकृति को कितना प्रदूषित किया है, इसका संकट भी अब किसी से छिपा नहीं है। इसके लिए संसार के अन्य प्राणी नहीं केवल मनुष्य जिम्मेदार है। उसने अपना जीवन भी संकट में डाला और पूरी प्रकृति को भी संकट में डाल दिया है। पूरी दुनिया के वैज्ञानिक और सरकारें इस संकट को लेकर चिंतित हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इसी बात को ध्यान में रखकर योग दिवस के लिए इस वर्ष एक विशेष थीम की घोषणा की है। उन्होंने आह्वान किया है कि इस वर्ष योग दिवस पर 'योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ' अर्थात 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' का संकल्प लिया जाये। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने यह आह्वान अपने 'मन की बात' संबोधन में पूरे विश्व से किया। उनकी इस थीम का विश्व के अधिकांश देशों ने स्वागत किया। स्वाभाविक रूप से यदि हमें स्वस्थ्य रहना है तो प्रकृति को भी स्वस्थ्य रखना होगा। उभय पक्षीय स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर ही मोदी जी ने इस वर्ष इस थीम की घोषणा की है।

यौगिक क्रियाएं

यौगिक क्रियाओं को कुल आठ भागों में विभाजित माना गया है। इन्हें 'अष्टांग योग' कहा गया है। इनमें यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि है। योगाभ्यास के लिए आवश्यक है कि व्यक्ति के मन और चित्त में एकाग्रता हो, किसी भी प्रकार का भटकाव न हो, उसका आहार अर्थात भोजन भी शरीर की आवश्यकता के अनुरूप हो। हम जो भी आहार लेते हैं वह केवल शरीर की आवश्यकता की पूर्ति ही नहीं करता हमारी चित्त वृत्ति को भी प्रभावित करता है इसलिये हमारा आहार भी उचित होना चाहिए। आसन में योगाभ्यास होता है। इसके लिए सूर्योदय और सूर्यास्त का संधिकाल उचित माना गया है। ध्यानस्थ होने के लिए चित्त और शरीर के विभिन्न चक्र में एकाग्रता आवश्यक है।

योग के विविध आयाम

मुख्यतः योग के कुल पांच आयाम होते हैं। इनमें चार के लिए प्रयास किया जाता है लेकिन पांचवा आयाम परिस्थितिजन्य होता है। इन्हें हम कर्म योग, भक्ति योग, ज्ञान योग, राज योग और भाव योग के नाम से जानते हैं। हमारे कर्म अथवा कार्य या अभ्यास से जो क्रिया होती है, उसे कर्मयोग कहा जाता है। इसमें करणीय कार्य के प्रति पूरी निष्ठा और समर्पण होता है। दूसरा भक्तियोग है। यह सात्विक प्रेम और समर्पण पर केंद्रित होता है। यह ईश्वर के प्रति, गुरु के प्रति, माता-पिता अथवा किसी भी आदर्श पात्र के प्रति हो सकती है। तीसरा ज्ञान योग है यह शरीर, इन्द्रियों और मन से बुद्धि के विकास पर केंद्रित होता इसमें व्यक्ति अपनी ज्ञान वृद्धि के लिए अध्ययन, अभ्यास, शिक्षण, प्रशिक्षण और सत्संग करता है। चौथा राज योग है। यह कठोर साधना का आयाम है। आत्म विकास के लिए व्रत, उपवास, योगासन, ध्यान प्राणायाम से लेकर समाधि तक की साधना इसी योग के अंतर्गत मानी जाती है। पांचवा भाव योग है। मनुष्य की पांचों ज्ञानेन्द्रियां सदैव सक्रिय रहती हैं। देखकर, सुनकर, छूकर अथवा स्वाद के बाद व्यक्ति जिन भावों से जुड़ता है वह भाव योग है।

वर्तमान परिस्थिति में योग दिवस का महत्व

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन एक ओर भारतीय ज्ञान की समृद्धि की ओर पूरे संसार का ध्यान आकर्षित करता ही है। वहीं प्रगति के लिए वर्तमान वैश्विक स्पर्धा में भी इसका महत्व और बढ़ गया है। योगाभ्यास व्यक्ति को सामाज, राष्ट्र, पूरे विश्व ही नहीं संपूर्ण सृष्टि को एक सूत्र में पिरोता है। योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ रहता है और मन शांत रहता है। इसके साथ शरीर और मन के बीच समन्वय भी रहता है। शरीर और मन के समन्वय से बुद्धि प्रखर होती है। निरन्तर योगाभ्यास करने वाले तनाव, अवसाद जैसे मनोरोगों से दूर रहते हैं वहीं उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापा जैसे शारीरिक रोगों से भी मुक्त रहते हैं। आज जीवन शैली केवल प्रकृति को ही प्रदूषित नहीं कर रही अपितु मनुष्य को अनेक शारीरिक और मानसिक रोगों से जकड़ रही है। रोज किसी नये रोग के फैलने का समाचार आता है। इसलिए आज के संदर्भ में योग अपेक्षाकृत अधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

- रमेश शर्मा

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

बामर लॉरी एण्ड कं. लिमिटेड

(भारत सरकार का एक उद्यम)

(एक मिनी रत्न - I पीएसई)

पंजीकृत कार्यालय : 21, एन एस रोड, कोलकाता-700 001
सीआईएन : L15492WB1924GOI004835, वेबसाइट: www.balmerlawrie.com
ईमेल आईडी एवं दूरभाष नं. के लिए वेब विज्ञापन देखें

बीएल SINCE 1867

बामर लॉरी द्वारा निम्नलिखित पदों के लिए पेशेवरों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं:

क्रम सं.	पद	ग्रेड	एसबीयू / प्रकार्य / वर्टिकल	पदों की संख्या	न्यूनतम योग्यता (केवल यूजीसी / एआईसीटीई / भारत सरकार / राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित संस्थान / विश्वविद्यालय)	अधिकतम आयु (वर्ष)*	न्यूनतम अनुभव (वर्ष)*
1.	उप प्रबंधक [बिक्री] - एमआईसीई	एफटीई-2	ट्रैवल	1	एमटीएम या समकक्ष / एमबीए / स्नातक इंजीनियर या स्नातक डिग्री [10+2+3]	35	एमटीएम या समकक्ष / एमबीए / स्नातक इंजीनियर के लिए 4 वर्ष या स्नातक (10+2+3) के लिए 7 वर्ष
2.	सहायक प्रबंधक [बिक्री] - एमआईसीई	एफटीई-1	ट्रैवल	1	एमटीएम या समकक्ष / एमबीए / इंजीनियरिंग स्नातक या स्नातक डिग्री [10+2+3]	32	एमटीएम या समकक्ष / एमबीए / स्नातक इंजीनियर के लिए 2 वर्ष या स्नातक (10+2+3) के लिए 4 वर्ष
3.	कनिष्ठ अधिकारी [बिक्री] - एमआईसीई	एफटीओ-1	ट्रैवल	1	पूर्णकालिक स्नातक [किसी भी विषय में]	30	नये उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं
4.	सहायक प्रबंधक [वाणिज्यिक] - बीआईएस	एफटीई-1	ट्रैवल	1	एमटीएम या समकक्ष / एमबीए / इंजीनियरिंग स्नातक या स्नातक डिग्री [10+2+3]	32	एमटीएम या समकक्ष / एमबीए / स्नातक इंजीनियर के लिए 2 वर्ष या स्नातक (10+2+3) के लिए 4 वर्ष
5.	सहायक प्रबंधक [कॉर्पोरेट व्यवसाय] - बीआईएस	एफटीई-1	ट्रैवल	4	एमटीएम या समकक्ष / एमबीए / इंजीनियरिंग स्नातक या स्नातक डिग्री [10+2+3]	32	एमटीएम या समकक्ष / एमबीए / स्नातक इंजीनियर के लिए 2 वर्ष या स्नातक (10+2+3) के लिए 4 वर्ष
6.	कनिष्ठ अधिकारी/अधिकारी [वाणिज्यिक] - बीआईएस	एफटीओ-1/ एफटीओ-2	ट्रैवल	4	पूर्णकालिक स्नातक [किसी भी विषय में]	30	एफटीओ-2 के लिए 2 वर्ष, एफटीओ-1 के लिए नये उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं
7.	अधिकारी [कॉर्पोरेट व्यवसाय] - बीआईएस	एफटीओ-2	ट्रैवल	1	पूर्णकालिक स्नातक [किसी भी विषय में]	30	2
8.	अधिकारी [बिक्री] - एमआईसीई	एफटीओ-2	ट्रैवल	1	पूर्णकालिक स्नातक [किसी भी विषय में]	30	2
9.	कनिष्ठ अधिकारी [संग्रह]	एफटीओ-1	ट्रैवल	1	पूर्णकालिक स्नातक [किसी भी विषय में]	30	नये उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं
10.	प्रबंधक [बिक्री] – इनबाउंड	एफटीई-3	वेकेशंस	1	एमटीएम या समकक्ष / एमबीए / इंजीनियरिंग स्नातक या स्नातक डिग्री [10+2+3]	38	एमटीएम या समकक्ष / एमबीए / स्नातक इंजीनियर के लिए 6 वर्ष या स्नातक (10+2+3) के लिए 9 वर्ष
11.	सहायक प्रबंधक [बिक्री]	एफटीई-1	वेकेशंस	1	एमटीएम या समकक्ष / एमबीए / इंजीनियरिंग स्नातक या स्नातक डिग्री [10+2+3]	32	एमटीएम या समकक्ष एमबीए / स्नातक इंजीनियर के लिए 2 वर्ष या स्नातक (10+2+3) के लिए 4 वर्ष
12.	अधिकारी [विपणन]	एफटीओ-2	वेकेशंस	1	पूर्णकालिक स्नातक [किसी भी विषय में]	30	2
13.	कनिष्ठ अधिकारी [विपणन]	एफटीओ-1	वेकेशंस	1	पूर्णकालिक स्नातक [किसी भी विषय में]	30	नये उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं
14.	सहायक प्रबंधक [बिक्री] – इनबाउंड	एफटीई-1	वेकेशंस	1	एमटीएम या समकक्ष / एमबीए / इंजीनियरिंग स्नातक या स्नातक डिग्री [10+2+3]	32	एमटीएम या समकक्ष / एमबीए / स्नातक इंजीनियर के लिए 2 वर्ष या स्नातक (10+2+3) के लिए 4 वर्ष
15.	कनिष्ठ अधिकारी [बिक्री]	एफटीओ-1	वेकेशंस	1	पूर्णकालिक स्नातक [किसी भी विषय में]	30	नये उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं

*न्यूनतम पद-योग्यता अनुभव और अधिकतम आयु के लिए अंतिम तिथि 20.06.2025 है।

*प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा को एआईसीटीई द्वारा स्नातकोत्तर डिग्री के समकक्ष प्रमाणित किया जाना चाहिए तथा यह उस वर्ष के लिए वैध होना चाहिए जब पीजी डिप्लोमा पूरा किया गया हो।

डिग्री / डिप्लोमा (दिनांक 23.02.2018 के यूजीसी नोटिस में निर्दिष्ट के अलावा) जो यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त मुक्त और दूरस्थ शिक्षा (ओडीएल) कार्यक्रम हैं, उन्हें देश में नियमित विश्वविद्यालयों/संस्थानों से प्राप्त डिग्री / डिप्लोमा के समकक्ष माना जाएगा, जो यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त ओडीएल संस्थानों या केंद्र सरकार द्वारा घोषित विश्वविद्यालय माने जाने वाले संस्थान द्वारा संचालित किए जाते हैं, स्वीकार किए जाएंगे। हालाँकि, ओडीएल के लिए प्रबंधन और / या सूचना प्रौद्योगिकी में डिग्री / डिप्लोमा के लिए एआईसीटीई की मान्यता अनिवार्य होगी। तथापि, सीए/आईसीडब्ल्यूए पर विचार नहीं किया जाएगा। ओडीएल मोड के माध्यम से किए गए इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम पर भी विचार नहीं किया जाएगा, सिवाय इसके कि इग्नू ने उन छात्रों को इंजीनियरिंग में बी.टेक डिग्री या डिप्लोमा प्रदान किया हो, जो इग्नू में शैक्षणिक वर्ष 2011-12 तक नामांकित थे, न कि 2012 के बाद। कोई योग्यता निर्दिष्ट योग्यता के समतुल्य है या नहीं, इसका निर्णय कंपनी पर निर्भर करेगा।

बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्ति (पीडब्ल्यूबीडी) सभी पदों के लिए आवेदन करने के पात्र हैं।

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर-क्रीमी लेयर), दिव्यांगजन और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण भारत सरकार के नियमों के अनुसार होगा।

अधिकतम आयु में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के लिए 5 वर्ष और अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर-क्रीमी लेयर) के लिए 3 वर्ष की छूट है। पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवारों के लिए आयु में 10 वर्ष की छूट है [अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के लिए 15 वर्ष और अन्य पिछड़ा वर्ग (गैर-क्रीमी लेयर) के लिए 13 वर्ष] की छुट। भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों, जिनमें आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारी या अल्प सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारी शामिल हैं, के लिए अधिकतम आयु में सैन्य सेवा की अवधि में 3 वर्ष की छूट दी जाएगी।

विवरण व आवेदन करने के लिए Careers at https://www.balmerlawrie.com/pages/current-openings पर लॉग ऑन करें।
ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि : 20.06.2025 है।

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 4018/13/2023/चयन इन्दौर, दिनांक : 04.06.2025

सहायक संचालक ग्रामोद्योग (हथकरघा) परीक्षा-2023
चयन-सूची (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)
पदनाम - सहायक संचालक ग्रामोद्योग (हथकरघा)

आयोग के विज्ञापन क्रमांक **11/2023 दिनांक 02.06.2023** एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत विज्ञापित पद-**सहायक संचालक ग्रामोद्योग (हथकरघा)** के कुल 06 पद (अनारक्षित-03, अ.जा.-01, अ.ज.जा.-01, अ.पि.वर्ग-01, ई.डब्ल्यू.एस.-निरंक) इनमें से महिलाओं हेतु आरक्षित (अनारक्षित-01) (कुल विज्ञापित पदों में से अस्थिबाधित दिव्यांग के लिए 01 पद आरक्षित) विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए **सहायक संचालक ग्रामोद्योग (हथकरघा) परीक्षा-2023** दिनांक 14.07.2024 को आयोजित की गई। आयोग द्वारा लिखित परीक्षा परिणाम दिनांक 02.09.2024 को घोषित किया गया। उक्त पदों हेतु अर्ह आवेदकों के साक्षात्कार 10.03.2025 को आयोजित किए गए हैं।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में म.प्र. शासन, कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग से प्राप्त मांग पत्र के आधार पर उपरोक्त विज्ञापन क्रमांक 11/2023 दिनांक 02.06.2023 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पद विभाजन विज्ञापित किया गया है जिसके अनुसार, परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत् मुख्य भाग हेतु पुनरीक्षित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। चूंकि उक्त विज्ञापन क्रमांक 11/2023 दिनांक 02.06.2023 में उक्त विज्ञापित पदों में अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित पद की संख्या 01 होने के कारण विभाग के पत्रानुसार इस पद हेतु 87 एवं 13 प्रतिशत पदों के विभाजन की आवश्यकता नहीं है। अतएव चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत् मुख्य भाग हेतु विज्ञापित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों की संख्या 01 होने के कारण, प्रावधिक भाग -13 प्रतिशत हेतु रिक्तियों की संख्या निरंक होने के परिणामस्वरूप पृथक से प्रावधिक भाग का चयन परिणाम जारी किए जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

3. अतएव, लिखित परीक्षा + साक्षात्कार में प्राप्त प्राप्तांकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :–

सहायक संचालक ग्रामोद्योग (हथकरघा)
पद विवरण तालिका (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	3	1	1	1	0	6
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	1	0	0	0	0	
कुल पदों में से अस्थिबाधित दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पद						1

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1	101776	MACHAL SINGH LODHI	M	UNR	OBC
2	102302	ROOPALI SAXENA	F प्रावधिक	UNRF	UNR
3	101376	POORVA PUNTAMBEKAR	F	UNR	UNR
4	100986	RAKESH BHAYDIYA	M	ST	ST
5	101562	AKASH GOYAL	M	SC	SC
6	101639	SANJAY MANJHI	M	OBCHO अस्थिबाधित	OBC

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग		श्रेणी
1	102215	ARUN SHARMA	M		UNR
2	101702	SAGAR GUPTA	M		UNR
3	101713	BULBUL GOYAL	F		UNR
4	100367	ASHISH KUMAR MERAVI	M		ST
5	101667	RAHUL ANAND	M		SC
6	101314	MADHAV SINGH PATEL	M	अस्थिबाधित	OBC

टीप :-

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत् अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत् आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हों। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया जाना प्रावधानित है।
2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों से भरे जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
3. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
4. घोषित चयन परिणाम मान. उच्च न्यायालय, जबलपुर में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी. 28785/2024 के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा।

सचिव
जी-13999/51086/2025 म.प्र. लोक सेवा आयोग, इन्दौर

प्राचार्य एवं सदस्य सचिव, जनभागीदारी समिति
शासकीय गीतांजलि कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, भोपाल

पत्र क्रमांक-557/ शागीकरनास्वमभा/स्था./25 भोपाल, दिनांक : 04.06.2025

विज्ञापन

जनभागीदारी समिति द्वारा संचालित विषय/पाठ्यक्रम हेतु (सत्र 2025-2026 के लिये) अतिथि विद्वानों/विजिटिंग फेकल्टी को आमंत्रित करने के लिये सभी आवश्यक दस्तावेजों की स्वयं प्रमाणित छायाप्रतियों के साथ सादे कागज पर आवेदन-पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

विषय/पाठ्यक्रम का नाम	विजिटिंग फैकल्टी/ अतिथि विद्वान	संख्या	न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता
बी.लिब.आई.एस.सी.	अतिथि विद्वान	01	संबंधित विषय में स्नातकोत्तर
अंग्रेजी	विजिटिंग फैकल्टी	01	संबंधित विषय में स्नातकोत्तर
इतिहास	विजिटिंग फैकल्टी	01	संबंधित विषय में स्नातकोत्तर
फाईन आर्ट्स	विजिटिंग फैकल्टी	01	संबंधित विषय में स्नातकोत्तर

1. सभी आवेदन प्राचार्य एवं सदस्य सचिव, जनभागीदारी समिति, शासकीय गीतांजलि कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, भोपाल के नाम संबोधित किये जावें।
2. आवेदन पत्र डाक अथवा व्यक्तिगत रूप से कार्यालय में जमा करने की **अंतिम तिथि 21.06.2025 सायं 5:00 बजे** तक है, आवेदन जमा करते समय आवेदन की पावती प्राप्त करना संबंधित का उत्तरदायित्व होगा।
3. आवेदनकर्ता प्रत्येक विषय के लिये पृथक पृथक आवेदन प्रस्तुत करें।
4. आवेदन पत्र अपूर्ण होने या उसके साथ आवश्यक दस्तावेजों की फोटो प्रति संलग्न न होने की स्थिति में आवेदन पत्र स्वतः ही निरस्त माना जायेगा, जिसकी कोई सूचना पृथक से अभ्यार्थी को दिया जाना संभव नहीं होगा।
5. अतिथि विद्वानों की चयन प्रक्रिया एवं अधिभार की गणना मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश क्रमांक एफ.1/1/201/2023/38-1 भोपाल दिनांक 05.10.2023 के अनुरूप किया जावेगा।
6. अतिथि विद्वान किसी भी हैसियत से महाविद्यालयीन स्थापना के अंतर्गत नहीं मांने जायेंगे और लोक सेवक की विधि विहित परिभाषा के अन्तर्गत लोक सेवक नहीं माने जायेंगे।
7. आमंत्रण संबंधी समस्त निर्णय प्राचार्य के अध्याधीन होंगे।
8. आमंत्रण संबंधी समस्त जानकारी महाविद्यालय में आकर प्राप्त करें।

जी-14059/51087/2025 प्राचार्य

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई
कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, भोपाल मध्यप्रदेश

पिनकोड - 462002, टेलीफोन नंबर : 0755-2660717
ईमेल: hegmlbgpgcbho@mp.gov.in, वेबसाइट: https://highereducation.mp.gov.in/?orgid=85

क्र.2040/म.ल.ब./स्था./2025 भोपाल, दिनांक : 06.06.2025

विज्ञप्ति

जनभागीदारी समिति द्वारा निम्नांकित पदों पर कार्य हेतु आवेदन सादे कागज पर सभी आवश्यक प्रमाण-पत्रों की अभिप्रमाणित छायाप्रतियों के साथ सत्र 2025-26 शैक्षणिक पद अतिथि विद्वान, विजिटिंग फेकल्टी, प्रयोगशाला तकनीशियन, प्रयोगशाला परिचारक एवं संगतकार के लिए आमंत्रित किए जाते हैं। विज्ञापन **प्रकाशन की तिथि से दिनांक 25.06.2025 तक** कार्यालयीन समय में आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। विस्तृत जानकारी महाविद्यालय की उपरोक्त अंकित वेबसाइट पर उपलब्ध है। विषय एवं पद संख्या निम्नानुसार है -

विजिटिंग फेकल्टी :- वाणिज्य - 02, लोकनृत्य - 01, पर्यावरण अध्ययन - 01, योगध्यान - 01, शारीरिक शिक्षा - 1, गणित - 02, सांख्यिकी - 1
अतिथि विद्वान (गेस्ट फेकल्टी) :- बायोटेक्नोलॉजी - 1, एग्रीकल्चर - 1
प्रयोगशाला तकनीशियन :- बायोटेक्नोलॉजी - 1, माइक्रोबायोलॉजी - 1, कम्प्यूटर - 1
प्रयोगशाला परिचारक :- कम्प्यूटर - 1
संगतकार :- तबलावादक - 1, हारमोनियम वादक - 1

नोट - आवेदकों के नियम एवं शर्ते तथा मानदेय उपरोक्त वेबसाइट **https://highereducation.mp.gov.in/?orgid=85** पर उपलब्ध है।

प्राचार्य एवं सचिव (जनभागीदारी समिति)
शास. महारानी लक्ष्मी बाई कन्या स्नातकोत्तर
जी-14079/51088/2025 स्वशासी महाविद्यालय, भोपाल

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग
(उद्योग संचालनालय, मध्यप्रदेश)

क्रमांक 166/अधोविक/बी2/2025/2985 भोपाल, दिनांक : 04.06.2025

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा दिनांक 01.05.2025 से 15.05.2025 तक विभागीय पोर्टल **https://www.mpmsme.gov.in/** पर EOI आमंत्रित किए गए थे। उक्त प्रक्रिया अंतर्गत ऐसे भूखंड जिनमें एक से अधिक पात्र EOI प्राप्त हुए हैं, के लिए दिनांक 05.06.2025 से **https://mptenders.gov.in/**पोर्टल पर Tender cum Auction प्रक्रिया का आयोजन निम्न समयसारिणी से किया जाना है जिसमें मंदसौर, खरगोन, सीहोर, देवास, भिंड, उज्जैन, नीमच, रतलाम, दतिया, बड़वानी, सिवनी, सतना, मुरैना, अशोकनगर, मण्डला, सागर एवं धार जिले सम्मिलित है। केवल वह आवेदक जिन्होंने **https://www.mpmsme.gov.in/**पोर्टल पर विशिष्ट भूखंड के लिए अपनी EOI प्रस्तुत की है और समिति द्वारा पात्र पाए गए हैं, वे ही इस विशिष्ट भूखंड हेतु Tender cum Auction प्रक्रिया में भाग लेने के लिए पात्र हैं। समिति द्वारा अपात्र पाए गए आवेदक (विभाग की वेबसाइट **https://mpmsme.gov.in/**से सूची देख सकते हैं) को इस प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति नहीं है। प्रक्रिया अंतर्गत समयसारणी निम्नानुसार है :-

Sr. No.	Description	Date	Time
1.	Date and time of publication of the tender	05.06.2025	11.00
2.	Bid Submission start date	05.06.2025	11.00
3.	Bid Submission end date	12.06.2025	17.00
4.	Date and time of Bid opening (Technical)	13.06.2025	17.00
5.	Date and time of Auction start	18.06.2025	11.00
6.	Date and time of Auction end	**18.06.2025**	15.00
7.	Elapse time	15 Minutes	
8.	Auto-extension time	15 Minutes	
9.	Minimum incremental value of auction	Rs.10,000	
10.	Maximum seal percentage	50%	

उप संचालक उद्योग
जी-13997/51085/2025 उद्योग संचालनालय भोपाल

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 4126/10/2025/चयन   दिनांक : इन्दौर, 6 JUN 2025

सहायक प्राध्यापक (मनोविज्ञान) परीक्षा-2022
चयन - सूची (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)
पदनाम - सहायक प्राध्यापक, मनोविज्ञान

आयोग के विज्ञापन क्रमांक **42/2022 दिनांक 30.12.2022** एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में **म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग** के अंतर्गत विज्ञापित पद - **सहायक प्राध्यापक, मनोविज्ञान** के कुल 18 पद (अनारक्षित-08, अ.जा.-01, अ.ज.जा.-07, अ.पि.वर्ग-01, ई.डब्ल्यू.एस.-01) इनमें से महिलाओं हेतु आरक्षित (अनारक्षित-03, अ.जा.-निरंक, अ.ज.जा.-02, अ.पि.वर्ग-निरंक, ई.डब्ल्यू.एस.-निरंक) विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए, **सहायक प्राध्यापक (मनोविज्ञान) परीक्षा-2022 दिनांक 17.11.2024** को आयोजित की गई। आयोग द्वारा लिखित परीक्षा परिणाम दिनांक 08.01.2025 को घोषित किया गया। उक्त परीक्षा में अर्ह आवेदकों के **साक्षात्कार 25.03.2025 एवं 26.03.2025** को आयोजित किए गए है।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के पत्र क्रमांक 1416/4369/2021/38-1 दिनांक 06.09.2024 में उल्लेखित रिक्ति के अनुसार आयोग द्वारा विज्ञापित शुद्धि पत्र क्रमांक 11/42/2022 दिनांक 10.09.2024 के माध्यम से उपरोक्त विज्ञापन कमांक 42/2022 दिनांक 30.12.2022 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पद विभाजन विज्ञापित किया गया है जिसके अनुसार, परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चूंकि उक्त शुद्धिपत्र दिनांक 10.09.2024 में उक्त विज्ञापित पदों में अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित पद की संख्या 01 होने के कारण विभाग के पत्रानुसार इस पद हेतु 87 एवं 13 प्रतिशत पदों के विभाजन की आवश्यकता नहीं है। अतएव चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत् मुख्य भाग हेतु विज्ञापित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों की संख्या-01 होने के कारण प्रावधिक भाग-13 प्रतिशत हेतु रिक्तियों की संख्या निरंक होने के परिणामस्वरूप पृथक से प्रावधिक भाग का चयन परिणाम जारी किए जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

3. अतएव, लिखित परीक्षा + अतिथि विद्वान अनुभव अंक + साक्षात्कार में प्राप्त प्राप्तांकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :-

सहायक प्राध्यापक (मनोविज्ञान)
पद विवरण तालिका (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	8	1	7	1	1	18
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	3	0	2	0	0	

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1	430107	UDITA SHARMA	F	UNRF	UNR
2	430241	DEEPESH RAGHUWANSHI	M	UNR	UNR
3	430261	ASHISH KUMAR YADAV	M	UNR	UNR
4	430438	DEEKSHA GUPTA	F	UNR	UNR
5	430015	YOGESH YADAV	M	UNR	OBC
6	430152	CHETAN GWALA	M	UNR	OBC
7	430190	SHUBHI VYAS	F	UNRF	UNR
8	430231	SHREYALI NEMA	F	UNRF	OBC
9	430153	BUSHRA KHAN	F	OBC	OBC
10	430118	AKASH SHARMA	M	EWS	EWS
11	430265	ASHOK KUMAR	M	SC	SC
12	430016	SAIMITRA CHOUHAN	F	STF	ST
13	430308	PRAVIN ANGARE	M	ST	ST
14	430047	PIUSH BHALAWE	M	ST	ST
15	430404	DEEPA PARTE	F	STF	ST

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1	430125	MONIKA	F	UNR
2.	430039	SACHIN SINGH	M	UNR
3	430214	TANVI SAXENA	F	UNR
4	430350	ARUNA KHATRI	F	UNR
5	430247	HARSHIT SHRIVASTAVA	M	EWS
6	430126	SOURABH KUSHWAH	M	OBC
7	430277	RAJEEV KUMAR	M	SC

टीप :-

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत् अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत् आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हों। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया जाना प्रावधानित है।
2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों से भरे जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
3. पात्रता धारित अतिथि विद्वानों को देय अनुभव अंकों का सत्यापन कार्य उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नामांकित विभागीय समिति द्वारा संपादित किया गया है।
4. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
5. कुल विज्ञापित पदों में से शुद्धिपत्र दिनांक 10.09.2024 में उल्लेखित मुख्य भाग-87 प्रतिशत हेतु विज्ञापित कुल 18 पदों में से अनुसूचित जनजाति वर्ग के 03 पद योग्य अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने के कारण यह पद रिक्त रखे गए हैं।

सचिव

जी-14124/51092/2025   **म.प्र. लोक सेवा आयोग, इन्दौर**

कार्यालय मुख्य अभियंता, इंदिरा सागर परियोजना (नहरें) सनावद, जिला-खरगोन (म.प्र.)

E-mail : ceispnvdasand@gmail.com, Tel. Phone : 07280-234608, Fax : 07280-234608

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना
(प्रथम आमंत्रण)

निविदा सूचना क्र. 03/सा/मु.अ./नागलवाड़ी उद्.सि.परि./2025-26/   **सनावद, दिनांक : 04.06.2025**

निम्न कार्य की ऑनलाइन निविदा ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम पोर्टल से वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर जारी की गई है। निविदा की संक्षिप्त जानकारी निम्नानुसार है :–

कार्य का नाम	-	नागलवाड़ी उद्वहन सिंचाई परियोजना का संचालन एवं रखरखाव 01 वर्ष के लिए जिसमें 47000 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई के लिए दाबयुक्त पाइप वितरण नेटवर्क भी शामिल है ''टर्न की अनुबंध'' पर विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार (परंतु उस तक सीमित नहीं।)
अनुबंध की अनुमानित राशि	-	616.87 लाख (जी.एस.टी. छोड़कर)
धरोहर राशि रु. में	-	6.16 लाख
निविदा प्रपत्र का मूल्य	-	20,000/- तीस हजार (वापसी योग्य नहीं)
ऑनलाइन निविदा क्रय करने का दिनांक	-	05.06.2025, 17.30 से 04.07.2025, 17.30 Hrs.
ऑनलाइन निविदा दस्तावेज जमा करने का दिनांक	-	05.06.2025, 17.35 से 04.07.2025, 17.30 Hrs.
धरोहर राशि एवं पूर्व अर्हता प्रपत्र खोलने का दिनांक	-	07.07.2025, 10.30 Hrs. के पश्चात
वित्तीय ऑफर खोलन का दिनांक	-	15.07.2025, 10.30 Hrs. के पश्चात

निविदा प्रपत्र उपरोक्त वेबसाइट पर क्रेडिट कार्ड या इंटरनेट बैंकिंग खाते से भुगतान करने के उपरांत केवल ऑनलाइन क्रय किया जा सकता है। निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये उपरोक्त वेबसाइट का अवलोकन करें।

मुख्य अभियंता

जी-14087/51089/2025   **इंदिरा सागर परियोजनाएं (नहरें) सनावद, जिला खरगोन (म.प्र.)**

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल : ce.tender.wrdmp@gmail.com, फोन : 0755-2767635, फैक्स : 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 1155/2025-26/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/   **भोपाल, दिनांक : 05.06.2025**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 25.06.2025 को 17:30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2025_WRD_428710	**टर्न की पद्धति पर :-** कोलार परियोजना अन्तर्गत रतनपुर उ.सि.यो. (माइक्रो) योजना एवं पाटतलाई उ.सि.यो. (माइक्रो) योजना में 5 वर्ष का संचालन एवं रखरखाव का कार्य, विस्तृत वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	सीहोर	133.18
2.	2025_WRD_428712	**टर्न की पद्धति पर :-** मेलकलमा में बैराज कम काजवे एवं 03 घाट (ग्राम दतोदा में चम्बल नदी की सहायक नदी, मण्डलावदा, चिमली में शिप्रा नदी पर) का सम्पूर्ण निर्माण कार्य, विस्तृत वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	इन्दौर	994.05
3.	2025_WRD_428713	बेसला तालाब योजना की नहरों का लाईनिंग कार्य। (विशेष मरम्मत)	नीमच	35.36
4.	2025_WRD_428714	नरवलिया बैराज का विशेष मरम्मत कार्य।	झाबुआ	32.48
5.	2025_WRD_428715	रंगपुरा बैराज का विशेष मरम्मत कार्य।	झाबुआ	52.09
6.	2025_WRD_428716	खनी अम्बा तालाब के बांध मरम्मत कार्य अन्तर्गत स्लूज वेल में गेट चेंज एवं जेकेटिंग कार्य, मुख्य बांध एवं नहर में अर्थवर्क, मुख्य नहर लाईनिंग, नहर रिसेक्शनिंग, नहर स्ट्रक्चर मरम्मत एवं व्ही.आर.बी. इत्यादि का निर्माण कार्य।	धार	148.80
7.	2025_WRD_428720	इन्दला तालाब के बांध मरम्मत कार्य अन्तर्गत स्लूस वेल में गेट रिपेयर एवं जेकेटिंग कार्य, वेस्ट वियर प्रोटेक्शन वाल निर्माण, मुख्य बांध में अर्थवर्क, मुख्य एवं माईनर नहर लाईनिंग, नहर रिसेक्शनिंग, नहर स्ट्रक्चर मरम्मत एवं व्ही.आर.बी. इत्यादि का निर्माण कार्य।	धार	190.35
8.	2025_WRD_428721	भाम मध्यम सिंचाई परियोजना डूब क्षेत्र में ग्राम राजगढ़ के समीप पुलिया निर्माण एवं ग्राम सेमलिया के डूब क्षेत्र के समीप रोड़ एवं पुलिया का निर्माण कार्य।	खण्डवा	33.62
9.	2025_WRD_428722	भाम मध्यम सिंचाई परियोजना पर बारबेड़ वायर फेंसिंग का निर्माण कार्य।	खण्डवा	22.99

जी-14088/51090/2025   **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

संस्कृति संचालनालय, म.प्र. शासन

1-शिवाजी नगर, रेडक्रास अस्पताल के पीछे, भोपाल-462016, फोन : 0755-2770598
वेबसाइट : www.culturemp.in, ईमेल : director-culture@mp.gov.in

शासकीय संगीत एवं ललित कला महाविद्यालयों में अतिथि विद्वानों की व्यवस्था हेतु आवेदन आमंत्रित हैं

शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रदेश के विभिन्न शासकीय संगीत एवं ललित कला महाविद्यालयों में अध्यापन के लिए अतिथि विद्वानों की व्यवस्था हेतु प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते हैं।

2. अतिथि विद्वानों की व्यवस्था संबंधी प्रक्रिया मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा निर्धारित मापदण्डों एवं नियमों के तहत् की जावेगी।
3. रिक्तियों के विषय/विधा, पद संख्या तथा स्थान आदि का विवरण एवं आवेदन पत्र का प्रारूप तथा उक्त नियम एवं मापदण्ड, संचालनालय की वेबसाइट **www.culturemp.in** पर उपलब्ध हैं।
4. उक्त नियम की कण्डिका 2.1.5 के अनुसार आवेदनकर्ता केवल किसी एक शिक्षण संस्था/महाविद्यालय हेतु ही अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकता है। एक से अधिक संस्था/महाविद्यालय हेतु आवेदन प्रस्तुत किये जाने पर समस्त आवेदन अमान्य किये जावेंगे।
5. म.प्र. शासन, संस्कृति विभाग, भोपाल द्वारा दिनांक 19.09.2017 के नियमों जारी संशोधन परिपत्र क्र. एफ-01-37/2013/तीस, दिनांक 03.06.2024 अनुसार पात्र उम्मीदवारों को प्रायोगिक साक्षात्कार/टेस्ट हेतु आमंत्रित किया जाएगा। आवेदकों को साक्षात्कार में स्वयं के व्यय पर उपस्थित होना होगा। इस हेतु यात्रा/आवास अथवा अन्य कोई व्यय देय/प्रतिपूर्ति योग्य नहीं होगा।
6. आवेदकों को प्रायोगिक साक्षात्कार में उपस्थित होने हेतु अपना वाद्ययंत्र/कला सामग्री (आवश्यक पेपर, पेंसिल, ब्रश, कलर्स आदि) अपने साथ लाना होगा। संचालनालय द्वारा वाद्ययंत्र/कला सामग्री उपलब्ध नहीं करायी जावेगी।
7. आवेदकों को आवेदन में पत्र व्यवहार हेतु अपना पूर्ण एवं स्पष्ट पता अंकित करना होगा। किसी भी पत्राचार में डाक से हुए विलंब के लिए संचालनालय उत्तरदायी नहीं होगा।
8. विज्ञापित पदों की संख्या में किसी भी स्तर पर संशोधन का पूर्ण अधिकार संचालक, संस्कृति संचालनालय के पास सुरक्षित रहेगा।
9. उक्त कार्यालय में समस्त माध्यमों से आवेदन पत्र (निर्धारित प्रारूप में समस्त जानकारी, शैक्षणिक योग्यताओं तथा अनुभव आदि के सत्यापित प्रमाण-पत्र सहित) प्राप्त होने की **अंतिम तिथि 30.06.2025 सायं 6:00 बजे तक** है।

संचालक
जी-14135/51094/2025 संस्कृति संचालनालय म.प्र., भोपाल

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल : ce.tender.wrdmp@gmail.com, फोन : 0755-2767635, फैक्स : 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 1156/2025-26/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ भोपाल, दिनांक : 05.06.2025

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 25.06.2025 को 17:30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2025_WRD_428723	**टर्न की पद्धति पर :-** चुंदरीपुरा (श्यादी) तालाब योजना (नहर रहित) का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	धार	1486.13
2.	2025_WRD_428724	**टर्न की पद्धति पर :-** शिप्रा नदी पर बुढीबरलई घाट का निर्माण कार्य, विस्तृत वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	इन्दौर	1242.33
3.	2025_WRD_428726	**टर्न की पद्धति पर :-** परीक्षा एवं पढ़ावली पाइप लाइन लघु सिंचाई योजना का निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	भिण्ड	1699.11

जी-14092/51091/2025 मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग
सेतु निर्माण परिक्षेत्र, भोपाल (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 03/मु.अ. (सेतु परिक्षेत्र)/वर्ष 2025-26 भोपाल, दिनांक : 06.06.2025

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. अनूपपुर जिले के अंतर्गत अनूपपुर जैतपुर मार्ग के कि.मी. 3/8 में सोन नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य।

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित सम्पूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु
2025_PWDRB_429354_1	अनूपपुर	पुल कार्य	प्रथम	1029.06	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. शहडोल जिले के अंतर्गत मैका-लफदा-चुहिरी मार्ग के कि.मी. 9/10 में सोन नदी पर पहुंच मार्ग सहित उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य।

2025_PWDRB_429355_1	शहडोल	पुल कार्य	प्रथम	1024.39	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. मण्डला जिले के अंतर्गत पिण्डरई केवलारी मार्ग में थावर नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य।

2025_PWDRB_429356_1	मण्डला	पुल कार्य	प्रथम	769.11	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. डिण्डोरी जिले में रूसा बरनई मेढाखार पखाडीसोडा मार्ग के कि.मी. 12/2 में करमण्डल नाला पर पहुंच मार्ग सहित उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य।

2025_PWDRB_429357_1	डिण्डोरी	पुल कार्य	प्रथम	518.26	केवल ऑनलाइन
			कुल योग	**3340.82**	

उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 27.06.2025 (17:30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता
जी-14150/51095/2025 लो.नि.वि., सेतु निर्माण परिक्षेत्र, भोपाल

कार्यालय प्राचार्य, शा. परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, उज्जैन (म.प्र.)

दीनदयाल उपाध्याय काम्पलेक्स के पीछे, गांधी नगर, सांवेर रोड उज्जैन (दूरभाष क्र. 0734-2990029)

अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों के लिये निःशुल्क प्रशिक्षण हेतु विज्ञापन

म.प्र. राज्य सेवा आयोग परीक्षा 2026, म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल, एस.एस.सी., रेलवे एवं बैंकिंग चयन मण्डलों एवं अन्य शासकीय सेवा में चयन के लिए आयोजित होने वाली आगामी प्रतियोगी परीक्षा में सम्मिलित होने वाले म.प्र. के अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के पात्र उम्मीदवारों से परीक्षा पूर्व कोचिंग लेने हेतु निर्धारित प्रपत्र में निम्नलिखित शर्त के साथ आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। उम्मीदवारों का चयन निर्धारित न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता रखने पर प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट तैयार कर किया जावेगा। प्रशिक्षण **दिनांक 07.07.2025** से प्रारंभ होना प्रस्तावित है। आवेदन जमा करने की **अंतिम तिथि दिनांक 02.07.2025** रहेगी। प्रशिक्षण स्थल तथा आवेदन प्राप्त व जमा करने का पता कार्यालय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र उज्जैन संभाग उज्जैन, दीनदयाल उपाध्याय काम्पलेक्स के पीछे, गांधी नगर, सांवेर रोड उज्जैन।

1. आवेदक मध्यप्रदेश का मूल निवासी होकर वह अनुसूचित जाति/जनजाति का सदस्य हो।
2. आवेदक की निर्धारित न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता रखने के साथ न्यूनतम 55 प्रतिशत या अधिक अंकों के साथ उत्तीर्ण हो।
3. अभ्यर्थियों के परिवार की समस्त स्रोतों से वार्षिक आय 6.00 लाख से अधिक न हो।
4. आय प्रमाण पत्र समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष का हो।
5. केन्द्र में प्रवेश हेतु न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष एवं अधिकतम आयु सीमा 35 वर्ष है।
6. आवेदक प्रतियोगी परीक्षा हेतु निर्धारित शर्तों को पूर्ण करता हो एवं शारीरिक योग्यता पदानुसार निर्धारित मापदण्डानुसार होनी चाहिए।
7. प्रशिक्षण अवधि म.प्र. राज्य सेवा आयोग की परीक्षा के लिए अधिकतम 12 माह, मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल कोर्स के लिए अधिकतम 03 माह तथा एस.एस.सी., बैंक, रेलवे के लिए अधिकतम 06 माह रहेगी।
8. उम्मीवारों को प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट तैयार कर प्रवेश दिया जावेगा।
9. प्रशिक्षण पूर्णकालिक है अतः प्रशिक्षण अवधि में प्रशिक्षणार्थी अन्य किसी भी महाविद्यालय/पाठ्यक्रम में नियमित अध्ययनरत नहीं होना चाहिए।
10. उक्त परीक्षा हेतु आवेदक ने इस प्रशिक्षण से संबंधित पूर्व में किसी भी विभागीय केन्द्र में प्रशिक्षण प्राप्त न किया हो।
11. किसी भी प्रकार की गलत सूचना देने एवं अनुशासनहीनता करने पर उम्मीदवार का प्रवेश किसी भी समय निरस्त किया जा सकता है, ऐसी स्थिति में किसी भी क्षति के लिये केन्द्र उत्तरदायी नहीं होगा।
12. प्रशिक्षणार्थी को प्रशिक्षण कोर्स संबंधित प्रतियोगी परीक्षा का आवेदन पत्र भरना तथा प्रतियोगी परीक्षा में बैठना अनिवार्य होगा।
13. प्रशिक्षण केन्द्र में पुस्तकालय, कम्प्यूटर लेब, डिजिटल कक्षा आदि सुविधाएं उपलब्ध हैं।

उपरोक्तानुसार इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र के साथ सक्षम अधिकारी द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्रों की स्वप्रमाणित/सत्यापित छायाप्रतियां जैसे-मूल निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, शैक्षणिक योग्यता की अंकसूची आदि सहित संलग्न कर अंतिम तिथि तक कार्यालय में जमा करें। शेष शर्तें एवं अन्य जानकारी केन्द्र से प्राप्त कर सकते हैं।

उपसंचालक/प्राचार्य
जी-14126/51093/2025 शा. परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, उज्जैन (म.प्र.)

कौशल विकास संचालनालय, मध्यप्रदेश
(मध्यप्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोज़गार निर्माण बोर्ड)

क्रमांक/कौविसं/एससीवीटी/2025/719 भोपाल, दिनांक : 10.06.2025

आम सूचना

सर्व को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2023-24 में आईटीआई की परीक्षा आयोजित कराने हेतु कार्यरत रही परीक्षा एजेंसी Ginger Webs Pvt. Ltd. द्वारा स्टेनो प्रायोगिक परीक्षा के 100 शप्रमि डिक्टेशन प्रमाण पत्र जारी करने की टेस्टिंग के दौरान कुछ प्रमाण पत्र तकनीकी त्रुटि के कारण आईटीआई लॉगिन पर लाइव हो गये, जिन्हें तत्काल एजेंसी द्वारा त्रुटि समझ आने पर पोर्टल से हटा दिया गया। विभाग द्वारा परीक्षा परिणाम घोषित होने की जानकारी देने से पूर्व ही कुछ आईटीआई द्वारा त्रुटिपूर्ण 27 प्रमाण पत्रों को डाउनलोड कर प्रशिक्षणार्थियों को वितरित कर दिया गया। प्रकरण संज्ञान में आने पर आईटीआई द्वारा वितरित त्रुटिपूर्ण प्रमाण पत्र की मूलप्रति वापिस प्राप्त किये जाने के संबंध में विभाग द्वारा संबंधित आईटीआई एवं प्रशिक्षणार्थियों को पत्र जारी किये गये। संबंधित आईटीआई द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को वितरित किये गये 27 प्रमाण पत्रों में से 17 प्रमाण पत्र प्रशिक्षणार्थियों से मूलतः प्राप्त कर लिये गये हैं, 01 प्रशिक्षणार्थी की मृत्यु हो गई है एवं शेष 09 प्रमाण पत्र आज दिनांक तक प्राप्त नहीं हुए हैं।

विभाग द्वारा बार-बार पत्राचार करने के उपरांत भी कई प्रशिक्षणार्थियों द्वारा त्रुटिवश जारी हुए प्रमाण पत्र जमा नहीं किये जा रहे हैं, जिनकी जानकारी निम्नानुसार है :-

S. NO.	DISTRICT	NAME OF ITI	ROLL NUMBER	NAME OF TRAINEE
1.	CHHINDWARA	GOVT ITI - JUNNARDEO DIST - CHHINDWARA	21HBE31038700	DISHA SAHU
2.	CHHINDWARA	GOVT ITI - JUNNARDEO DIST - CHHINDWARA	21J4A07082857	SHIKHA GAJBHIYE
3.	CHHINDWARA	GOVT ITI - JUNNARDEO DIST - CHHINDWARA	21J8119119227	KHWAHISH NAAJ ANSARI
4.	SAGAR	DIVISIONAL ITI SAGAR	21HD427016751	ANJALI
5.	SAGAR	DIVISIONAL ITI SAGAR	21J3507082585	MOHIT SAHU
6.	SAGAR	DIVISIONAL ITI SAGAR	21J9704055871	PRAGATI TIWARI
7.	SAGAR	DIVISIONAL ITI SAGAR	21J9707081683	SIDDHARTH JAIN
8.	SAGAR	DIVISIONAL ITI SAGAR	20H4318055248	NISHA SAHU
9.	BHOPAL	GOVT ITI - BAIRASIA DIST - BHOPAL	18GD607003161	RACHANA AHIRWAR

उपरोक्तानुसार संलग्न सूची में उल्लेखित प्रशिक्षणार्थी 100 शप्रमि डिक्टेशन की परीक्षा में अनुत्तीर्ण है। अतः उक्त प्रशिक्षणार्थियों के जुलाई 2023 में जारी हुए प्रमाण पत्रों को विभाग द्वारा पूर्णतः रद्द किया जाता है। भविष्य में यदि संबंधित प्रशिक्षणार्थियों द्वारा उक्त प्रमाण पत्रों का उपयोग किया जाता है तो विभाग द्वारा संबंधित प्रशिक्षणार्थियों के विरुद्ध कानूनी कार्यावाही की जायेगी।

संचालक
जी-14173/51096/2025 कौशल विकास संचालनालय, म.प्र.

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

क्रमांक 4283/09/2025/चयन इंदौर, दिनांक 10.06.2025

सहायक प्राध्यापक (दर्शनशास्त्र) परीक्षा-2022
चयन-सूची (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)
पदनाम - सहायक प्राध्यापक, दर्शनशास्त्र

आयोग के विज्ञापन क्रमांक **39/2022 दिनांक 30.12.2022** एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि सूचनाओं आदि के संदर्भ में **म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग** के अंतर्गत विज्ञापित पद - **सहायक प्राध्यापक, दर्शनशास्त्र** के कुल 12 पद (अनारक्षित-05 अ.जा.-निरंक, अ.ज.जा.-04, अ.पि.वर्ग-02, ई.डब्ल्यू.एस.-01) इनमें से महिलाओं हेतु आरक्षित (अनारक्षित-02, अ.जा.-निरंक, अ.ज.जा.-01, अ.पि.वर्ग-01 ई.डब्ल्यू.एस.-निरंक) विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए, **सहायक प्राध्यापक (दर्शनशास्त्र) परीक्षा-2022 दिनांक 17.11.2024 को** आयोजित की गई। आयोग द्वारा लिखित परीक्षा परिणाम दिनांक 08.01.2025 को घोषित किया गया। उक्त परीक्षा में अर्ह आवेदकों के **साक्षात्कार 08.04.2025** को आयोजित किए गए हैं।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में म.प्र. शासन, उच्च शिक्षा विभाग के पत्र क्रमांक 1416/4369/2021/38-1 दिनांक 06.09.2024 में उल्लेखित रिक्ति के अनुसार आयोग द्वारा विज्ञापित शुद्धि पत्र क्रमांक 11/39/2022 दिनांक 10.09.2024 के माध्यम से उपरोक्त विज्ञापन क्रमांक 39/2022 दिनांक 30.12.2022 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पद विभाजन विज्ञापित किया गया है जिसके अनुसार, परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चूंकि उक्त शुद्धिपत्र दिनांक 10.09.2024 में उक्त विज्ञापित पदों में अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित पद की संख्या 02 होने के कारण विभाग के पत्रानुसार इस पद हेतु 87 एवं 13 प्रतिशत पदों के विभाजन की आवश्यकता नहीं है। अतएव चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत् मुख्य भाग हेतु विज्ञापित रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों की संख्या 02 होने के कारण प्रावधिक भाग -13 प्रतिशत हेतु रिक्तियों की संख्या निरंक होने के परिणामस्वरूप पृथक से प्रावधिक भाग का चयन परिणाम जारी किए जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

3. अतएव, लिखित परीक्षा + अतिथि विद्वान अनुभव अंक + साक्षात्कार में प्राप्त प्राप्तांकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :-

सहायक प्राध्यापक (दर्शनशास्त्र)

पद विवरण तालिका (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	5	0	4	2	1	12
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	2	0	1	1	0	

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1	420295	ANSHIKA SINGH	F	UNR	UNR
2	420187	RUPALI UPADHYAY	F	UNRF	UNR
3	420280	AALOK DUBEY	M	UNR	EWS
4	420365	VIPIN KUMAR JAIN	M	UNR	EWS
5	420446	MAHENDRA SINGH PORTE	M	ST	ST
6	420248	SHRUTI CHATURVEDI	F	UNRF	UNR
7	420339	RAGHAVENDRA KUMAR MISHRA	M	EWS	EWS
8	420321	JITENDRA BAGHEL	M	OBC	OBC
9	420014	RAKHI UIKEY	F	STF	ST
10	420036	SHABANA YASMIN	F	OBCF	OBC
11	420195	KULDEEP SINGH MARAVI	M	ST	ST
12	420345	NEELAM DEVDA	F	ST	ST

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1	420258	MANGLAM KESHAV	M	UNR
2	420335	AMIT	M	UNR
3	420064	RAJUL GUPTA	M	EWS
4	420122	AKSHRA SINGHAI	F	EWS
5	420128	GEETESH PATLE	M	OBC
6	420019	JAHIRA KHATUN	F	OBC
7	420193	BRAJESH KUMAR KONDAR	M	ST
8	420162	RESHMA SINGH	F	ST
9	420127	MEENA MARKO	F	ST

टीप :-

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ.प्र./ एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत् अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत् आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हों। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया जाना प्रावधानित है।
2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/ एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों से भरे जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
3. पात्रता धारित अतिथि विद्वानों को देय अनुभव अंकों का सत्यापन कार्य उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नामांकित विभागीय समिति द्वारा संपादित किया गया है।
4. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
5. घोषित चयन परिणाम मान. उच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू.पी. 10905/2023 डब्ल्यू.पी. 4858/2024 डब्ल्यू.पी. 7705/2023, डब्ल्यू.पी. 11400/2024 याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा।
6. न्यायालयीन प्रकरण वाले अभ्यर्थियों के चयन परिणाम मान. न्यायालय के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रखे जाकर रोके गए हैं।

प्रभारी सचिव

जी-14253/51100/2025 **म.प्र. लोक सेवा आयोग, इन्दौर**

कार्यालय, प्राचार्य परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र
35, श्यामला हिल्स भोपाल

E-mail : petcsc.bpl@gmail.com, Phone : 0755-2666615

पत्र क्र.-/पी.ईटी.सी./प्रशि/36/2025/955 **भोपाल, दिनांक : 06.06.2025**

अंशकालीन अतिथि व्याख्याताओं के चयन हेतु विज्ञप्ति

म.प्र. शासन, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल में मध्यप्रदेश के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के प्रशिक्षणार्थियों को मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा, बैंकिंग, रेलवे तथा प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। उक्त परीक्षाओं में प्रशिक्षण देने के लिये अतिथि व्याख्याताओं के चयन हेतु योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। अतिथि व्याख्याताओं के लिये निर्धारित योग्यता एवं अनुभव निम्नानुसार रहेगा -

1. उम्मीदवारों को प्रथम श्रेणी में स्नातकोत्तर उपाधि धारक ऐसे प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान जहां से प्रशिक्षणार्थियों का चयन प्रतियोगी परीक्षा में होता रहा हो, में अध्यापन का कम से कम वर्ष 5 का अनुभव होना आवश्यक है।
2. योग्य उम्मीदवारों का पैनल बनाकर समय-समय पर आयोजित होने वाले प्रशिक्षण में व्याख्याताओं को व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया जावेगा एवं उन्हें शासन द्वारा नियत मानदेय का नियमानुसार भुगतान किया जावेगा। जो वर्तमान में 90 मिनट का रुपये 800 है।
3. आवेदन प्रारूप में अतिथि व्याख्याताओं द्वारा पढ़ाए जाने वाले विषयों एवं संबंधित प्रतियोगी परीक्षाओं का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाना अनिवार्य है।
4. प्राप्त आवेदन पत्रों में से योग्य उम्मीदवारों का चयन राज्य शासन के निर्देशों के पालन में केन्द्र में गठित समिति द्वारा किया जावेगा, जिसका अंतिम निर्णय सर्वमान्य होगा।

निर्धारित अर्हता रखने वाले उम्मीदवार अपना आवेदन संलग्न आवेदन प्रारूप में शैक्षणिक अभिलेखों व अनुभव प्रमाण पत्रों की छायाप्रतियों के साथ **दिनांक 27.06.2025 तक** केन्द्र के **E-mail:petcsc.bpl@gmail.com** पर अथवा कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से कार्यालयीन समय में जमा कर सकते हैं।

प्राचार्य

जी-14269/51102/2025 **परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, भोपाल (म.प्र.)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
म.प्र. लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग
शेड क्र. 8 जवाहर चौक, भोपाल, दूरभाष-2777235

क्र.-1130/सेतु/व.ले.लि./2025 **भोपाल, दिनांक : 04.06.2025**

निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 1001/सेतु/व.ले.लि./2025 भोपाल दिनांक 21.5.2025 द्वारा निविदा सूचना क्रमांक 03/2025-26 दिनांक 21.5.2025, शासकीय निर्माण कार्यों के निरीक्षण हेतु वाहन किराये पर लेने के लिए निविदा आमंत्रित की गई थी, जिसका जी क्रमांक जी-13349/25 है। इस निविदा को अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।

कार्यपालन यंत्री

जी-14245/51099/2025 **लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग, भोपाल**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग
सिविल लाइन गणेश चौक कटनी, जिला-कटनी, (म.प्र.) 483501

दूरभाष नंबर : 07622-401753, ई-मेल आई.डी. : dpepiukatni@gmail.com

एन.आई.टी. नंबर-14/2025/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सा/मु.अ.(भ) **दिनांक : 09.06.2025**

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है:

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. जिला कटनी के शास.कन्या हायर सेके. स्कूल उमरियापान में 03 नग लैब एवं 04 नग अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ई.एम.डी.) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में)	कार्यालय का नाम जहां ईएमडी एवं तकनीकी बिड ऑनलाइन प्राप्त की जावेगी।
2025_PWPIU_427682_1	कटनी	99.36	99400.00	10000.00	टेण्डर डाक्यूमेंट के अनुसार	10 माह वर्षाकाल सहित	मुख्य अभियंता (भवन) लोक निर्माण विभाग साउथ सिविल लाइन जबलपुर (म.प्र.)

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय महाविद्यालय बहोरीबंद, जिला कटनी में 10 क्लास रूम का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ई.एम.डी.) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में)	कार्यालय का नाम जहां ईएमडी एवं तकनीकी बिड ऑनलाइन प्राप्त की जावेगी।
2025_PWPIU_428086_1	कटनी	253.38	254000.00	15000.00	टेण्डर डाक्यूमेंट के अनुसार	12 माह वर्षाकाल सहित	मुख्य अभियंता (भवन) लोक निर्माण विभाग साउथ सिविल लाइन जबलपुर (म.प्र.)

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. जिला कटनी के शेष कार्यों हेतु जोनल निविदा का कार्य। (तृतीय आमंत्रण)

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ई.एम.डी.) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में)	कार्यालय का नाम जहां ईएमडी एवं तकनीकी बिड ऑनलाइन प्राप्त की जावेगी।
2025_PWPIU_428077_1	कटनी	100.00	100000.00	10000.00	टेण्डर डाक्यूमेंट के अनुसार	12 माह वर्षाकाल सहित	मुख्य अभियंता (भवन) लोक निर्माण विभाग साउथ सिविल लाइन जबलपुर (म.प्र.)

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेवसाइट **https://mptenders.gov.in/nicgep/app** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 11.06.2025 (समय सुबह 9:00) से दिनांक 25.06.2025 तक (समय शाम 6:00) खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. मूल अमानत राशि एवं तकनीकी बिड केवल ऑनलाइन दिनांक 25.06.2025 को सायंकाल 06:00 बजे तक प्राप्त किये जावेंगे। 5. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जावेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री (भवन)

जी-14264/51101/2025 **लोक निर्माण विभाग कटनी (म.प्र.)**

निराश्रित गौवंश के आश्रय का होगा स्थाई समाधान - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा निराश्रित गौवंश की आश्रय समस्या के निराकरण के लिए स्थाई समाधान निकाला गया है। अब प्रदेश में कामधेनु निवास (स्वावलंबी गौशाला) स्थापित होगी, जहां बड़ी संख्या में गौवंश की देखभाल की जाएगी। इसके लिए सरकार द्वारा 'मध्यप्रदेश राज्य में स्वावलंबी गौशालाएं (कामधेनु निवास) स्थापना की नीति 2025' को स्वीकृति भी प्रदान कर दी गई है।

इस नीति के तहत प्रदेश में स्वावलंबी गौशालाएं स्थापित की जाएंगी, जिनमें न्यूनतम 5 हजार गौवंश का पालन अनिवार्य होगा। इनमें से 30 प्रतिशत गौवंश उन्नत दुधारु नस्ल का हो सकता है। सरकार द्वारा अधिकतम 125 एकड़ शासकीय भूमि के उपयोग के अधिकार गौशाला संचालकों को दिए जाएंगे। इन गौशालाओं में 5 हजार से अधिक गौवंश होने पर प्रति एक हजार गौवंश पर 25 एकड़ अतिरिक्त शासकीय भूमि दी जा सकेगी। पशुपालन एवं डेयरी विभाग लैंड बैंक तैयार करेगा। भूमि पशुपालन एवं डेयरी विभाग के स्वामित्व में रहेगी तथा विभाग की तरफ से मध्यप्रदेश गौ संवर्धन बोर्ड और गोपालक संस्था के मध्य उपयोग अनुबंध निष्पादित किया जाएगा। भूमि जैसी है वैसी के आधार पर उपलब्ध कराई जाएगी। भूमि पर विकास कार्य गोपालक संस्था को करवाना होगा।

भारतीय ज्ञान परम्परा पर गर्व एवं विश्वास का भाव जागृत करने की आवश्यकता

भोपाल, आयुर्वेद, भारत की पुरातन चिकित्सा पद्धति है, हमारे पूर्वजों ने विश्व में भारतीय ज्ञान परम्परा को आयुर्वेद के माध्यम से स्थापित किया। वर्तमान परिदृश्य में समाज में हर क्षेत्र-हर विधा में विद्यमान परम्परागत भारतीय ज्ञान पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण आधारित शोध एवं अनुसंधान हो रहे हैं और हर क्षेत्र में भारतीय ज्ञान के प्रमाण मिल रहे हैं। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने भोपाल स्थित पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद संस्थान में आयुष विभाग द्वारा स्थापित 'पं. उद्धवदास मेहता वैद्य शास्त्री आयुर्वेद सेवा सम्मान समारोह' में कही।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने आयुर्वेद के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि आयुर्वेद में नवाचार एवं तकनीक आधारित शोध एवं अनुसंधान की आवश्यकता है। इससे आने वाले समय में आयुर्वेद भी जनमानस में आधुनिक चिकित्सा पद्धति के समकक्ष मान्यता स्थापित कर सकेगा। श्री परमार ने कहा कि स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 तक हर क्षेत्र के लिए लक्ष्य निर्धारित कर क्रियान्वयन हो रहा है। भारत, आयुर्वेद के माध्यम से पुनः विश्वमंच पर सिरमौर बनेगा। श्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के आधार पर देश पुनः विश्वमंच पर सर्वश्रेष्ठ बने, इसके लिए भारतीय ज्ञान परम्परा पर गर्व एवं विश्वास का भाव जागृत करना होगा।

श्री परमार ने आगामी सत्र से उक्त पुरस्कार की राशि एक लाख रुपये से बढ़ाकर एक लाख 51 हजार रुपये करने की बात कही। उन्होंने कहा कि इससे लोग नवाचार के लिए स्वप्रेरित होंगे।

जनजातीय कोल समाज अपनी वीरता एवं गंभीरता के लिए जाना जाता है

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव राज्यस्तरीय कोल जनजातीय सम्मेलन में विकास कार्यों का लोकार्पण करते हुए

शहडोल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ब्यौहारी में राज्यस्तरीय कोल जनजातीय सम्मेलन को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समाज का समृद्ध एवं गौरवशाली इतिहास रहा है, समाज ने देश की स्वतंत्रता एवं विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जनजातीय कोल समाज प्राचीनकाल से ही अपनी वीरता एवं गंभीरता के लिए जाना जाता है। जनजातीय समाज के अनेक नायकों ने अपना बलिदान देकर जल, जंगल, जमीन एवं अंग्रेजों से लड़कर देश की स्वतंत्रता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रदेश सरकार द्वारा पूरे प्रदेश में जहां कोल जनजाति के लोग निवासरत हैं और जिनके पट्टे नहीं बने हैं, जांच कराकर पट्टा देने का कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने क्रांतिकारी देशभक्त जनजातीय महानायक भगवान बिरसा मुण्डा की प्रतिमा तथा बाणसागर जलाशय में बाणभट्ट की प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा की।

- **जनजातीय समाज का समृद्ध एवं गौरवशाली इतिहास है।**
- **समाज का देश की स्वतंत्रता एवं विकास में महत्वपूर्ण योगदान है।**
- **जहां कोल जनजाति निवास करती है, वहां जांच कर जमीन के पट्टे दिए जाएंगे।**
- **बाणसागर परियोजना के सरसी आईलैंड में जल पर्यटन का किया जाएगा विकास।**

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय समाज के बेटा, बेटियों की शिक्षा तथा कोचिंग का खर्च सरकार उठाएगी। प्रदेश के सभी संभागों में 24-24 करोड़ रुपये की लागत वाले 100-100 सीटर बालक एवं बालिका छात्रावास एवं परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र खोले जाएंगे। उन्होंने 330 करोड़ रुपये की लागत के 55 विकास कार्यों का लोकार्पण ओर 52 कार्यों का भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के 11 वर्ष पूर्ण हो गए हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश का मान एवं सम्मान पूरी दुनिया में बढ़ा है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों के विकास में कोई कसर बाकी नहीं रखी है। देश का तेजी से विकास हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के चार मिशन गरीब, युवा, नारी एवं अन्नदाता के विकास के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित है। उन्होंने कहा कि 4 करोड़ लोगों को पक्के आवास दिए गए हैं।

जनजातीय नायकों का स्मरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजा भभूत सिंह के योगदान का स्मरण भी किया। राजा भभूत सिंह के सम्मान में उनके शासन केंद्र पचमढ़ी में कैबिनेट बैठक का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कौल समाज में अनेक गौरवशाली व्यक्तित्व रहे हैं इनमें बुधु भगत और मदारा महतो भी शामिल हैं।

प्रदेश में 145 मॉडल स्कूलों का संचालन

भोपाल, स्कूल शिक्षा विभाग 145 शासकीय मॉडल स्कूल का संचालन कर रहा है। इनमें से 143 मॉडल स्कूल के स्वयं के भवन निर्मित हो चुके हैं। इन मॉडल स्कूल में करीब 50 हजार बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाई जा रही है। मॉडल स्कूल शैक्षणिक रूप से प्रदेश के पिछड़े विकासखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित हो रहे हैं। इन स्कूलों में शिक्षा से जुड़ी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। स्कूल शिक्षा विभाग माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश के 43 जिला मुख्यालयों एवं 96 विकासखंडों में उत्कृष्ट विद्यालय संचालित हो रहे हैं।

नगरीय निकायों के लिये वेब आधारित ई-नगरपालिका 2.0 लागू

भोपाल, नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने प्रदेश के सभी नगरीय निकायों को कम्प्यूटरीकृत करने के लिये केन्द्रीकृत वेब आधारित ई-नगरपालिका 2.0 योजना प्रारंभ की है। यह योजना डिजिटल इण्डिया के उद्देश्य को बढ़ावा देने तथा पारदर्शी और त्वरित नागरिक सेवा देने के उद्देश्य से लागू की गयी है। यह योजना ई-गवर्नेंस का अनूठा उदाहरण है। ई-नगरपालिका 1.0 द्वारा नगरीय निकायों द्वारा समस्त नागरिक सेवाओं, जन-शिकायत सुविधा, निकायों की आंतरिक कार्य-प्रणाली, समस्त भुगतान और बजट प्रक्रिया को एकीकृत कर ऑनलाइन सुविधा प्रदाय की जा रही है। मध्यप्रदेश ऐसा पहला राज्य है, जहां प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों को एक सिंगल पोर्टल पर लाया गया है।

ई-नगरपालिका 2.0 का विभिन्न विभागों जैसे उद्योग, राजस्व, पंजीयन विभाग आदि एवं भारत सरकार के महत्वपूर्ण मोबाइल ऐप जैसे उमंग से भी एकीकृत किया गया है। प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों में नागरिक सेवाओं को प्रदाय करने के लिये एकीकृत एकल एसएपी, ईआरपी प्लेटफार्म आधारित ई-नगरपालिका 1.0 लागू की गयी थी। इसके बाद ई-नगरपालिका 2.0 नगरीय निकायों में लागू कर दी गयी है। इसके अंतर्गत 16 मॉड्यूल तथा 24 नागरिक सेवाएं शामिल हैं। भौतिक अवसंरचना को क्लाउड सेवाओं द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है। ई-नगरपालिका 2.0 में जीआईएस एकीकरण और ऑर्टीफिशियल इंटेलिजेंस का भी उपयोग किया जा रहा है। कॉमन सर्विस सेंटर, एमपी ऑनलाइन कियोस्क सेंटर और भुगतान गेटवे के साथ ई-नगरपालिका 2.0 का एकीकरण किया जा रहा है।

ई-नगरपालिका 2.0 ओपन सोर्स प्लेटफार्म टेक्नोलॉजी पर आधारित है। ई-नगरपालिका 2.0 पोर्टल का विकास 2 वर्ष तथा 5 वर्ष के ऑपरेशन और मेंटेनेंस का कार्य वेंडर द्वारा किया जायेगा। विभाग द्वारा अपनी वेबसाइट भी प्रारंभ की गयी है, जिसका यूआरएल www.mpurban.gov.in है।

चैक-लिस्ट बनाकर करें बाढ़-राहत और बचाव संबंधी निर्देशों का पालन

भोपाल, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने बाढ़ राहत एवं बचाव संबंधी राज्यस्तरीय समिति की बैठक में निर्देश दिये हैं कि बाढ़ राहत और बचाव संबंधी निर्देशों के दृष्टिगत एक चैक लिस्ट बनाई जाये और उसके अनुसार सभी विभाग अगले 15 दिनों के अंदर सौंपे गये दायित्वों को पूरा करें। उन्होंने कहा कि ओडिशा में आपदा प्रबंधन पर हुए अच्छे कार्यों को मॉडल बनाकर राज्य में उसी तरह का सिस्टम विकसित किया जाये, जिससे जनहानि से बचा जा सके। उन्होंने राजस्व, गृह, कृषि, जल संसाधन, और मौसम विभाग को मिलकर समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिये। मुख्य सचिव ने विभिन्न विभागों को बाढ़ से बचाव और राहत संबंधी अनेक दायित्व सौंपे हैं। मानसून पूर्व अतिवृष्टि से निपटने के लिए हुई राज्यस्तरीय समिति की बैठक में गृह विभाग को सेना से समन्वय, बाढ़ बचाव उपकरणों की तैयारी, प्रशिक्षित तैराकों की सूची और नियंत्रण कक्ष से समन्वय की जिम्मेदारी दी गई। राजस्व विभाग को सभी कलेक्टर को चैक-लिस्ट अनुसार तैयारी, आपदा की स्थिति में क्षति आकलन और समय पर राहत वितरण सुनिश्चित करने का कार्य सौंपा गया है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को अस्थायी शिविरों के लिए भवन चयन, जर्जर भवनों के चिह्नांकन की कार्यवाई, निचले क्षेत्रों से आबादी का स्थानांतरण, खुले बोरवेल एवं कुओं की सुरक्षा के निर्देश दिए गए हैं।

प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में नए मापदंड बन रहे हैं - मुख्यमंत्री

जबलपुर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनजाति बाहुल्य क्षेत्र कुंडम में जबलपुर और मंडला जिले के किसानों को बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुंडम के समीप ग्राम छपरा में सांदीपनि विद्यालय और आईटीआई का लोकार्पण करने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए 1400 करोड़ रुपये की लागत से गौमुख जलाशय बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गौमुख जलाशय से 25 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी। जलाशय से जबलपुर जिले के 14 हजार 900 और मंडला जिले के 10 हजार 100 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई संभावित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजाति बाहुल्य क्षेत्र को सांदीपनि विद्यालय और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था की सौगात मिल रही है। यह शिक्षा के मंदिर इस क्षेत्र में रहने वाले छात्र-छात्राओं के जीवन में बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और विद्यार्थियों के जीवन की बेहतर दिशा तय करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि भगवान श्री कृष्ण और श्री बलराम ने सांदीपनि आश्रम में अपनी शिक्षा ग्रहण की। शिक्षा ग्रहण करने के बाद विद्यार्थी नए रूप में उभरकर सामने आते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में नित नये आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने बताया कि उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर प्रदेश के दो सांदीपनि विद्यालय क्रमशः रतलाम का विनोबा सीएम राइज़ स्कूल 'विश्व के सर्वश्रेष्ठ स्कूल पुरस्कार, 2024' के 'नवाचार' श्रेणी में प्रथम स्थान पर घोषित हुआ है। सीएम राइज़ मॉडल उच्चतर माध्यमिक स्कूल झाबुआ को 'सपोर्टिंग हेल्दी लाइफ' में चुना गया है। लंदन स्थित T-4 एजुकेशन संस्था ने विभिन्न श्रेणियों में हमारे सांदीपनि विद्यालियों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ स्कूलों में शामिल किया है। कक्षा 10वी एवं 12वी बोर्ड परीक्षा के परिणामों में शासकीय स्कूल के विद्यार्थियों ने निजी विद्यालयों की तुलना में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि गोंडवाना समाज की रानी दुर्गावती ने अपने पराक्रम से दुश्मनों को मात दी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना में होगा बीस हजार करोड़ रुपये का निवेश - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 'सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना समिट' में निवेशकों को लेटर ऑफ अवॉर्ड प्रदान करते हुए

- मध्यप्रदेश में उत्पादित सोलर ऊर्जा से नई दिल्ली में चल रही है मेट्रो ट्रेन।
- पड़ोसी राज्यों के साथ मिलकर 6-6 महीने के लिए शुरू किए जाएंगे सोलर प्रोजेक्ट।
- बड़े पैमाने पर सोलर तथा पवन ऊर्जा का हो रहा है उत्पादन।

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में 'सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना' समिट को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में सिरमौर बनाने के लिये प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा देश में वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट तक सौर ऊर्जा उत्पादन करने और इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के स्वप्न को साकार करने में मध्यप्रदेश शत-प्रतिशत योगदान देगा। उन्होंने कहा कि भोपाल में सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना समिट में देश एवं प्रदेश के 350 से अधिक निवेशकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की है। सभी के उत्साह का ही परिणाम है कि योजना में 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक राशि का निवेश होना संभावित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नायक हैं। श्री मोदी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में विकास हो रहा है। ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। प्रदेश में सोलर तथा पवन ऊर्जा का बड़े पैमाने पर उत्पादन हो रहा है। मध्यप्रदेश के सोलर ऊर्जा उत्पादन से नई दिल्ली में मेट्रो ट्रेन चल रही है और कई घरों को बिजली मिल रही है। निकट भविष्य में पड़ोसी राज्यों के साथ मिलकर 6-6 महीने बिजली उपलब्धता के लिए सोलर प्रोजेक्ट शुरू किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में ऊर्जा और नवकरणीय ऊर्जा विभाग मिलकर कार्य कर रहे हैं। सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना में छोटे-छोटे निवेशकों को भी जोड़ना एक सराहनीय प्रयास है। मध्यप्रदेश सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के कार्यकाल के 11 वर्षों में बड़े बदलाव आए हैं। मध्यप्रदेश बिजली के मामले में सरप्लस है। मोहासा बाबई में नवकरणीय ऊर्जा के उपकरण निर्माण के लिए 22 इकाइयों का भूमिपूजन किया जा चुका है इससे 24 हजार रोज़गार के अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि महेश्वर में बना फ्लोटिंग एनर्जी पार्क अद्भुत है। इसके अलावा नीमच और रीवा में बड़े सोलर प्रोजेक्ट संचालित हैं।

लक्ष्य को समय-सीमा से पहले पूरा करने का भाव जरूरी - राज्यपाल

भोपाल, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने राजभवन में सिकल सेल मिशन के कार्यों की समीक्षा बैठक को संबोधित किया। राज्यपाल ने कहा कि वर्ष 2047 तक सिकल सेल उन्मूलन के लिए संवेदनशीलता, सहानुभूति के साथ रोग उन्मूलन की प्रतिबद्धता जरूरी है। कार्य का भाव लक्ष्य को समय-सीमा से पूर्व पूरा करने का होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सिकल सेल मिशन के कार्य मानवता की सेवा के माध्यम है। ईश्वरीय कृपा के भागी होने का यह बड़ा अवसर है।

राज्यपाल ने स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग के द्वारा सिकल सेल उपचार, प्रबंधन और नियंत्रण प्रयासों की जानकारी प्राप्त की। उनको बताया गया कि मिशन के अंतर्गत 19 जून से 3 जुलाई तक समस्त ग्राम पंचायतों, एकलव्य आवासीय स्कूलों एवं छात्रावासों में मेगा शिविर आयोजित होंगे। अधिक से अधिक स्क्रीनिंग जांच की जाएगी। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से लेकर जिला चिकित्सालयों में पीओसी किट के द्वारा स्क्रीनिंग की जाएगी। प्रतिदिन स्क्रीनिंग जांच का डेटा पोर्टल में दर्ज होगा। जेनेटिक काउंसलिंग की जाएगी। जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड प्रदान किए जाएंगे। ब्लॉक एवं जिला स्तर पर चिह्नित सिकल सेल रोगियों के लिए शिविर लगेंगे। उन्हें विशेषज्ञों की परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। सिकल सेल रोगियों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं यू.डी.आई.डी. कार्ड प्रदान कर पेंशन की सुविधा प्रदान की जाएगी।

आयुष विभाग द्वारा बताया गया कि विश्व सिकल सेल दिवस के तारतम्य में जनजातीय बहुल 20 जिलों में संचालित 78 आयुष औषधालयों में शिविर का आयोजन किया जाएगा। सिकल सेल उपचार में सहायक आयुर्वेद दवाओं की किट का वितरण होगा। रोग उपचार में सहायक स्थानीय वनस्पति के संरक्षण, संवर्धन के प्रति जन जागरूकता के कार्य होंगे। सिकल सेल एनीमिया प्रभावित प्रत्येक ग्राम में जनजागृति के लिए प्रभात फेरी और ग्राम-सभा आदि के आयोजन किए जाएंगे।

खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए तकनीक को खेतों तक पहुंचाना जरूरी

राजगढ़, राजगढ़ जिले के सारंगपुर विकासखंड के ग्राम बाबड़लया में विकसित कृषि संकल्प अभियान यात्रा में कौशल विकास एवं रोज़गार राज्यमंत्री श्री गौतम टेटवाल ने कहा है कि यह केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि एक ऐसा संकल्प है जिसके माध्यम से हम हर खेत तक तकनीक, प्रशिक्षण और समर्थन पहुंचाना चाहते हैं। सरकार की यह प्राथमिकता है कि आधुनिक तकनीक और योजनाओं की जानकारी सीधे गांव और खेत तक पहुंचे।

श्री टेटवाल ने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है और गांवों की आत्मा किसान हैं। खेती को लाभकारी बनाने के लिए नवाचार, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तकनीकी हस्तक्षेप समय की मांग है। उन्होंने कहा कि यह अभियान न केवल खेती को आधुनिक बनाएगा, बल्कि इसे व्यवसाय का रूप देने में भी सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे वैज्ञानिक तरीकों को अपनाएं और पारंपरिक अनुभव के साथ नए प्रयोगों को जोड़कर अपनी उपज और आमदनी दोनों बढ़ाएं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम पर आधारित होगा

भोपाल, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) के अवसर पर प्रदेश में सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन जिला, विकासखण्ड एवं पंचायत स्तर पर किया जायेगा। इन कार्यक्रमों में सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों (स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, आयुष, नर्सिंग, पशु चिकित्सा, कृषि शिक्षा) पॉलिटेक्निक, आई.टी.आई. एवं समस्त शासकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों के छात्रों के अलावा अन्य समस्त शैक्षणिक सस्थानों के विद्यार्थी शामिल होंगे। साथ ही योग संस्थानों, एन.सी.सी., एन.एस.एस., पुलिसकर्मियों, विभिन्न प्रशिक्षण संस्थान, शासकीय सेवकों, स्वयंसेवी संगठन, वाणिज्यिक एवं औद्योगिक संगठन सहित आम नागरिकों की सामूहिक योग कार्यक्रम में भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी।

प्रदेश के समस्त शासकीय/निजी संस्थाओं द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में शामिल होने आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी गई लिंक https://yoga.ayush.gov.in/yoga-sangam पर आयोजक के रूप में पंजीयन कराना होगा। इससे केन्द्र सरकार के स्तर पर प्रदेश में आयोजन की संख्या निर्धारित हो सकेगी। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा योग को वैश्विक पहचान देते हुए वर्ष 2015 में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया है।

जल जीवन मिशन में ग्वालियर, भिंड, नर्मदापुरम और शहडोल जिले एफएचटीसी उपलब्ध कराने में अग्रणी रहे

भोपाल, प्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रत्येक ग्रामीण परिवार को नल के माध्यम से शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पीएचई विभाग द्वारा सतत एवं मिशन मोड में कार्य किया जा रहा है। इस कड़ी में विगत दिनों प्रदेश के पांच जिलों-मुरैना, ग्वालियर, भिंड, नर्मदापुरम और शहडोल ने फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन (एफएचटीसी) प्रदान करने की दिशा में राज्यस्तरीय प्रदर्शन में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है।

इन जिलों ने जल जीवन मिशन के निर्धारित मापदंडों के अनुरूप हर-घर जल कनेक्शन उपलब्ध कराने में उल्लेखनीय कार्य करते हुए प्रदेश स्तर पर मिशन के उद्देश्यों को गति प्रदान की है। इंडेक्स आधारित मॉनिटरिंग के अनुसार, इन जिलों द्वारा 8 जून, 2025 को सबसे अधिक एफएचटीसी दर्ज किए गए।

प्रदेश में मिशन की सफलता का आधार जमीनी स्तर पर की जा रही सुव्यवस्थित योजना, क्रियान्वयन की सघनता, तथा विभागीय कर्मचारियों और जिला प्रशासन के समन्वयपूर्ण प्रयास हैं। मुरैना, ग्वालियर, भिंड, नर्मदापुरम और शहडोल जिलों की पीएचई टीमों ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति के लिये अभियानात्मक गति से कार्य करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है।

इन जिलों की प्रगति यह भी दर्शाती है कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों, ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों और सामुदायिक सहभागिता के साथ समन्वय से जल जीवन मिशन की प्रभावशीलता बढ़ी है। तकनीकी अमले द्वारा गुणवत्तापूर्ण नल कनेक्शन प्रदान करने, जलस्रोतों की नियमित निगरानी करने तथा जल गुणवत्ता की जांच सुनिश्चित करने जैसे आयामों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

होम्योपैथी स्वास्थ्य कल्याण केंद्र में अब भर्ती होने की सुविधा रहेगी

भोपाल, शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, आयुष परिसर मैनिट हिल्स भोपाल में स्थित 'होम्योपैथी स्वास्थ्य कल्याण केंद्र' में महिलाओं में होने वाले मोटापे रोग का विशेष उपचार उपलब्ध है। होम्योपैथी वेलनेस सेंटर के लाभार्थियों को अब भर्ती होने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। साथ ही जोड़ों में दर्द एवं मोटापा के उपचार के लिए विशेषज्ञ उपलब्ध रहेंगे। स्वास्थ्य कल्याण केंद्र इकाई केंद्रीय आयुष मंत्रालय के सहयोग एवं योग प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद के साथ मिलकर स्थापित की गई है।

मंडियों में किसानों को मूंग विक्रय का मिले उचित दाम - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कृषि उपज मंडियों में पारदर्शी व्यवस्था बनाकर मूंग खरीदी की जाएगी। प्रदेश के बाहर से व्यापारियों को भी मूंग खरीदी के लिए सुविधाएं प्रदान की जाएंगी और प्रोत्साहित किया जाएगा। मंडियों में किसानों को मूंग विक्रय का उचित दाम मिल सके इसके लिए व्यापारियों को बोली लगाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में उनसे भेंट करने आए भारतीय किसान संघ मध्यप्रदेश के प्रतिनिधिमंडल से यह बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि मूंग पर मंडी शुल्क में राहत दी जा सकती है या नहीं इसकी जांच की जायेगी। किसान उत्पादक

संगठन (एफपीओ) और आईटीसी को मूंग नीलामी में शामिल करने के लिये प्रेरित किया जायेगा। हमारा प्रयास यह है कि मंडियों में मूंग की मॉडल दरें बढ़कर लगभग 7500 रुपये प्रति क्विंटल हो जाये। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से बाहर से आने वाले व्यापारियों को नये मंडी लायसेंस भी दिये जायेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के साथ खड़ी है। खेती और किसानी राज्य सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। प्रदेश में कृषि आधारित उद्योग लगाने तथा इन्हें प्रोत्साहित करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में कपास उत्पादन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रदेश में गौ-शाला संचालित करने के लिए 20 रुपये से बढ़ाकर प्रति गाय 40 रुपये अनुदान राशि दी जा रही है। उन्होंने कहा कि किसान, फसल चक्र अपनाकर उत्पादन में वृद्धि कर सकते हैं। इससे उनकी आय में भी इजाफा होगा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

प्रदेश की 20 हजार 600 सुदूर बसाहटों को मुख्य मार्ग से जोड़ने की स्वीकृति

- मुख्यमंत्री मजरा-टोला सड़क योजना अंतर्गत 30 हजार 900 किलोमीटर सड़क का होगा निर्माण।
- प्रदेश के बाहर से आयातित तुअर पर मंडी फीस से पूर्णत: छूट दिए जाने का निर्णय।
- एमबीबीएस के लिये मेधावी विद्यार्थियों को शुल्क प्रतिपूर्ति के रूप में दी जायेगी छात्रवृत्ति।
- झाबुआ, सिंगरौली, देवास, नर्मदापुरम में वर्किंग विमेन हॉस्टल निर्माण का अनुमोदन।
- मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 'जिला विकास सलाहकार समिति' के गठन की स्वीकृति।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में भोपाल में मंत्रिपरिषद की बैठक सम्पन्न हुई

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रिपरिषद द्वारा मुख्यमंत्री मजरा, टोला सड़क योजना अंतर्गत प्रदेश के सुदूर बसाहटों मजरा, टोला, धोनी, पुरा इत्यादि को बारहमासी सम्पर्कता प्रदान करने 21 हजार 630 करोड़ रुपये की सैद्धांतिक स्वीकृति दी गई। स्वीकृति अनुसार योजना का क्रियान्वयन 2 चरणों में किया जायेगा। वित्तीय वर्ष 2025-26 से 2029-30 तक पहले चरण एवं वित्तीय वर्ष 2030-31 से 2034-35 तक दूसरे चरण में कुल अनुमानित 30 हजार 900 किलोमीटर मार्ग का निर्माण होगा। योजना का क्रियान्वयन राज्य मद से किया जायेगा। योजना के संबंध में मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की साधिकार समिति को निर्णय लिये जाने के लिए अधिकृत किया गया है।

आयातित तुअर पर मंडी फीस से पूर्णत: छूट दिए जाने का निर्णय

मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदेश में तुअर दाल उद्योगों की आवश्यकता के दृष्टिगत प्रदेश में बाहर से आयातित तुअर पर मंडी शुल्क से पूर्णतः छूट दिए जाने का निर्णय लिया गया। छूट दिए जाने से प्रदेश में तुअर दाल की पर्याप्त उपलब्धता होगी। साथ ही परिवहन बढ़ेगा और रोज़गार में वृद्धि होगी।

सिंगरौली, देवास और नर्मदापुरम में कामकाजी महिलाओं के जीवन को आसान बनाने के उद्देश्य से SASCI (स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इंवेस्टमेंट) 2024-25 योजना अंतर्गत स्वीकृत 350 सीट्स की क्षमता वाले 4 वर्किंग वीमेन हॉस्टल के निर्माण का सैद्धांतिक अनुमोदन दिया गया है। योजना पी.पी.पी. मोड में संचालित की जायेगी। योजना पर 40 करोड़ 59 लाख रुपये खर्च होंगे।

एमबीबीएस के लिये मेधावी विद्यार्थियों को दी जायेगी छात्रवृत्ति

मंत्रिपरिषद ने एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिये मध्यप्रदेश के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में निर्धारित अधिकतम शुल्क की राशि के समरूप राशि को मेधावी विद्यार्थियों को शुल्क प्रतिपूर्ति के रूप में छात्रवृत्ति दिए जाने की स्वीकृति दी है। यह अतिरिक्त शुल्क की पूर्ण प्रतिपूर्ति के लिये आवश्यक शेष धनराशि योजनातर्गत विद्यार्थियों को ब्याज रहित ऋण के रूप में शासन द्वारा दी जाएगी। मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजनांतर्गत एमबीबीएस पाठ्यक्रम में लाभ के लिये नीट परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक डेढ़ लाख (1.5 लाख) के अंतर्गत प्राप्त करने वाले विद्यार्थी ही पात्र होंगे। मध्यप्रदेश के मूल निवासी विद्यार्थियों को नीट परीक्षा के माध्यम से मध्यप्रदेश के शासकीय एवं निजी चिकित्सा महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और केंद्र सरकार के सभी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों के एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त करने पर यह लाभ दिया जा सकेगा। यह व्यवस्था शैक्षणिक सत्र 2025-26 से प्रवेशित विद्यार्थियों पर प्रभावशील होगी।

उल्लेखनीय है कि एमबीबीएस पाठ्यक्रम पूरा होने के बाद आगामी 5 वर्षों के लिये राज्य शासन द्वारा निर्धारित ग्रामीण क्षेत्र में कार्य करने पर सेवाकाल के अनुपात में ऋण की अतिशेष राशि को कम माना जा सकेगा। निर्णयानुसार ढाई वर्ष कार्य करने पर 50 प्रतिशत ऋण भुगतान किया माना जाएगा। 5 वर्ष की सेवा के बाद अतिदेय राशि को शून्य मान्य किया जा सकेगा। 5 वर्ष की ग्रामीण क्षेत्र की कार्य करने की सेवा संबंधी शर्त पूरी नहीं करने की स्थिति में अनुपातिक रूप से शेष ऋण की राशि शासन को वापस किया जाना आवश्यक होगा।

योजना के क्रियान्वयन में सही एवं पात्र हितग्राहियों को लाभ प्राप्त हो सके, इसके लिये योजना के पोर्टल अन्य समान योजनाओं के पोर्टल से समन्वित किए जाएंगे। इसके हितग्राही मध्यप्रदेश में ही 5 वर्ष के लिए कार्य करें, यह सुनिश्चित करने के लिए लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। स्व-प्रमाणीकरण से आय के प्रमाणन के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश सामान्य प्रशासन विभाग एवं वित्त विभाग के साथ समन्वय कर तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और रोज़गार विभाग द्वारा जारी किए जाएंगे।

'जिला विकास सलाहकार समिति' के गठन की स्वीकृति

मंत्रिपरिषद द्वारा जिले के विकास योजना के लिए रोडमैप तैयार करने और जिले की दीर्घकालीन विकास योजनाएं बनाने के लिए सभी जिलों में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 'जिला विकास सलाहकार समिति' का गठन किये जाने का अनुमोदन दिया गया। उल्लेखनीय है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में मध्यप्रदेश के समस्त जिलों में जिला विकास सलाहकार समिति का गठन किये जाने संबंधी निर्देश दिये गये थे।

जिला विकास सलाहकार समिति में जिले के प्रभारी मंत्री उपाध्यक्ष होंगे। सांसद, जिले के समस्त विधायक, जिला मुख्यालय के महापौर या नगरपालिका अध्यक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष, जिले के सभी जनपद अध्यक्ष के साथ उद्योग, व्यापार, प्रगतिशील किसान, समाज सेवी, चिकित्सा और विधि आदि क्षेत्रों के 20 प्रतिनिधियों को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

समिति के उद्देश्यों में जिले की जनता, जनप्रतिनिधियों तथा अन्य हितधारकों की जरूरतों और सुझावों के अनुसार जिले के दीर्घकालीन विकास की योजनाएं बनाना है। साथ ही समिति जिले के परंपरागत कौशल को चिह्नित कर प्रधानमंत्री के 'वोकल फॉर लोकल' के सिद्धांत के दृष्टिगत उन्हें राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देते हुए जिले की समृद्धि का रोडमैप तैयार करेगी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

फैक्ट फाइल

अन्नदाता के परिश्रम ने स्थापित किये हैं कई कीर्तिमान, लगातार 7 बार कृषि कर्मण अवॉर्ड पाने वाला पहला राज्य है मध्यप्रदेश

किसान हितैषी नीतियों से आगे बढ़ता कृषि क्षेत्र और समृद्ध होता किसान

मध्यप्रदेश में कृषि अग्रणी क्षेत्र है। सरकार के सहयोग और अन्नदाता के परिश्रम ने कई कीर्तिमान स्थापित किये हैं। लगातार 7 बार कृषि कर्मण अवॉर्ड पाने वाला मध्यप्रदेश पहला राज्य है। उत्पादन में भी प्रदेश का अपना रिकॉर्ड है।

मध्यप्रदेश दालों के उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर, खाद्यान्न के उत्पादन में द्वितीय स्थान पर तथा तिलहन के उत्पादन में तृतीय स्थान पर है। प्रदेश के किसान तीसरी फसल लेने में भी तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में कृषि क्षेत्र का विकास और कृषकों को कई लाभ प्रदान किये जा रहे हैं। प्रदेश सरकार की किसान हितैषी नीतियों का परिणाम है कि प्रदेश का किसान समृद्धि की ओर बढ़ रहा है।

किसानों को समर्थन मूल्य से लाभ

खरीफ 2024 के धान उत्पादक कृषकों को जिन्होंने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान का विक्रय किया है, उन्हें चार हजार रुपये प्रति हेक्टेयर की दर से प्रोत्साहन राशि का वितरण सुनिश्चित किया है। राज्य सरकार द्वारा रबी 2024-25 में उपार्जित गेहूं पर 175 रुपये प्रति क्विंटल प्रोत्साहन राशि प्रदाय की जा रही है।

श्रीअन्न उत्पादन को बढ़ावा

श्रीअन्न के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए रानी दुर्गावती श्रीअन्न (मोटा अनाज) प्रोत्साहन योजना लागू की गई है। इसमें किसानों को 3900 रुपये प्रति हेक्टेयर डी.बी.टी. के माध्यम से उनके बैंक खाते में देय होंगे।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में फसल के नुकसान का समय पर आंकलन एवं राहत राशि का वितरण किसानों को समय पर मध्यप्रदेश में मिल रहा है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में नामांकन और दावा प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एनसीआईपी पोर्टल के साथ अपने भूमि रिकॉर्ड को सफलतापूर्वक एकीकृत करने एवं इस पोर्टल को और अधिक किसान अनुकूल बनाने के लिए 'उत्कृष्टता प्रमाण पत्र' प्रदान किया गया है।

प्रमुख बिन्दु

- मध्यप्रदेश दालों के उत्पादन में प्रथम, खाद्यान्न उत्पादन में द्वितीय और तिलहन उत्पादन में तृतीय स्थान पर है।
- किसानों की आर्थिक स्थिति में हुआ सुधार।
- किसानों के हित में कृषि, उद्यानिकी, खाद्य प्रसंस्करण विभाग, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण के अंतर्गत चलाये जा रहे हैं कई कार्यक्रम।
- प्रदेश में किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के साथ फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, सॉयल हेल्थ कार्ड और सिंचाई सुविधाओं में वृद्धि का लाभ मिल रहा है।
- प्रदेश में पहली बार सपोर्ट प्राइस स्कीम में सोयाबीन के उत्पादन में 2 लाख 12 हजार 568 कृषकों ने 6.22 लाख मीट्रिक टन का उपार्जन किया। समर्थन मूल्य राशि 3043.04 करोड़ रुपये है।
- एपीईडीए के तहत 11.48 लाख हेक्टेयर फसल उत्पादन तथा वनोपज संग्रहण क्षेत्र सहित 20.55 लाख हेक्टेयर जैविक क्षेत्र पंजीकृत।

युवाओं को रोज़गार

ग्रामीण युवाओं को रोज़गार के अवसर प्रदान करने के लिये विभागीय कौशल विकास केन्द्र के माध्यम से ट्रैक्टर सर्विस मैकेनिक तथा कम्बाइन हार्वेस्टर मशीन ऑपरेटर का प्रशिक्षण दिया जाता है।

युवाओं को स्वावलंबी बनाना

कृषकों को सस्ती दर पर कृषि यंत्र उपलब्ध कराने एवं ग्रामीण युवाओं को स्वावलंबी बनाये जाने के लिये हर वर्ष 1000 कस्टम हायरिंग केन्द्र स्थापित किये जा रहे हैं। अब तक 4730 कस्टम हायरिंग केन्द्र प्रदेश स्तर पर स्थापित हुए हैं। आवेदक को प्रोजेक्ट की लागत अधिकतम राशि 25 लाख रुपये तक के प्रोजेक्ट पर 40 प्रतिशत अधिकतम राशि 10 लाख रुपये का अनुदान दिया जाता है।

एक जिला एक उत्पाद

'एक जिला-एक उत्पाद' अंतर्गत कृषि संबंधी 06 उत्पाद कोदो-कुटकी-अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, सिंगरौली, तुअर दाल- नरसिंहपुर, चना-दमोह, बासमती चावल-रायसेन, चिन्नोर चावल-बालाघाट, सरसों-भिण्ड एवं मुरैना, अंतर्गत 10 जिले शामिल किये गये हैं।

ऑनलाइन बिक्री व्यवस्था

फार्म गेट ऐप के तहत किसान अपनी उपज का विवरण, फोटो मोबाइल एप्लिकेशन पर डाल कर मंडी में पंजीकृत व्यापारियों के साथ मोल भाव कर सकता है। सौदा तय होने पर किसान की सहमति प्राप्त कर व्यापारी सीधे किसान के गांव या खेत से उपज उठा लेता है।

- शशांक मणि पांडे
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

महात्मा गांधी का

दुर्लभ ऑयल पोर्ट्रेट लंदन में होगा नीलाम

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का एक दुर्लभ ऑयल पोर्ट्रेट (पेंटिंग) नीलाम होने जा रहा है। इस पेंटिंग को महात्मा गांधी ने खुद बैठकर बनवाया था। यह नीलामी जुलाई में लंदन की फेमस नीलामी संस्था बोनहम्स में होगी। इस पेंटिंग की अनुमानित कीमत 58 लाख से 81 लाख रुपए बताई जा रही है। महात्मा गांधी की ये दुर्लभ पेंटिंग वर्ष 1931 में बनी थी। उस समय गांधी दूसरे गोलमेज सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए लंदन गए थे। इस पेंटिंग को ब्रिटेन की मशहूर कलाकार क्लेयर लीटन ने बनाया था। लीटन लकड़ी पर नक्काशी के लिए मशहूर थीं। यह पेंटिंग वर्ष 1989 तक ब्रिटिश कलाकार क्लेयर लीटन के पास रही। उनकी मृत्यु के बाद ये उनकी फैमिली के पास है।

एनालेना बैरबॉक

संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष चुनी गईं

जर्मनी की पूर्व विदेश मंत्री एनालेना बैरबॉक को संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 80वें सत्र का अध्यक्ष चुना गया। बैरबॉक को यूएनजीपी अध्यक्ष के रूप में 167 मतों से चुना गया, उन्होंने उम्मीदवार हेल्गा श्मिड को पीछे छोड़ दिया। बैरबॉक इस पद पर पहुंचने वाली पश्चिमी यूरोपीय समूह की पहली महिला हैं। इसके अलावा वे इस पद पर आसीन होने वाली पांचवीं महिला बन गई हैं। अध्यक्ष के रूप में बैरबॉक का चुनाव कई वैश्विक संकटों के बीच हुआ है। 44 वर्षीय बैरबॉक ने ऐसे समय में पदभार संभाला है जब वैश्विक शासन भू-राजनीतिक संघर्षों से लेकर सतत विकास की बाधाओं तक कई संकटों का सामना कर रहा है।

शेख मुजीबुर रहमान

बांग्लादेश के राष्ट्रपिता होने का दर्जा हुआ समाप्त

बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता और पहले राष्ट्रपति शेख मुजीबुर रहमान का 'राष्ट्रपिता' का दर्जा खत्म कर दिया है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने इसके लिए एक अध्यादेश जारी कर कानून से 'राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान' शब्द को हटाया है। इसके साथ-साथ ही वर्ष 1971 के स्वतंत्रता सेनानी और संग्राम की परिभाषा को भी बदला गया है। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में स्वतंत्रता सेनानी की नई परिभाषा के तहत 26 मार्च से 16 दिसंबर 1971 के बीच जिन नागरिकों ने युद्ध की तैयारी की, भारत में ट्रेनिंग कैंप्स में हिस्सा लिया, पाकिस्तानी सेना और उसके सहयोगियों के खिलाफ हथियार उठाए थे उन्हें स्वतंत्रता सेनानी माना जाएगा।

करोल नवरोकी

पोलैंड के राष्ट्रपति पद का चुनाव जीता

पोलैंड में राष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी उम्मीदवार और राष्ट्रवादी कंजरवेटिव नेता करोल नवरोकी ने बेहद कड़े मुकाबले में मामूली अंतर से जीत हासिल की है। यह परिणाम यूरोपीय संघ समर्थक सरकार के लिए बड़ा झटका है। चुनाव परिणाम के अनुसार करोल ने 50.89 प्रतिशत वोट प्राप्त किए। जबकि सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवार और वारसा के मेयर उदारवादी राफाल ट्रजास्कोवस्की को 49.11 प्रतिशत मत मिले। चुनाव परिणाम के बाद माना जा रहा है कि पोलैंड अपने नए नेता के नेतृत्व में राष्ट्रवादी मार्ग अपना सकता है। इस परिणाम से राजनीतिक गतिरोध की आशंका भी गहरा गई है क्योंकि नवरोकी प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के उदार नीतिगत एजेंडे को विफल करने के लिए राष्ट्रपति के तौर पर वीटो का उपयोग कर सकते हैं।

रॉब वाल्टर

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के मुख्य कोच बने

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर रॉब वाल्टर को न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। वह गैरी स्टीड की जगह लेंगे और तीनों प्रारूपों में टीम का मार्गदर्शन करेंगे। वाल्टर जनवरी 2023 से अप्रैल 2025 तक दक्षिण अफ्रीका की वन-डे और ट्वेंटी-20 टीमों के कोच रहे। इससे पहले वह न्यूजीलैंड के ओटागो प्रांत और सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स एसोसिएशन में पांच वर्ष तक कोच रहे। वाल्टर के कोच रहते हुए दक्षिण अफ्रीका ने वन-डे विश्वकप 2023 और इस वर्ष चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

वीरेंद्र कंवर

भारतीय वॉलीबॉल महासंघ के अध्यक्ष बने

वरिष्ठ खेल प्रशासक वीरेंद्र कंवर भारतीय वॉलीबॉल महासंघ के अध्यक्ष बन गए। महासंघ के अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में हिमाचल प्रदेश के कंवर ने नागालैंड के प्रेम सिंह बेजोर को दो वोट से हराया। कंवर को कुल 33 वोट मिले, जबकि बेजोर को 31 वोट मिले। राजस्थान के रामानंद चौधरी 33 वोट पाकर भारतीय वॉलीबॉल महासंघ के नए महासचिव बने, उन्होंने महाराष्ट्र के नीलेश जगताप को चार वोटों से हराया।

अनाहत सिंह ने

प्लेयर ऑफ द सीजन पुरस्कार जीते

भारत की उभरती हुई युवा स्क्वॉश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नया मुकाम हासिल किया है। अनाहत को इस वर्ष पीसीए (प्रोफेशनल स्क्वॉश एसोसिएशन) अवार्ड्स में दो प्रतिष्ठित पुरस्कार मिले हैं। 17 वर्षीय इस खिलाड़ी को महिला चैलेंजर प्लेयर ऑफ द सीजन से सम्मानित किया गया वहीं मिस्र की अमीना ओरफी के साथ संयुक्त रूप से महिला यंग प्लेयर ऑफ द सीजन का खिताब दिया गया है। अनाहत के लिए वर्ष 2024-25 का सत्र असाधारण रहा है, जिसमें उन्होंने कई खिताब जीते हैं और पीएसए विश्व रैंकिंग में शीर्ष 60 में शामिल हुई हैं, इसके अलावा अनाहत ने भारत की सर्वोच्च रैंकिंग वाली महिला स्क्वैश खिलाड़ी के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया है।

अश्विनी लोहानी

प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय के निदेशक नियुक्त

भारतीय रेलवे के पूर्व चेयरमैन और एयर इंडिया के पूर्व अध्यक्ष अश्विनी लोहानी को प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय (पीएमएमएल) का निदेशक नियुक्त किया गया है। वह वर्ष 1980 बैच के इंडियन रेलवे सर्विस ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग अधिकारी हैं। यह नियुक्ति पूर्व ऊर्जा सचिव संजीव नंदन सहाय का कार्यकाल समाप्त होने के बाद की गई है। उनके बाद संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सचिव लिली पांडेय अस्थायी रूप से यह जिम्मेदारी संभाल रही थीं। इस संबंध में जारी एक आदेश के अनुसार केंद्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने अश्विनी लोहानी की नियुक्ति को तीन साल के लिए मंजूरी दी है। लोहानी ने पहले दो बार एयर इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में कार्य किया और वर्ष 2017 में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष रहे।

राजीव कृष्णा

उत्तरप्रदेश के कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक बने

उत्तरप्रदेश में वर्ष 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी राजीव कृष्णा को कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया गया है। उत्तरप्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के अध्यक्ष के साथ डायरेक्टर विजिलेंस की जिम्मेदारी संभाल रहे राजीव कृष्ण 11 वरिष्ठ आईपीएस अफसरों को सुपरसीड कर डीजीपी बनाए गए हैं। उन्होंने निवर्तमान डीजीपी प्रशांत कुमार से कार्यभार ग्रहण किया। तीन दशक से अधिक लंबे कॅरियर में राजीव कृष्णा ने कई अलग-अलग भूमिकाओं में काम किया है। उनकी छवि एक कर्मठ अधिकारी की रही है।

एल. ओयुन एर्डीन

मंगोलिया के प्रधानमंत्री पद से दिया इस्तीफा

मंगोलिया के प्रधानमंत्री एल. ओयुन एर्डीन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। एर्डीन के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप थे, जिनकी जांच चल रही थी, वहीं उनके खिलाफ देशभर में विरोध प्रदर्शन भी चल रहा था। इन आरोपों के बाद एर्डीन ने संसद में विश्वास मत खो दिया है। संसद में एर्डीन को कुल 126 सदस्यों में से कम से कम 64 सदस्यों के समर्थन की जरूरत थी। विश्वास मत के दौरान हुए गुप्त मतदान में एर्डीन के पक्ष में महज 44 सांसदों ने ही मतदान किया।

एस महेंद्र देव

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष बने

प्रख्यात अर्थशास्त्री एस महेन्द्र देव को प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। देव ने नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बैरी की जगह ली है। कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और विकासात्मक अर्थशास्त्र में व्यापक अनुभव के लिए जाने जाने वाले महेन्द्र देव के पास सार्वजनिक नीति और अकादमिक जगत में दशकों का अनुभव है। वह अभी एक्सिस बैंक के निदेशक मंडल में थे, लेकिन इस पूर्णकालिक पद के चलते उन्होंने एक्सिस बैंक के निदेशक मंडल से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से अर्थशास्त्र में पीएचडी और येल यूनिवर्सिटी से पोस्ट डॉक्टोरल शोध किया है।

टी. रवि शंकर

16वें वित्त आयोग के अंशकालिक सदस्य नियुक्त

वित्त मंत्रालय ने भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर टी. रवि शंकर को 16वें वित्त आयोग का अंशकालिक सदस्य नियुक्त करने की घोषणा की। उनकी नियुक्ति पूर्व वित्त सचिव अजय नारायण झा के इस्तीफे के बाद हुई है, जिन्होंने व्यक्तिगत कारणों से आयोग से इस्तीफा दे दिया था। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, रवि शंकर कार्यभार संभालने की तिथि से लेकर आयोग की रिपोर्ट प्रस्तुत होने तक या 31 अक्टूबर, 2025 तक, जो भी पहले हो, अंशकालिक सदस्य के रूप में काम करेंगे।

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई

डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ नियुक्त

'ऑपरेशन सिंदूर' में सफल भूमिका निभाने वाले भारतीय सेना के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को पदोन्नति दी गई है। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को अब भारतीय सेना का डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (स्ट्रैटेजी) नियुक्त किया गया है। बतौर उप सेना प्रमुख वह रणनीति मामलों को देखेंगे। उप सेना प्रमुख बनने के बावजूद लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई पूर्व की भांति डीजीएमओ का कार्यभार भी संभालते रहेंगे। उल्लेखनीय है कि लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई कुमाऊं रेजीमेंट के वरिष्ठ अधिकारी हैं। भारतीय सेना में सेवा के दौरान उन्होंने कई बड़े सैन्य अभियानों का नेतृत्व किया है।

स्मृति शेष

टीवी कलाकार विभु राघव का निधन

देश के जाने-माने टीवी कलाकार विभु कुमार का निधन हो गया है। टीवी सीरियल 'निशा और उसके कजिन्स' में अपने किरदार से मशहूर हुए अभिनेता विभु राघव का असली नाम वैभव कुमार सिंह राघव था। उन्होंने कई टीवी सीरियल और शो में काम किया है। वह स्टेज 4 कोलन कैंसर से लंबे समय से जूझ रहे थे। सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने वाले विभु अपनी बीमारी और हेल्थ अपडेट्स शेयर करते थे, लेकिन पिछले एक महीने से वह सोशल मीडिया से दूर थे।

फिल्म निर्देशक पार्थो घोष का निधन

हिंदी सिनेमा के मशहूर निर्देशक पार्थो घोष का निधन हो गया है, वह 75 वर्ष के थे। पार्थो घोष की गिनती देश के दिग्गज निर्देशकों में होती है। उन्होंने वर्ष 1990 और 2000 के दशक में दर्शकों को रोमांच, भावनात्मक और सामाजिक सोच से जुड़ी कहानियां दीं और इन्हें खूब सराहा गया था। फिल्मी दुनिया में उन्होंने '100 डेज', 'गीत', 'दलाल', 'गुलाम ए मुस्तफा' और 'अग्नि साक्षी' जैसी हिट फिल्मों का निर्देशन किया है। पार्थो घोष का जन्म 8 जून 1949 को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में हुआ था। वर्ष 1985 में उन्होंने एक सहायक निर्देशक के तौर पर अपने कॅरियर की शुरुआत की। कॅरियर की शुरुआत उन्होंने बंगाली फिल्मों से की थी, फिर बाद में कई हिंदी फिल्मों का निर्माण और निर्देशन किया।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

OFFICE OF THE CONTROLLER
GOVT. PRINTING AND STATIONERY
MADHYA PRADESH, BHOPAL-462011

No.जी.बी./चार/मु.सा. (1) 2025/303 — Bhopal, dated 10.06.25

E-TENDER SHORT NOTICE (Printing Articles)

Online Bidding go through MPSEDC Department Portal **www.mptenders.gov.in** and Sealed Technical E-Tenders are invited on or before 12.00 PM on **30.06.2025** as per Key-Dates from the manufacturers or their Agents/Authorized Dealers for the supply of various types of printing materials for the Govt. Printing Press, Bhopal.

2. Tender Document and agreement details of tender are also available at website **www. govtpressmp.nic.in.**
3. In all respects Hard sample of the items with list (sealed) must be received at the office of the undersigned as per key dates. Technical Tender will be opened ONLINE as per key dates in the Office of the undersigned in the presence of such tenderers or their authorized representatives as may be present.
4. All corrigendum/amendments/changes; if any will only be issued and made available only on **www.mptenders.gov.in**

Dy. Controller,

G-14300/51112/2025 — **Govt. Printing and Stationery, M.P., Bhopal**

संचालनालय लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मध्यप्रदेश, भोपाल

प.क. शाखा जय प्रकाश चिकित्सालय परिसर, भोपाल-462003

ई-मेल : fw.dhs@mp.gov.in, Website : health.mp.gov.in

क्रमांक/3/प.क./सेल-1/2025/428 — **भोपाल, दिनांक : 12.06.25**

विभागीय विज्ञप्ति

माननीय उच्च न्यायालय, जबलपुर में दायर रिट पिटीशन याचिका क्रमांक 5747/2023 TABASSUM QURAISHI AND OTHERS VS THE STATE OF MADHYA PRADESH AND OTHERS समूह-5 तथा संबंधित अन्य याचिकाकर्ताओं जिन्होंने कर्मचारी चयन मंडल भोपाल द्वारा वर्ष 2023 में आयोजित समूह-5 के अंतर्गत एएनएम महिला बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता की सीधी भर्ती हेतु आयोजित संयुक्त परीक्षा उत्तीर्ण की है एवं उनका नाम मेरिट में है नियुक्ति संबंधी नियमानुसार निर्णय लिये जाने हेतु दस्तावेजों के परीक्षण के संबंध में **दिनांक 13.06.2025 से 23.06.2025 तक सुबह 11:00 बजे** संबंधित जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के समक्ष समस्त यथोचित दस्तावेजों के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

संचालक

जी-14315/51113/2025 — **लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग**

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग जबलपुर परिक्षेत्र, जबलपुर

AN ISO 9001: 2015 CERTIFIED OFFICE

इंदिरा गांधी मार्ग, साउथ सिविल लाइन, जबलपुर, (म.प्र.) पिन-482001

Phone No. : 0761-2621541, E-mail : cepwdcentral@mp.nic.in

निविदा सूचना क्रमांक- 03/सा/2025-26 — **जबलपुर, दिनांक : 12.06.2025**

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है। यह निविदा वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने पर प्राप्त हो सकेंगे।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. उपसंभाग जबलपुर के अंतर्गत जबलपुर पुरैना (4 लेन) मार्ग लं. 9.00 कि.मी. का उन्नयन का कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित।

टेण्डर आई.डी.	जिला/ संभाग	आमंत्रण	ठेके की अनु. राशि (लाख में)	अमानत राशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र राशि	समयावधि
2025_PWDRB_ 430421_1	जबलपुर क्र.-1	प्रथम	3714.58 लाख	18,57,300/-	50,000/-	24 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. मार्ग उपसंभाग जबलपुर के अंतर्गत बरेला से पड़वार मार्ग लं. 10.20 कि.मी. का उन्नयन का कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित।

टेण्डर आई.डी.	जिला/ संभाग	आमंत्रण	ठेके की अनु. राशि (लाख में)	अमानत राशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र राशि	समयावधि
2025_PWDRB_ 430422_1	जबलपुर क्र.-1	प्रथम	2394.88 लाख	11,98,000/-	50,000/-	18 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. उपसंभाग क्र.-1 जबलपुर के अंतर्गत धानाकलां से मुरैठ व्हाया मेला एरिया मार्ग लं. 5.00 कि.मी. का उन्नयन का कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित।

टेण्डर आई.डी.	जिला/ संभाग	आमंत्रण	ठेके की अनु. राशि (लाख में)	अमानत राशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र राशि	समयावधि
2025_PWDRB _ 430423_1	जबलपुर क्र.-1	प्रथम	517.63 लाख	5,18,000/-	20,000/-	12 माह वर्षाऋतु सहित

टीप:- निविदा का विस्तृत विवरण म.प्र. शासन की निविदा पोर्टल **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की **अंतिम तिथि 27.06.2025 समय 5:30 PM तक** है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य अभियंता

जी-14326/51114/2025 — **लो.नि.वि. जबलपुर परिक्षेत्र, जबलपुर**

हाथकरघा एवं हस्तशिल्प संचालनालय मध्यप्रदेश

माध्यमिक शिक्षा मण्डल परिसर, द्वितीय तल शिवाजी नगर, भोपाल

विज्ञप्ति

भारतीय हाथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में वर्ष 2025-26 से प्रारंभ होने वाले हैण्डलूम टेक्नोलॉजी के त्रिवर्षीय डिप्लोमा कोर्स के प्रथम वर्ष तथा द्वितीय वर्ष में (लैटरल एंट्री सिस्टम) प्रवेश हेतु आवेदन पत्र प्राप्त करने की **अंतिम तिथि 10 जून 2025 निर्धारित की गई थी। जिसे बढ़ाकर 17 जून 2025 की जाती है।**

आवेदन पत्र हाथकरघा संचालनालय भोपाल में आमंत्रित किये जाने हैं। नियम तथा शर्तें पूर्व की भांति यथावत रहेंगी। विस्तृत जानकारी, नियम शर्तों एवं आवेदन के लिये निम्न लिंक **https://rb.gy/sfs0xm** में देखें।

(आयुक्त महोदय द्वारा अनुमोदित)

उप संचालक

जी-14272/51110/2025 — **हाथकरघा एवं हस्तशिल्प भोपाल**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग क्र.-2, जबलपुर

AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED OFFICE

इंदिरा गांधी मार्ग, साउथ सिविल लाइन, जबलपुर (म.प्र.) पिन-482001

फोन एवं फैक्स नं. : 0761-2622333, ई-मेल : eepwd2jbp@nic.in

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 10/व.ले.लि./2025-26 — **जबलपुर, दिनांक : 11.06.2025**

निविदा आमंत्रण सूचना क्र.-10

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के मार्फत निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य वेबसाइट http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने पर वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे।

स. क्र.	टेण्डर आई.डी.	कार्य का नाम	आमंत्रण	ठेके की अनुमानित राशि	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र राशि	समयावधि
01	2025_ PWDRB_ 430298_pack1	गढ़ पिपरिया से ज्वाप मार्ग पर सी.सी. ड्रेन का निर्माण कार्य।	प्रथम	81.97 लाख	82000/-	10000/-	06 माह (वर्षा ऋतु सहित)
02	2025_ PWDRB_ 430299_pack1	जुगतैया ग्राम पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	प्रथम	252.91 लाख	253000/-	15000/-	12 माह (वर्षा ऋतु सहित)
03	2025_ PWDRB_ 430300_pack1	नीमखेड़ा जबलपुर में 500 सीटर पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास भवन की शेष बाउण्ड्रीवॉल का निर्माण कार्य।	प्रथम	20.00 लाख	40000/-	2000/-	04 माह (वर्षा ऋतु सहित)
04	2025_ PWDRB_ 430301_pack1	जबलपुर जिले के अंतर्गत 90.00 कि.मी. मार्गों के डी.पी.आर. तैयार करने का कार्य।	प्रथम	9.90 लाख	20000/-	2000/-	04 माह (वर्षा ऋतु सहित)
05	2025_ PWDRB_ 430302_pack1	सिहोरा उपसंभाग मझगवां उपखण्ड के अंतर्गत आवासीय भवनों में एम.ओ.डब्ल्यू., विशेष मरम्मत एवं अन्य मरम्मत कार्य।	प्रथम	4.00 लाख	8000/-	2000/-	04 माह (वर्षा ऋतु सहित)
06	2025_ PWDRB_ 430303_pack1	सिहोरा उपसंभाग के अंतर्गत मार्गों में रखरखाव, मरम्मत, पुल-पुलिया मरम्मत, साईन बोर्ड एवं कि.मी. स्टोन आदि का कार्य।	प्रथम	5.00 लाख	10000/-	2000/-	04 माह (वर्षा ऋतु सहित)
07	2025_ PWDRB_ 430304_pack1	शासकीय डिग्री कॉलेज पाटन में प्लास्टर मरम्मत, रंगाई-पुताई, पेंटिंग एवं डिस्टेंपरिंग का कार्य।	प्रथम	5.07 लाख	11000/-	2000/-	04 माह (वर्षा ऋतु सहित)

टीप : (1) निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं निविदा ऑनलाइन अपलोड करने की **अंतिम तिथि दिनांक 27.06.2025 समय 17.30 बजे तक है।** इलेक्ट्रॉनिक ई.एम.डी. (RTGS/NEFT) के माध्यम से एवं अन्य दस्तावेज केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किये जावेंगे। (2) अन्य विस्तृत विवरण एवं संशोधन ऑनलाइन पोर्टल पर देखी जा सकती है। किसी भी प्रकार के संशोधन का पुनः प्रकाशन नहीं कराया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री

लोक निर्माण विभाग (भ/स),

जी-14282/51111/2025 — **संभाग क्र.- 2, जबलपुर**

मध्यप्रदेश के 20 उत्पादों का जीआई टैगिंग प्रक्रिया के लिये एमओयू हुआ

भोपाल, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग के अंतर्गत राज्य नोडल एजेंसी, मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम द्वारा विश्व बैंक समर्थित आरएएमपी योजना के अंतर्गत जीआई टैगिंग के लिए राज्यस्तरीय परामर्श बैठक लघु उद्योग निगम के कॉन्फ्रेंस हॉल में सम्पन्न हुई। कार्यशाला में मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम और ह्यूमन वेलफेयर एसोसिएशन वाराणसी के बीच जीआई टैगिंग प्रक्रिया संबंधी एमओयू किया गया।

कार्यशाला में राज्य के पारंपरिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक रूप से विशिष्ट उत्पादों की पहचान कर उन्हें जीआई टैग दिलवाने हेतु आवश्यक विभागीय समन्वय स्थापित करने पर चर्चा हुई। इन उत्पादों को कानूनी संरक्षण, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच और ब्रांडिंग के जरिये व्यापक पहचान दिलवाने पर भी विमर्श हुआ। आयुक्त एमएसएमई श्री दिलीप कुमार ने विभागों से योजना के तहत बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया तथा देश को होने वाले फायदों पर प्रकाश डाला।

कार्यशाला में कृषि, हस्तशिल्प, वनोपज, वस्त्र एवं खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में पारंपरिक उत्पादों की जीआई टैगिंग के लिए पहचान करना, जीआई पंजीकरण प्रक्रिया संबंधी आवश्यक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दस्तावेजों का संकलन और विभागीय समन्वय के माध्यम से एक साझा कार्ययोजना बनाने के साथ आगामी वर्ष में 20 उत्पादों की जीआई फाइलिंग करने पर चर्चा हुई। जीआई उत्पादों को एक जिला-एक उत्पाद नीति पर गंभीर विचार-विमर्श हुआ।

जीआई टैगिंग विशेषज्ञ एवं ह्यूमन वेलफेयर एसोसिएशन, वाराणसी के कार्यकारी निदेशक डॉ. रजनीकांत ने जीआई टैगिंग की प्रक्रिया, कानूनी ढांचा, और देशभर में हुए सफल जीआई पंजीकरणों की जानकारी साझा की। बनारसी साड़ी, चंदेरी वस्त्र और मधुबनी पेंटिंग जैसे उदाहरणों के माध्यम से उन्होंने जीआई टैगिंग से कैसे न केवल उत्पादों को सुरक्षा मिलती है बल्कि कारीगरों और किसानों की आजीविका भी सशक्त होती है।

पीवीटीजी के 7.84 लाख परिवारों के हर घर में नल और हर नल से जल

भोपाल, पीएम जनमन योजना के अंतर्गत (पीवीटीजी) विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह के परिवारों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दृष्टि से अन्य योजनाओं के साथ पेयजल आपूर्ति के लिये 360 पीवीटीजी गांवों के 7 लाख 84 हजार 327 घरों में नल कनेक्शन जारी किये गये हैं। प्रधानमंत्री जनमन आदिवासी न्याय महाअभियान के अंतर्गत केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा जनजाति संवर्ग के उत्थान के लिये इस योजना के तहत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप नल-जल योजना भी विभिन्न क्षेत्रों दी जा रही सुविधाओं में से एक है।

मध्यप्रदेश में 4197 पीवीटीजी गांव है। इसके अंतर्गत 11 लाख 67 हजार 373 परिवार इस योजना के तहत लाभांवित हुए हैं। वर्ष 2027 तक अधिकांश गांवों को सतही जल योजना के माध्यम से कवर कर लिया जाएगा। हर घर में नल हर नल में जल योजना के तहत 6019.95 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

स्वराज संस्थान संचालनालय

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग

राष्ट्रीय सम्मान

2025–26

नामांकन आमंत्रित हैं

वीरांगना लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय सम्मान

राशि रुपये 2.00 लाख

मध्यप्रदेश शासन द्वारा देश की सुरक्षा, कर्तव्य हेतु बलिदान, अदम्य साहस, वीरता, नारी उत्थान, सामाजिक पुनर्जागरण एवं श्रेष्ठतम उपलब्धियों व योगदान के लिए महिला को सम्मानित करने के उद्देश्य से स्थापित **वीरांगना लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय सम्मान।**

अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद राष्ट्रीय सम्मान

राशि रुपये 2.00 लाख

मध्यप्रदेश शासन द्वारा स्वाधीनता संग्राम के आदर्शों, राष्ट्रभक्ति और समाजसेवा के सर्वोत्कृष्ट मानदंडों की स्थापना के लिए उच्च कोटि के रचनात्मक अवदान, सृजनात्मक शोधकार्य और विशिष्ट उपलब्धियों के लिए व्यक्ति अथवा संस्था को सम्मानित करने के उद्देश्य से स्थापित **अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद राष्ट्रीय सम्मान।**

महर्षि वेद व्यास राष्ट्रीय सम्मान

राशि रुपये 2.00 लाख

मध्यप्रदेश शासन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में श्रेष्ठतम उपलब्धियों व योगदान करने वाले साधनारत व्यक्ति अथवा संस्था को सम्मानित करने के उद्देश्य से स्थापित **महर्षि वेद व्यास राष्ट्रीय सम्मान।**

महाराजा अग्रसेन राष्ट्रीय सम्मान

राशि रुपये 2.00 लाख

मध्यप्रदेश शासन द्वारा सामाजिक सद्भाव, सामाजिक समरसता, श्रेष्ठतम उपलब्धियों व योगदान करने वाले साधनारत व्यक्ति अथवा संस्था को सम्मानित करने के उद्देश्य से स्थापित **महाराजा अग्रसेन राष्ट्रीय सम्मान।**

कृपया प्रत्येक सम्मान के लिये पृथक-पृथक अनुशंसाएँ 15 जुलाई, 2025 तक नीचे लिखे पते अथवा ईमेल पर भिजवाने का अनुरोध है :

आयुक्त, स्वराज संस्थान संचालनालय

रवीन्द्र भवन परिसर, भोपाल-462002

फैक्स 0755-2660361 (दूरभाष 2660407, 2660563)

ई-मेल nationalaward76@gmail.com

G-14179/R-51097/2025

कार्यालय कार्यपालन यंत्री

राजमाता विजयाराजे सिंधिया, कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

ई-मेलः- eervskvv@gmail.com फोनः 0751-2467680

No./IPRO/E.E./2025/Gwalior/1230 Date : 11/06/2025

// प्रेस विज्ञप्ति //

निविदा सूचना No./E.E./2025/Gwalior/1187 date 10-06-2025 रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर के अंतर्गत हाउस कीपिंग कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा Annual Contract for Mechanized House Keeping Services at RVSKVV, Gwalior 2025-26 (2025_RVSKV_430024_1) आमंत्रित की गई है। निविदा की ऑनलाइन क्रय की अंतिम तिथि 02.07.2025 को सायं 05:30 तक है। विस्तृत निविदा सूचना वि.वि. वेबसाइट एवं पोर्टल https:www.mptenders.gov.in पर देखे जा सकते हैं।

कार्यपालन यंत्री, रा.वि.सिं.कृ.वि.वि., ग्वालियर

R-51108/2025

श्री पाटीदार पारमार्थिक एवं शैक्षणिक न्यास द्वारा पोषित एवं श्री अम्बिका आदर्श विद्यालय समिति द्वारा संचालित

श्री अम्बिका आदर्श महाविद्यालय, बदनावर

सरदार पटेल नगर, बदनावर, जिला धार (म.प्र.), दूरभाष : 9425939422

दिनांक : 11.06.2025

श्री पाटीदार पारमार्थिक एवं शैक्षणिक न्यास द्वारा पोषित श्री अम्बिका आदर्श विद्यालय समिति, बदनावर द्वारा सन् 2007 से संचालित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय द्वारा संबद्धता प्राप्त **श्री अम्बिका आदर्श महाविद्यालय, सरदार पटेल नगर, बदनावर, जिला-धार** में परिनियम-28 के तहत

प्राचार्य/सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित हैं।

महाविद्यालय में संचालित बी.एससी., बी.कॉम. एवं नवीन प्रस्तावित बी.ए. कम्प्यूटर एप्लीकेशन, बी.ए. मॉस कम्यूनिकेशन एवं पी.जी.डी.सी.ए. पाठ्यक्रमों के लिए

प्राचार्य योग्यता पीएच.डी. एवं दो वर्ष का अनुभव

सहायक प्राध्यापक - अर्थशास्त्र, इतिहास, समाज शास्त्र, राजनीति विज्ञान, हिन्दी व अंग्रेजी साहित्य एवं मॉस कम्यूनिकेशन, भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, जन्तु शास्त्र, वनस्पति शास्त्र, गणित, कम्प्यूटर, लेखांकन विषयों हेतु योग्य विद्वान उम्मीदवारों की **(सभी 1-1 पद)**

योग्यता यूजीसी मापदंड अनुसार - वेतनमान नियमानुसार

पात्र उम्मीदवार अपने आवेदन पूर्ण बायोडाटा, अंकसूचियों की छायाप्रतियों के साथ पीडीएफ फार्मेट **में विज्ञापन तिथि से 10 दिवसों में ई-मेल : ambikaadarsh.academy@gmail.com** पर ही भेजें।

R-51098/2025

कार्यालय, अध्यक्ष काउंसलिंग समिति

संचालनालय तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

प्रथम तल, टैगोर छात्रावास, क्रमांक-T2, श्यामला हिल्स, दूरदर्शन रोड, भोपाल-462002

संशोधित समय सारणी

ऑनलाइन काउंसलिंग, सत्र 2025-26 (C-17)

प्रबंधन में स्नातक - बीबीए, बीएमएस, बीबीएम... (पूर्णकालिक 3/4 वर्षीय) एवं कम्प्यूटर एप्लीकेशन में स्नातक - बीसीए (पूर्णकालिक 3/4 वर्षीय) पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में अर्हकारी परीक्षा के आधार पर प्रवेश हेतु (मध्यप्रदेश में स्थित शासकीय/स्वशासी/अनुदान प्राप्त/स्ववित्तीय/निजी संस्थान में)

प्रथम चरण

सामान्य पूल एवं TFW की सीटों के लिए एक साथ संयुक्त रूप से आयोजित

गतिविधियां	पूर्व निर्धारित तिथि/समय	संशोधित तिथि/समय
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन निरस्त	16.06.2025 से 01.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक	22.06.2025 से 01.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक
संस्थाओं के प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करना (प्राथमिकता क्रम (Choice filling) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी)	20.06.2025 से 05.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक	25.06.2025 से 05.07.2025 रात्रि 11:45 बजे तक

शेष कार्यक्रम यथावत् रहेगा। संशोधन उपरांत समस्त चरणों का काउंसलिंग कार्यक्रम वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगा।

- **संपर्क:-0755-6720205, 2660441 ई-मेल : dte.helpcenter@mp.gov.in**

म.प्र. माध्यम/120603/2025 R-51107/2025 **संचालक**

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय

भोपाल-462026 (म.प्र.)

क्रमांक : 84/Sociology/2025 **दिनांक : 10.06.2025**

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विभागों में प्रवेश सत्र 2025-2026

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल के स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में सत्र 2025-2026 हेतु प्रवेश BU Online Portal के माध्यम से दिया जावेगा। उक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के इच्छुक छात्र विश्वविद्यालय पोर्टल (BU Portal) पर रजिस्टर कर पाठ्यक्रम का विकल्प चुन सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया **दिनांक 24.05.2025** से वेबसाइट पर प्रदर्शित सारणी अनुसार होगी। वेबसाइट लिंक निम्नवत है : **https://www.bubhopal.ac.in**

PG, UG, Diploma and Certificate Courses

P.G. Course	U.G. Course	P.G. Diploma/ Certificate Course
M.A.: Arabic; Sanskrit; Linguistics; English; Hindi; Persian; Urdu; Education; Psychology; Clinical Psychology; Economics; Geography; History; Sociology; Social Work; Political Science; Women Studies; Human Consciousness & Yogic Science; Sport Psychology **M.Com:** Financial Management **M.Sc.:** Bioscience; Biotechnology; Biochemistry; Genetics; Environmental Science; Limnology; Microbiology; Botany; Agronomy; Zoology; Human Consciousness & Yogic Science; Applied Geology; Geoinformatics; Computer Science; Information Technology; Electronics; Physics; Chemistry; Mathematics **M.F.Sc.:** Applied Aquaculture **M.Sc. (Tech.):** Remote Sensing **LL.M. :** Human Right; Criminal Law	**B.A.** (Hons.) Sociology **B.A.LL.B.** (Hons.) **B.Sc.** (Hons.) Zoology **B.Sc.** (Hons.) Agriculture **B.Sc.** (Hons.) Physics **B.Sc.** Aviation **B.Com** (Hons.) Commerce **B.Com** Banking, Financial Services and Insurance (BFSI) **B.B.A.** (Hons.) **B.B.A.** Aviation **B.C.A.** **B.P.E.S.**	**PG Diploma in** • Modern Arabic Language • Yoga Therapy • Stress Management through Yoga • Yogic Science • Guidance and Counselling • AI & Machine Learning **Certificate in** • Modern Arabic Language • Yogic Science • Energy Audit & Management

इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश मेरिट के आधार पर होंगे। अर्हकारी परीक्षा के परिणाम न आने की स्थिति में अभ्यर्थी प्रविधिक प्रवेश हेतु अंतिम उत्तीर्ण परीक्षा के अंक भरें।

Courses under DTE and Department of Higher Education, M.P. Government

P.G. Course	U.G. Course
M.Tech.: Materials Science; Nano-Technology; Computer Science & Engineering; Digital Communication; Product Design; Information Technology. **MCA, MBA, M. Pharma, M. Pharma in Pharmaceutics, Pharmacognosy, M.P.Ed.**	**B.Tech.:** Civil Engineering; Computer Science & Engineering; Electronics and Communication Engineering; Information Technology; Mechanical Engineering **B. Pharma, B.P.Ed.**

Note: For more information visit University website **www.bubhopal.ac.in.**

The University Reserves the right to withdraw/change intakes in the Advertised Admission Program.

M.P. Madhyam/120559/2025 R-51105/2025 **REGISTRAR**

SHRI JAIN SHWETAMBER PROFESSIONAL ACADEMY

AFFILIATED TO DAVV

Airport Pithampur Road, Near Hinkargiri, Indore-453 112 (M.P.)

Mobile : 94259-55610, 94259-55620, e-mail : sjspa.indore@gmail.com

REQUIRES

- **Principal**
- **Assistant Professor / Associate Professor / Professor**
  - Hindi - 2 • English - 2 • Political Science - 2 • Sociology - 2
  - Commerce - 4 • Computer Science - 4 • Biotech - 2 • Chemistry - 2
  - Social Science - 2 • History - 2 • Education (B.Ed.) - 5
  - Library Science - 1 • Maths - 2 • Physics - 2 • Yoga - 2
- **Sports Officer - 1**

Salary & Qualification: As per UGC/NCTE norms.

Send application to the College within 10 days. **- Incharge Principal**

VIGILANCE

R-51115/2025

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED
(Government of Madhya Pradesh Undertaking)
(Formerly M.P. Audyogik Kendra Vikas Nigam (I) Ltd.)
CIN : U51102MP1977SGC001392
Regional Office, 101, First Floor, Atulya IT Park, Near Crystal IT Park, Khandwa Road, Indore-452001 (M.P.)
Ph. : (O) 0731-2970611, 2974363, 2971311, Fax : 0731-2972629, Website : invest.mp.gov.in, E-mail : ed.roind@mpidc.co.in

No. MPIDC/RO/IND/TECH/25/6228 **Date : 11.06.2025**

NOTICE INVITING TENDER

Online offers are invited on behalf of the Executive Director, MPIDC RO Indore, from units having establishment in SEZ Pithampur Phase I & II for "Leasing Out of 8 Chambers (individual units) of Cold Chain each of Approx. 907 Sqm on monthly Rental basis in I/A SEZ Phase-II Pithampur Distt. Dhar (M.P.) (for a period of 5 Years)". EMD-Rs. 106502/- per chamber, Cost of Document-Rs. 14750/-. The Last Date of Bid Submission – **25.06.2025**.

The Tenders would be made available on the e-portal **https://www.mptenders.gov.in**. Detailed NIT along with other details can be viewed on above mentioned portal.

EXECUTIVE ENGINEER (ELECTRICAL)

M.P. Madhyam/120571/2025

R-51106/2025

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1, भदभदा रोड, भोपाल

प्रेस विज्ञप्ति

क्र./817/तशा/प.यं./2025 **दिनांक : 06.06.2025**

इस कार्यालय द्वारा 23वीं वाहिनी भोपाल में 60 जवानों की क्षमता की बैरिक निर्माण कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा क्रमांक 2025_MPPHC_429401_1 **दिनांक 17.06.2025 समय अपराह्न 17:00 बजे तक** खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal : **www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/120535/2025 R-51103/2025 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम
कार्यालय परियोजना यंत्री, ए-2/2, एम.आय.जी., महानंदा नगर, उज्जैन (म.प्र.), Email : mpphcl_ujjain@yahoo.in
मो. 9406808103

क्र. 863/पय/मप्रपुआविनि/25/उज्जैन **दिनांक : 09.06.25**

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 07/2025-26

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, संभाग उज्जैन के अंतर्गत निविदा क्रमांक-07/2025-26 दिनांक 09.06.2025 के अंतर्गत जिला नीमच, मंदसौर एवं उज्जैन में विभिन्न निर्माण एवं मरम्मत कार्यों हेतु ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. 2025_MPPHC_429038, 2025_MPPHC_429039, 2025_MPPHC_429040, 2025_MPPHC_429041, 2025_MPPHC_429042, 2025_MPPHC_429044, 2025_MPPHC_429045, 2025_MPPHC_429046 (कुल 8 निविदा) आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र **ऑनलाइन दिनांक 25.06.2025 17.00 बजे तक** प्रस्तुत किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण Portal: **https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/120550/2025 R-51104/2025 **परियोजना यंत्री**

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.
City Center, R.O. Gwalior, Website : iidcgwalior.com

निविदा क्रमांक : 2426 **ई-टेण्डर नोटिस** दिनांक : 10.06.2025

कार्य का नाम	अनुमानित लागत / धरोहर राशि
एमपी आईडीसी क्षेत्रीय कार्यालय ग्वालियर अंतर्गत विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों की जलप्रदाय योजना का संचालन एवं संधारण का कार्य।	6096000.00 / 61000.00

निविदा प्रपत्र दिनांक **17.06.2025 से 28.06.2025 समय 5.30 सायं तक https://mptenders.gov.in** पोर्टल के द्वारा केवल ऑनलाइन खरीदे एवं अपलोड किये जा सकते है। कॉरिजेन्डम (यदि कोई हो) केवल उपरोक्त वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा। एमपी आईडीसी क्षेत्रीय कार्यालय ग्वालियर बिना कोई कारण बताए किसी भी/सभी निविदाओं को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

म.प्र. माध्यम/120640/2025 R-51118/2025 **कार्यपालन यंत्री**

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.
R.O. Chambal, City Center, Gwalior, web. : iidcgwalior.com

निविदा क्रमांक 34 **ई-टेण्डर नोटिस** दिनांक : 09.06.2025

कार्य का नाम	अनुमानित लागत/धरोहर राशि
एमपी आईडीसी क्षेत्रीय कार्यालय चम्बल के अंतर्गत विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों की जलप्रदाय योजना का संचालन एवं संधारण का कार्य।	20387000.00/204000.00

निविदा प्रपत्र **दिनांक 13.06.2025 से 24.06.2025 समय 5.30 सायं तक https://mptenders.gov.in** पोर्टल के द्वारा केवल ऑनलाइन खरीदे एवं अपलोड किये जा सकते हैं। कॉरिजेन्डम (यदि कोई हो) केवल उपरोक्त वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा। एमपी आईडीसी क्षेत्रीय कार्यालय चम्बल बिना कोई कारण बताए किसी भी/सभी निविदाओं को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

म.प्र. माध्यम/120558/2025 R-51119/2025 **कार्यपालन यंत्री**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Bhopal, (M.P.)

NOTICE INVITING TENDER No. 352/MTN/2025 (BW)

No./7259/22/D-12/NIT-Maint./2025 **Bhopal, Dated : 13.06.2025**

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

Name of work : Repair/Maintenance of Rural Roads.

- **Table-1: Name of Work – Within 05 Year Maintenance (BW)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Bhopal	1	677000.00

- **Table-2: Name of Work – Post 5 Year Maintenance (BW)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Narmadapuram	1	5989000.00
2	Bhopal	1	6896000.00
3	Ujjain	1	2250000.00

- **Table-3: Name of Work – Post 10 Year Maintenance (BW)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Bhopal	1	2369000.00

- **Table-4: Name of Work – Post 15 Year Maintenance (BW)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Dhar	1	5570000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **17.06.2025 from 17:30 hrs.** and last date for online bid submission is **02.07.2025 (17:00 hrs.).**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

M.P. Madhyam/120613/2025 R-51116/2025

"मेरी सड़क" ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

MADHYA PRADESH POWER TRANSMISSION CO. LTD.
OFFICE OF CHIEF ENGINEER (EHT-MAINT.) Block. No. 3, 3rd Floor, Shakti Bhawan, Jabalpur-482008

TENDER NOTICE

An online tender is invited for the Modification/Shifting of various 400/220/132kV EHV lines due to construction of Road/Railway/Bridge/Canal etc., restoration of supply in case of tower collapse/damaged, replacement of towers due to rusting, deterioration of tower parts, replacement of disc insulator and other maintenance work etc. in West Zone of MP on rate contract basis vide NIT No. CE (EHT-Maint.)/E-tender/MT-268/305 dtd : 12.06.2025 (ID:_2025_MPPTC_430130_1).

Tender fee - 5900/- and due date of opening of bid - 31.07.2025 For Tender notice and details please visit **www.mptenders.gov.in** एवं **www.mptransco.in**

M.P. Madhyam/120615/2025 'विद्युत की बचत कीजिए' **CHIEF ENGINEER (EHT-Maint.)**

R-51117/2025

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में 11 वर्ष देश का स्वर्णिम काल - मंत्री श्री सारंग

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर सीहोर में प्रोफेशनल मीट का आयोजन किया गया। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने 'सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के 11 साल' विषय पर प्रोफेशनल्स को संबोधित किया। श्री सारंग ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियां बताईं। उन्होंने 2014 से पहले और अब के भारत में आये सकारात्मक परिवर्तन के बारे में तुलनात्मक जानकारी भी दी।

श्री सारंग ने कहा कि 2014 में देश की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को स्वीकार किया। जिन्होंने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के विजन के साथ देश को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाया है। इस अवसर पर विधायक श्री सुदेश राय, विधायक श्री गोपाल सिंह इंजीनियर, नगर पालिका अध्यक्ष श्री प्रिन्स राठौर, प्रबुद्धजन सहित भूतपूर्व सैनिक भी उपस्थित रहे।

श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गरीब कल्याण के लिये सराहनीय कार्य किया है। आज डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर, डिजिटल प्लेटफॉर्म और लक्षित योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति को समय पर मिल रहा है।

नया भारत छेड़ने वाले को छोड़ता नहीं है

श्री सारंग ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत की नीति में एक ऐतिहासिक बदलाव आया है। अब भारत केवल सुनता नहीं है, जवाब देता है- सीधा, कठोर और निर्णायक। उन्होंने कहा कि उरी के बाद सर्जिकल स्ट्राइक, पुलवामा के बाद बालाकोट एयर स्ट्राइक, और अब हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर- इन सभी कार्रवाइयों ने भारत की सैन्य ताकत और राजनीतिक इच्छाशक्ति को दुनिया के सामने रखा है।

विकास मोदी सरकार का मूल

श्री सारंग ने कहा कि 2014 के पहले और आज के भारत में जमीन आसमान का अंतर है। 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना से हर क्षेत्र में आए इस राष्ट्रीय परिवर्तन ने समावेशी विकास का स्पष्ट और सुगम रास्ता तैयार किया है। मोदी सरकार के नेतृत्व में तेजी से आगे बढ़ता यह नया भारत अब विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्ष सेवा, सुशासन और समावेशी विकास के रहे हैं। इस कालखंड में केंद्र सरकार ने 'GYAN'- गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी- इन चार स्तंभों को राष्ट्रीय विकास की धुरी बनाया।

आत्मनिर्भर और सशक्त भारत की नींव

श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्ष भारत के नव निर्माण और पुनर्जागरण का युग रहे हैं। इस कालखंड में सरकार ने सेवा को संस्कार, सुशासन को संकल्प और गरीब कल्याण को प्राथमिकता बनाकर एक विकसित, आत्मनिर्भर और सशक्त भारत की नींव रखी।

शिक्षा प्रणाली में ऐतिहासिक बदलाव

श्री सारंग ने कहा कि तीन दशकों बाद पहली बार बनी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जरिए मोदी सरकार ने शिक्षा प्रणाली में ऐतिहासिक बदलाव किया। हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई भी नई शिक्षा नीति का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में 8 नए आईआईएम, 7 नए आईआईटी की स्थापना हुई, एम्स की संख्या तीन गुना बढ़ाकर 23 हो गई।

यकृत स्वस्थ तो जीवन स्वस्थ, यकृत की देखभाल को बनाएं प्राथमिकता

भोपाल, विकसित भारत के साथ-साथ स्वस्थ भारत का निर्माण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। यकृत स्वस्थ रहेगा, तो जीवन भी स्वस्थ रहेगा और जब जीवन स्वस्थ होगा, तब परिवार, समाज और पूरा प्रदेश भी स्वस्थ और सशक्त बनेगा। उक्त विचार उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने "ग्लोबल फैटी लीवर दिवस" पर सागर से वीडियो कॉन्फ्रेंस से प्रदेश के सभी जिलों के स्वास्थ्य अधिकारियों एवं आशा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

उपमुख्यमंत्री एवं सागर जिले के प्रभारी मंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि 'ग्लोबल फैटी लीवर डे' केवल एक दिवस नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता, जागरूकता और स्वस्थ भविष्य की दिशा में सामूहिक संकल्प का संदेश है। उन्होंने कहा कि यकृत (लीवर) हमारे शरीर का सबसे मौन किंतु अत्यंत कार्यशील अंग है। यह अंग ऊर्जा उत्पादन, विषहरण, प्रतिरक्षा और पाचन जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं की आधारशिला है। जब यकृत प्रभावित होता है, तो उसके लक्षण बहुत देर से प्रकट होते हैं और तब तक शरीर को गंभीर हानि पहुंच चुकी होती है ऐसे में आवश्यक है कि हम समय रहते यकृत की देखभाल को अपनी प्राथमिकता बनाएं। उन्होंने आह्वान किया कि नागरिक अपने और परिवार की जांच अवश्य कराएं। संतुलित आहार अपनाएं, जंक फूड से बचें, और रोजाना कम से कम 30 मिनट तक शारीरिक गतिविधि को अपने जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाएं।

उपमुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि 21 मई 2025 को राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'स्वस्थ यकृत मिशन' का शुभारंभ किया। यह एक समर्पित जनस्वास्थ्य पहल है, जो केवल उपचार तक सीमित नहीं, बल्कि रोकथाम, जनजागरूकता, स्क्रीनिंग, रेफरल तथा फॉलोअप के प्रत्येक चरण को एकीकृत रूप में सम्मिलित करती है। उन्होंने बताया कि 2 जून, 2025 से लेकर आज तक हम लगभग 10 लाख नागरिकों की एनएएफएलडी स्क्रीनिंग की जा चुकी है। इनमें से 1.27 लाख लोगों का बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) 23 से अधिक पाया गया। 1 लाख 24 हजार 131 (24 प्रतिशत) महिलाओं की कमर की माप 80 सेंटीमीटर से अधिक और 93 हजार 738 (19 प्रतिशत) पुरुषों की कमर की माप 90 सेंटीमीटर से अधिक पाई गई।

पी.जी. डिप्लोमा इन टीचिंग इंग्लिश के लिए आवेदन आमंत्रित

भोपाल, स्कूल शिक्षा विभाग के राज्य शिक्षा केन्द्र अंतर्गत आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित एक वर्षीय सेवाकालीन प्रशिक्षण पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन टीचिंग इंग्लिश, पाठ्यक्रम का नवीन सत्र एक जुलाई, 2025 से भोपाल में प्रारंभ हो रहा है। वांछित योग्यता रखने वाले शिक्षक अपने आवेदन ऑनलाइन rsk.mponline.gov.in के माध्यम से 25 जून तक प्रेषित कर सकते हैं।

इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को अंग्रेजी भाषा शिक्षण की नवीन पद्धतियों, नवाचारों व भाषा के विभिन्न कौशलों से अवगत कराया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद इन शिक्षकों को अपने विद्यालयों में बेहतर अंग्रेजी भाषा शिक्षण एवं विभिन्न स्तरों पर आवश्यकतानुसार शिक्षक प्रशिक्षण, पाठ्यपुस्तक लेखन एवं सामग्री निर्माण के कार्यों में भी नियोजित किया जाता है।

प्रदेश के शासकीय माध्यमिक, उच्च माध्यमिक, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पदस्थ ऐसे योग्य व्याख्याता, उच्च श्रेणी शिक्षक, माध्यमिक शिक्षक, जो न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों से अंग्रेजी विषय में स्नातकोत्तर उपाधि रखते हों तथा जिनकी आयु एक जुलाई, 2025 को 50 वर्ष से अधिक न हो एवं जिनके पास कम से कम एक वर्ष का अंग्रेजी अध्यापन का अनुभव हो वह निर्धारित समयावधि में आवेदन कर सकते हैं।

विश्व सिकल सेल दिवस 19 जून

शहडोल से शुरू हुए राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन अभियान में मध्यप्रदेश अव्वल

पिछले कुछ वर्षों में केंद्र और राज्य सरकार की तरफ से हर वर्ग को बेहतर स्वास्थ्य प्रदान करने के लिए कई पहल की गईं हैं, जहां एक ओर आयुष्मान भारत जैसी योजना मुफ्त इलाज की गारंटी देती है, वहीं सरकार सस्ती दवाओं तक सबकी पहुंच भी सुनिश्चित कर रही है। सबका साथ-सबका प्रयास के मूल मंत्र के साथ सरकार हर वर्ग के साथ-साथ गरीब, जनजातीय और कमजोर आबादी के कल्याण को प्रमुखता दे रही है। स्वास्थ्य और उपचार के क्षेत्र में रोग की समय पर पहचान और रोकथाम पर जोर दिया जा रहा है। देश में जनजातीय समुदाय को सिकल सेल एनीमिया से मुक्ति दिलाने के लिए सिकल सेल उन्मूलन अभियान चल रहा है, जिसमें मध्यप्रदेश शीर्ष राज्य है। मध्यप्रदेश सरकार सिकल सेल रोग के उन्मूलन की दिशा में उल्लेखनीय रूप से कार्य कर रही है। आंकड़े बताते हैं कि सिकल सेल रोग से प्रभावित लोगों में स्वास्थ्य असमानताओं को दूर करने पर सरकार का फोकस है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य और जनजातीय कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह पहल एक स्वस्थ और अधिक समतापूर्ण समाज बनाने के लिये संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास के लक्ष्यों के अनुरूप है। वहीं इस बार विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश में बड़ा आयोजन किया जा रहा है जिसमें राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु शामिल होंगी।

विश्व सिकल सेल दिवस इतिहास

प्रत्येक वर्ष 19 जून को विश्व सिकल सेल दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने आधिकारिक तौर पर 22 दिसंबर, 2008 को यह घोषणा की थी कि प्रत्येक वर्ष 19 जून को विश्व सिकल सेल दिवस के रूप में मनाया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सिकल सेल एनीमिया को पहले अनुवांशिक रोगों में से एक के रूप में भी मान्यता दी है। इस दिवस का उद्देश्य सिकल सेल बीमारी से पीड़ित लोगों द्वारा सामना किये जाने वाले संघर्षों को सामने लाना, रोग की समझ को बढ़ावा देना और रोगी की देखभाल में सुधार लाने और इलाज खोजने की दिशा में प्रयासों को कारगर बनाना है।

सिकल सेल रोग क्या है?

सिकल सेल रोग एक अनुवांशिक रक्त रोग है जो रोगी के पूरे जीवन को प्रभावित करता है। यह लाल रक्त कोशिका विकारों का एक समूह है। इस रोग में हीमोग्लोबिन में विसंगति उत्पन्न हो जाती है। इसमें लाल रक्त कोशिकाएं कठोर (सख्त) और चिपचिपी हो जाती है और C-आकार की तरह दिखती हैं जिसे 'सिकल' कहा जाता है। यह बीमारी भारत की जनजातीय आबादी में आम है, लेकिन यह गैर-जनजातीयों में भी होता है। यह न केवल एनीमिया का कारण बनता है, बल्कि दर्द, विकास में कमी और फेफड़े, ह्रदय, गुर्दे, आंखें, हड्डियां और मस्तिष्क जैसे कई अंगों को भी प्रभावित करता है।

यह बीमारी पूरे परिवार को प्रभावित करती है, क्योंकि बीमारी परिवार को गरीबी के जाल में फंसा देती है। गरीबी की अपनी पृष्ठभूमि का जिक्र करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार इस दर्द को समझती है और मरीजों की मदद के प्रति संवेदनशील है।

इस बीमारी के लक्षण क्या हैं?

शरीर में थकान, कमजोरी और पीलेपन जैसे लक्षण दिखते हैं, इसके अलावा हड्डियां, छाती, पीठ, हाथ एवं पैरों में अचानक असहनीय दर्द हो सकता है। इससे शारीरिक विकास में देरी हो सकती है। सिकल सेल एनीमिया वंशानुगत है न कि संक्रामक। यह बीमारी न हवा से, न पानी, न भोजन से फैलती है। यह बीमारी माता-पिता से ही बच्चों में होती है। यह अनुवांशिक है। यह वंशानुगत रक्त विकार है जो सामान्यतः माता-पिता दोनों से हीमोग्लोबिन जीन में उत्परिवर्तन की अनुवांशिकता के कारण होती है।

देश में कहां-कहां है ये बीमारी?

राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, असम, उत्तर प्रदेश, केरल, बिहार और उत्तराखंड जैसे सिकल सेल रोग के अधिक व्याप्त वाले 17 राज्यों के 278 जिलों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश देशभर में अग्रणी राज्य

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक सिकल सेल मुक्त भारत बनाने का संकल्प लिया है। 1 जुलाई, 2023 को प्रधानमंत्री ने मध्यप्रदेश के शहडोल से राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन का शुभारंभ किया था, इसमें सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिये खतरा बन चुके सिकल सेल रोग को वर्ष 2047 तक समाप्त करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है, इस संकल्प को पूरा करने में मध्यप्रदेश प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है। आंकड़े बताते हैं कि मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन के अंतर्गत अब तक 1 करोड़ 5 लाख नागरिकों की सिकल सेल स्क्रीनिंग पूरी की जा चुकी है। इनमें 2 लाख से अधिक सिकल सेल रोग के वाहक चिह्नित हुए और 28 हजार 297 लोग सिकल सेल रोग से ग्रसित पाए गए। इन मरीजों का उपचार जारी है। अब तक 75 लाख 36 हजार से अधिक सिकल सेल कार्ड वितरित किए जा चुके हैं। सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के प्रथम चरण

में 46 लाख से अधिक लोगों को जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड वितरित किए गए थे, जिसमें भी मध्यप्रदेश देश में अग्रणी रहा। मध्यप्रदेश में सिकल सेल एनीमिया नियंत्रण के सफल पायलट प्रोजेक्ट के आधार पर पूरे देश में 'सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन 2047' की शुरुआत की गई है, जिसमें 17 राज्य शामिल हैं।

- मध्यप्रदेश के 33 जिलों में सिकल सेल बीमारी की स्क्रीनिंग जारी है, जिसमें 20 जिलों के 89 विकासखंड एवं 13 अतिरिक्त जिले (पीएम जनमन योजना) शामिल हैं।
- सिकल सेल उन्मूलन के लिए एम्स भोपाल में नवजात शिशुओं की 72 घंटे में जांच के लिए विशेष लैब स्थापित है।
- सिकल सेल बीमारी के सभी चिह्नित मरीजों को हाइड्रॉक्सीरिया, फॉलिक एसिड और निःशुल्क रक्ताधान की सुविधा प्रदान की जा रही है।
- इस बीमारी के गंभीर मरीजों के लिए इंदौर मेडिकल कॉलेज में बोनमेरो ट्रांसप्लांट यूनिट स्थापित की गई है, जहां 100 से अधिक ट्रांसप्लांट हो चुके हैं।

मध्यप्रदेश में हुए ये उल्लेखनीय कार्य

वर्ष 2024 में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती (जनजातीय गौरव दिवस) के अवसर पर रीवा के संजय गांधी स्मारक चिकित्सालय में मध्यप्रदेश के पहले शासकीय 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर प्रीनेटल डायग्नोसिस ऑफ हीमोग्लोबिनोपैथीज' का लोकार्पण किया गया था। यह केंद्र विंध्य क्षेत्र के नागरिकों, विशेषकर जनजातीय समूह के नागरिकों में रक्तजनित वंशानुगत विकारों के शोध, जांच एवं नैदानिक चिकित्सकीय परीक्षण के लिए समर्पित है।

मध्यप्रदेश में 15 नवंबर, 2021 को राज्य हीमोग्लोबिनोपैथी मिशन के रूप में राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन की शुरुआत अलीराजपुर और झाबुआ में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में हुई थी।

सिकल सेल एनीमिया रोग के जड़ से उन्मूलन के लिये केन्द्र सरकार द्वारा अनुच्छेद 275(1) के तहत प्रदेश में 2 उच्च स्तरीय देखभाल केंद्र यानी 'सिकल सेल रोग के लिए सक्षमता केंद्र' को मंजूरी दी गई है। पहला केंद्र भोपाल में है। आईसीएमआर के भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, भोपाल में जनजातीय अनुसंधान संस्थान के सहयोग से स्थापित यह केंद्र 'राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन' में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2047 तक सिकल सेल उन्मूलन के दूरदर्शी लक्ष्य के साथ स्थापित यह अत्याधुनिक सुविधा, सिकल सेल के रोगियों को आधुनिक निदान, उन्नत उपचार और समग्र पुनर्वास सेवाओं सहित व्यापक देखभाल प्रदान करता है। यहां विशेषज्ञों की एक समर्पित टीम के साथ यह केंद्र न केवल रोग के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करता है, बल्कि प्रभावित व्यक्तियों, विशेष रूप से जनजातीय समुदायों के भीतर जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए सुरक्षित पुनर्वास पर भी जोर देता है। इस केन्द्र के जरिये सभी सिकल सेल मरीजों के लिए एक स्वस्थ, उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करने की लक्ष्यपूर्ति के मिशन को बल मिलेगा। केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय ने इसके लिये करीब 2 करोड़ रुपये मंजूर किये हैं।

वहीं महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, इंदौर के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग एवं अत्याधुनिक मॉडल ब्लड सेंटर को सिकल सेल उन्मूलन मिशन-2047 के तहत उच्च स्तरीय देखभाल केंद्र (सक्षमता केंद्र) के रूप में मंजूरी मिली है। इसकी घोषणा प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा की गई है। इस परियोजना के तहत यहां गुणवत्तापूर्ण इलाज किया जायेगा। इस सेंटर में चिह्नित किए गए रोगियों में आधुनिक मशीनों से पुनः रोग की पुष्टि करना (फाइनल डायग्नोसिस बनाना), रोग की गंभीरता एवं प्रकार का पता लगाने के अलावा सिकल सेल रोग के रोगियों को उच्च स्तरीय एवं आधुनिक उपचार एक ही छत के नीचे प्रदान किया जायेगा। इसी प्रकार सिकल सेल एनीमिया के मरीज को विश्वस्तरीय, लुकोरिड्यूस्ड नेट टेस्टेड, रेडिएट रक्त एवं उसके घटक प्रदान करना। डे केयर सेंटर्स को सुसज्जित करना ताकि जिन रोगियों को ब्लड ट्रांसफ्यूजन होना है उन्हें सुरक्षित एवं सरल तरीके से रक्त और उसके घटक प्रदान किये जा सकें। स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन करना जिससे रक्त और इसके घटकों की आपूर्ति बनी रहे। जीवन रक्षक पद्धति के रूप में बहुत गंभीर मरीजों में एफरेस तकनीकी से रेड सेल एक्सचेंज करना। प्रसव पूर्व मामले में कोरियोनिक विलस सैंपलिंग (सीवीएस) की मदद से गर्भवती महिलाओं के गर्भ में पल रहे बच्चे में सिकल सेल रोग का पता लगाना, मॉलिक्यूलर प्रयोगशाला की स्थापना, नवजात शिशु में सिकल सेल का शीघ्र पता लगाना, सिकल सेल रोग के बारे में जनसाधारण, खासकर जनजातीय क्षेत्रों में जन जागरूकता अभियान चलाना, सिकल सेल से पीड़ित रोगियों में बोनमेरो ट्रांसप्लांट एवं जीन थेरेपी की संभावनाओं का पता लगाना एवं उन्हें इसके लिए तैयार करना सहित सिकल सेल के क्षेत्र में अनुसंधान और प्रशिक्षण भी दिये जायेंगे।

- रश्मि रंजन

(लेखिका, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करती हैं।)

सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों के लिए सबका साथ और सबका प्रयास जरूरी : राज्यपाल

मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल सिकल सेल रोग को लेकर काफी संवेदनशील हैं। 1 जुलाई 2023 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि गुजरात के मुख्यमंत्री बनने से पहले से ही वे इस दिशा में प्रयास कर रहे थे, वे और मध्यप्रदेश के वर्तमान राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल जनजातीय समुदायों के बीच जाते थे और उन्हें सिकल सेल एनीमिया के बारे में जागरूक बनाते थे। प्रधानमंत्री ने कहा था कि सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन का यह अभियान अमृत काल का एक प्रमुख मिशन बनेगा। उन्होंने वर्ष 2047 तक जनजातीय समुदायों और देश को सिकल सेल एनीमिया के खतरे से मुक्त करने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने सरकार, स्वास्थ्य कर्मियों और जनजातीयों के समन्वित दृष्टिकोण की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि मरीजों के लिए रक्त-कोष स्थापित किए जा रहे हैं, अस्थि-मज्जा प्रत्यारोपण की व्यवस्था का विस्तार किया जा रहा है और सिकल सेल एनीमिया की जांच को नया रूप दिया जा रहा है। उन्होंने लोगों से जांच कराने के लिए आगे आने का आग्रह किया था।

सिकल सेल के उन्मूलन प्रयासों के लिए सबके साथ और सबके प्रयासों की एकजुट आवश्यकता है। प्रत्येक व्यक्ति अपने स्तर पर सिकल सेल की जागरूकता में सक्रिय सहभागिता करे। वर्ष 2047 तक सिकल सेल उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जागरूकता ही सबसे बड़ा टूल है। हममें से प्रत्येक व्यक्ति सिकल सेल के लक्षणों, उपचार और संभावनाओं के प्रति स्वयं जागरूक हो। फिर जागरूकता दूत के रूप में अपने आस-पास, और समुदाय को जागरूक करे। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि नई पीढ़ी को सिकल सेल एनीमिया से बचाने के लिए वर-वधू शादी के पूर्व सिकल सेल जेनेटिक कार्ड का मिलान जरूर करें। गर्भावस्था में जरूरी जांचें कराएं। संतान के जन्म के 72 घंटे के भीतर उनकी सिकल सेल एनीमिया की जांच अवश्य करें।

'सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना' से छोटे निवेशकों को भी मिलेगा लाभ

भोपाल, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने कहा कि मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार अब छोटे निवेशकों के साथी किसानों को भी बिजली उत्पादन का अवसर मुहैया कराने जा रही है। छोटे निवेशकों के साथ किसान सौर ऊर्जा अभियान में 'सूर्य मित्र कृषक फीडर योजना' में निवेश करके बेहतर लाभ अर्जित कर सकते हैं। इस योजना का लाभ लेकर किसान सौर ऊर्जा के माध्यम से 'बिजली उत्पादक' बन सकते हैं। श्री शुक्ला ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि 'सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना' से प्रदेश के छोटे निवेशकों के साथ किसान भी लाभान्वित होंगे।

श्री शुक्ला ने बताया कि योजना में विद्युत सब स्टेशन की 100 प्रतिशत क्षमता तक की सौर परियोजनाओं को स्थापित करने का सरकार ने निर्णय लिया है। इस योजना से वोकल फॉर लोकल के अंतर्गत स्थानीय उद्यमियों के लिए निवेश एवं रोज़गार के अवसर मिलेंगे। शासन के साथ 25 वर्षों तक का विद्युत क्रय अनुबंध किया जाएगा। श्री शुक्ला ने बताया कि योजना से किसानों को दिन में भी सस्ती बिजली उपलब्ध कराई जा सकेगी।

अपर मुख्य सचिव, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव ने योजना के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने प्रदेश के छोटे निवेशकों और किसानों को इससे होने वाले लाभों के बारे में अवगत कराया।

मध्यप्रदेश कृषि क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य है। सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना में ग्रिड से जुड़े हुए कृषि पम्पों को सौर ऊर्जा से बिजली देने के लिए फीडर पर सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री कुसुम योजना के विस्तार का शासन द्वारा निर्णय लिया गया है। यहां पर सिंचाई सुविधाओं के लिए लगभग 8000 पृथक कृषि फीडर्स स्थापित किये गए हैं, जिन पर लगभग 35 लाख कृषि पम्प हैं। इन पृथक कृषि फीडर्स एवं मिश्रित फीडर्स भी जिन पर कृषि पम्प हैं को शीघ्र सौर ऊर्जा से बिजली देने के लिए फीडर पर सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना की जाएगी।

इन परियोजनाओं के मुख्य उद्देश्य

सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना का उद्देश्य कृषि लोड का दिन में प्रबंध कर किसान को सिंचाई के लिये दिन में बिजली उपलब्ध कराना है। इससे किसानों की जीवन शैली को व्यवस्थित किया जा सकेगा। योजना से सीधे 11 किलोवोल्ट साइड पर बिजली देने से सब-स्टेशन के सभी फीडरों को दिन में एक साथ बिजली दी जा सकेगी।

भारतीय वन सेवा परीक्षा में चयनित होकर अंजली ने साकार किया पिता का सपना

प्रख्यात दार्शनिक और देश के पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय श्री सर्वपल्ली एस. राधाकृष्णन ने एक दीक्षान्त समारोह में अपने सम्बोधन में कहा था कि शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता - अथक परिश्रम ही नहीं, एकाग्र चित्त से परिपूर्ण अध्ययनशीलता और दृढ़ इच्छाशक्ति का सुपरिणाम होती है। इन कारकों के अनुपातिक प्रभाव कम-ज्यादा हो सकते हैं मगर इन कारकों को अपनाकर ही कोई शिक्षार्थी, शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता का लक्ष्य प्राप्त कर सकता है। राजगढ़ जिले की चन्दनपुरा की अंजली सौंधिया ने उनके इसी प्रेरक सम्बोधन से प्रेरित होकर अथक परिश्रम, एकाग्रपूर्ण अध्ययनशीलता और दृढ़ इच्छाशक्ति से संघ लोक सेवा आयोग की वर्ष 2024 की अखिल भारतीय वनसेवा परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर नौवां स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता पाई है।

❍ **आईएफएस परीक्षा में समूचे देश में नौवां और प्रदेश में पहला स्थान पाने पर हार्दिक बधाई। क्या आपके लिये यह सफलता अपेक्षित थी?**

● बधाई के लिये धन्यवाद सर। इस सफलता की अपेक्षा का जहां तक प्रश्न है मेरे लिये यह एक सपने का साकार होना है। मेरे पिता एक किसान थे और उनका सपना था कि उनकी बेटी बड़ी अफसर बने। दो वर्ष पूर्व एक गम्भीर बीमारी के चलते उनका निधन हो गया। इसके बावजूद मैंने हार नहीं मानी और कठिन परिश्रम और लक्ष्यगत प्रयास से यह मुकाम हासिल किया। मैं जब दसवीं कक्षा में थीं, तब अपने कॅरियर के बारे में मार्गदर्शन मिला था और बारहवीं कक्षा के बाद से ही मैंने अपना लक्ष्य निर्धारित कर लिया था कि मुझे संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त करना है। चौथे प्रयास में मुझे यह सफलता मिली और एक साथ सभी चरणों- आरम्भिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार मैंने क्लीयर किये। अपने लक्ष्य और उसके लिये कड़े परिश्रम के परिप्रेक्ष्य में मेरी यह सफलता अपेक्षित ही मानी जायेगी।

❍ **आप अपनी इस सफलता का श्रेय किसे देना चाहेंगी?**

● बचपन से मेरे पिता चाहते थे कि मैं कोई बड़ा काम करूं। वे मुझे लगातार खूब पढ़ने और बड़ा लक्ष्य हासिल करने की प्रेरणा देते रहे। उनके निधन के बाद मैं अपनी सफलता का श्रेय अपनी माँ को भी देना चाहूंगी जिन्होंने मुझे बिना कोचिंग ऑनलाइन पढ़ाई के लिए प्रेरित किया और हर स्थिति में मेरा साथ दिया। सच तो यह है कि मैं इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता को दूंगी। उन्होंने मेरे सपनों को समाज से ऊपर रखा जैसा आजकल आसपास ज्यादा देखने को नहीं मिलता है। मेरी इस सफलता पर मेरी माँ को बेहद गर्व है। स्कूल और कॉलेज में भी मेरे शिक्षकों ने मुझे प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये वस्तुनिष्ठ अध्ययन के लिये प्रेरणा दी। मैंने स्व-अध्ययन (सेल्फ स्टडी) के माध्यम से ही यह मुकाम हासिल किया है।

❍ **अंजली आप अपनी पारिवारिक पृष्ठभूमि और शैक्षणिक पृष्ठभूमि के बारे में कुछ बताना चाहेंगी?**

● अवश्य सर, मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले की ब्यावरा तहसील के चंदरपुरा गांव में एक किसान परिवार में मेरा जन्म हुआ। मेरे पिता खेती-किसानी करते थे और माँ एक गृहिणी हैं। मेरे पिता सुरेश सौधिंया का गम्भीर बीमारी से निधन हो चुका है। मैं जिस समाज से हूं वो आज भी रुढ़ियों में बंधा है। मैं जब पन्द्रह साल की थी तब ही मेरे परिजन ने मेरी सगाई कर दी थी मगर इस स्थिति से निपटने के लिये मेरी माँ, एक मजबूत नींव की तरह हमेशा मेरे साथ रहीं और कहा कि तुम पढ़ोगी और तुम तब तक शादी नहीं करोगी, जब तक तुम खुद ऐसा ना करना चाहो। इस सम्बल से ही मैं यह उपलब्धि पा सकी। मेरी आरम्भिक शिक्षा राजगढ़ में ही हुई। इन्दौर से विज्ञान विषय में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। घर में रहकर ही मैंने अधिकतर पढ़ाई की। कुछ ऑनलाइन भी पढ़ाई करती रही।

❍ **आईएफएस की परीक्षा के लिये आपने कैसे तैयारी की?**

● किसी भी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिये एक समयबद्ध कार्यक्रम बनाना होता है। लगातार तीन बार की विफलता से मैं निराश थी मगर हताश नहीं। संघ लोक सेवा आयोग की अखिल भारतीय वन सेवा परीक्षा, वर्ष 2024 में मैंने भूविज्ञान (जिओलॉजी) और वानिकी को वैकल्पिक विषय के रूप में चुना। मैंने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद की अधिमान्य पुस्तकों, स्टैण्डर्ड किताबों और नोट्स बनाकर इस परीक्षा की तैयारी की। इस चुनौतीपूर्ण परीक्षा के लिये मेरी रणनीति सरल और सुगम थी, पाठ्यक्रम को अच्छी तरह से समझना, पिछले सालों के पेपर को हल करना और लगातार मॉक टेस्ट देने की मेरी रणनीति के मुझे इस बार अच्छे परिणाम मिले और मैंने आईएफएस परीक्षा में देश में नौवीं रैंक पाई।

बीस मिनट चला साक्षात्कार फिर हुआ खुशनुमा समापन

इस परीक्षा के साक्षात्कार का मेरा अनुभव भी काफी अच्छा रहा। साक्षात्कार से पहले मैंने - डॉ. जोसेफ मर्फी की किताब 'अवचेतन मन की शक्ति' (द' पावर ऑफ योअर सबकॉन्सियस माइण्ड) पढ़ी थी, जिससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ गया था।

साक्षात्कार में मुझसे राजगढ़ के जंगल और वहां रहने वाले आदिवासियों की शिक्षा से जुड़ी चुनौतियों के बारे में सवाल पूछे गए थे। मेरी पढ़ाई इंग्लिश मीडियम से हुई थी अतः मेरा साक्षात्कार भी अंग्रेजी में ही हुआ था।

❍ **एक आईएफएस अधिकारी बनकर आपको कैसा लगेगा?**

● मेरे पिता जो मूलतः एक किसान थे उन्होंने कुछ समय वन विभाग में ठेकेदारी का काम भी किया था वो वनों की अवैध कटाई से अत्यन्त क्षुब्ध होते थे और आज़ जब मैं उनके सपने को साकार करने जा रही हूं तो मैं बेहद खुश हूं। मैं अखिल भारतीय वन सेवा संवर्ग में कैडर पोस्ट पाऊंगी, यह मेरा सौभाग्य है। मैं वनों की रक्षा करना चाहूंगी। मैं यह प्रयास भी करूंगी कि मेरे कार्यक्षेत्र में जहां वन आच्छादन का प्रतिशत कम है वहां उसे बढ़ाया जाये। वन अगणित प्राणियों का घर है और पूरी धरती के वातावरण का अभिन्न अंग भी हैं और वनों को बचाना हमारे लिये राष्ट्रधर्म है।

❍ **आप 'रोज़गार और निर्माण' समाचार पत्र के माध्यम से युवाओं को क्या संदेश देना चाहेंगी?**

● मैं 'रोज़गार और निर्माण' के माध्यम से उन सभी युवाओं को जो किसी भी प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षा में शामिल होना चाहते हैं उन सभी को मैं यह संदेश देना चाहूंगी कि वह लक्ष्य को तय करें और उसे प्राप्त करने के लिये अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। हर दिन खुद को इस बात की आश्वस्ति दें कि यही समय सबसे महत्वपूर्ण है जो दोबारा नहीं आता है।

- राजा दुबे

(लेखक, जनसम्पर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

योजना

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के 9 वर्ष पूर्ण

माताओं को मिला बेहतर स्वास्थ्य का आधार

एक मां का स्वस्थ जीवन पूरे परिवार की खुशहाली का आधार होता है। यदि माँ स्वस्थ है, तो उसका बच्चा और अगली पीढ़ी का जीवन खुशहाल होगा। सुरक्षित मातृत्व समाज की बहुत बड़ी आवश्यकता है। कई बार संस्थागत प्रसव न होने अथवा बच्चों को जन्म देने वाली माताओं की समुचित देखभाल न होने से माताओं की मृत्यु हो जाती है। माताओं की इस तरह मृत्यु होना समाज में बड़ी चिन्ता की बात है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस समस्या को दूर करने के लिए वर्ष 2016 में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) शुरू किया इस अभियान के 9 वर्ष पूर्ण हो गए हैं। यह अभियान भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा संचालित है। इस अभियान के द्वारा हर महीने की 9 तारीख को सभी गर्भवती महिलाओं को खास तौर पर दूसरी और तीसरी तिमाही के दौरान, बगैर किसी फीस के व्यापक और गुणवत्तापूर्ण प्रसवपूर्व देखभाल (एएनसी) सेवाएं प्रदान की जाती हैं। इसका उद्देश्य उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं का शीघ्र पता लगाना और उनका तुरंत इलाज करके मातृ और नवजात मृत्यु दर को कम करना है। इस योजना के तहत अब तक 6.19 करोड़ गर्भवती महिलाओं की जांच की जा चुकी है। ई-प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के द्वारा डिजिटल व्यवस्था तंत्र के माध्यम से इस योजना को और मजबूती प्रदान की गई है। इस तरह यह योजना देश भर से मातृ-मृत्यु दर को कम करने और सुरक्षित गर्भधारण व्यवस्था से लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

इस कार्यक्रम में निजी क्षेत्र को भी जोड़ा गया। इसमें निजी चिकित्सकों को प्रेरित किया गया है कि वे स्वेच्छा से जन जागृति में सहयोग करें और जागरूकता फैलाने के लिए रणनीति विकसित करने में मदद करें तथा सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं के विभिन्न अभियानों में भाग भी लें।

योजना से होने वाला परिवर्तन

गर्भवती महिलाओं के लिए प्रसवपूर्व देखभाल और उचित पोषण सुविधाएं सुनिश्चित करने के सरकार के प्रयासों की वजह से भारत के मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) में काफी सुधार हुआ है, वर्ष 2014-16 में प्रति लाख जीवित जन्मों पर 130 से घटकर वर्ष 2021-23 में प्रति लाख जीवित जन्मों पर 80 हो गया है, यानि इसमें 50 अंकों की उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है।

पीएमएसएमए के उद्देश्य

पीएमएसएमए, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य प्लस पोषण (आरएमएनसीएएच+एन) रणनीति के व्यापक लक्ष्यों के अनुरूप है।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के उद्देश्य

- यह सुनिश्चित करना कि प्रत्येक गर्भवती महिला की दूसरी या तीसरी तिमाही के दौरान चिकित्सक अथवा विशेषज्ञ द्वारा कम से कम एक बार जांच हो।
- प्रसवपूर्व जांच के दौरान देखभाल की गुणवत्ता में सुधार करना।
- शुरुआती दौर में ही उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था (एचआरपी) की पहचान करना और उसका प्रबंधन करना।
- गर्भवती महिला के लिए उचित जन्म योजना और किसी भी जटिल स्थिति के लिए तैयारी सुनिश्चित करना।
- कुपोषण से ग्रस्त महिलाओं का उचित प्रबंधन सुनिश्चित करना।
- किशोरावस्था और प्रारंभिक गर्भावस्था पर विशेष ध्यान देना।

विस्तारित पीएमएसएमए (ई-पीएमएसएमए)

जनवरी 2022 में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान को विस्तारित कर ई-प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (ई-पीएमएसएमए) शुरू किया गया। इसमें सुरक्षित प्रसव होने तक उच्च जोखिम वाली गर्भवती (एचआरपी) महिलाओं की पूरी जानकारी रखी जाती है, ताकि उनकी सेहत की निगरानी की जा सके। इसके लिए पहचान की गई एचआरपी महिलाओं और उनके साथ आने वाली मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा) को पीएमएसएमए विजिट के अलावा 3 अतिरिक्त विजिट के लिए वित्तीय प्रोत्साहन दिया जाता है।

इस अभियान के तहत 31 दिसंबर, 2024 तक सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में 78.27 लाख से अधिक उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की पहचान की गई है।

ई- प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान की विशेषताएं

- इसमें उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की नाम-आधारित लिस्टिंग हो जाती है।
- अतिरिक्त पीएमएसएमए सत्र का प्रावधान (एक महीने में अधिकतम 4 बार)।
- स्वस्थ परिणाम आने तक उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की व्यक्तिगत ट्रैकिंग (प्रसव के 45वें दिन तक)।
- एचआरपी के पंजीकरण और फॉलोअप विजिट कार्यकर्ता के लिए लाभार्थी के साथ-साथ आशा कार्यकर्ता को एसएमएस अलर्ट।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीतियों के साथ एकीकरण

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान, सरकार के अन्य कार्यक्रमों के लिए भी पूरक की तरह काम करता है वे कार्यक्रम हैं-

जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई) - सशर्त नकद हस्तांतरण के जरिए संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू की गई। इस योजना से मार्च 2025 तक 11.07 करोड़ से अधिक महिलाओं को लाभ हुआ है।

जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम (जेएसएसके) - नि:शुल्क संस्थागत प्रसव और नवजात शिशु देखभाल को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया। वर्ष 2014-15 से अब तक 16.60 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को सेवा दी गई है।

सुरक्षित मातृत्व आश्वासन (सुमन)- गर्भवती महिलाओं के लिए सम्मानजनक और गुणवत्तापूर्ण देखभाल को मजबूत करने के लिए शुरू किया गया। मार्च 2025 तक देश भर में 90,015 सुमन स्वास्थ्य सुविधाओं को सूचीबद्ध किया गया है।

पोषण अभियान

पोषण सेवाओं में सुधार करके सबसे कमजोर वर्गों - बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को लक्षित करने के लिए शुरू किया गया। वर्तमान में, देशभर में 6.97 करोड़ पोषण पखवाड़ा मनाए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई)

संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने और मातृ स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए शुरू की गई यह योजना, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को 5 हजार रुपये का प्रत्यक्ष नकद लाभ प्रदान करती है।

- हितेश शर्मा

(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

रेलवे भर्ती कक्ष, उत्तर रेलवे

पद का नाम - स्काउट एंड गाइड कोटे के तहत ग्रुप 'सी' और ग्रुप 'डी' की भर्ती
पदों की संख्या - 23
योग्यता - ग्रुप 'सी' के लिए न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं कक्षा या समकक्ष उत्तीर्ण हो तथा ग्रुप 'डी' के लिए कक्षा दसवीं उत्तीर्ण तथा आईआईटी।
अंतिम तिथि - 22 जून, 2025
वेबसाइट - https://sgc.rrcnr.org

बिहार लोक सेवा आयोग

पद का नाम - सहायक प्रशाखा अधिकारी
पदों की संख्या - 41
योग्यता - किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक डिग्री होना अनिवार्य।
अंतिम तिथि - 23 जून, 2025
वेब. - https://bpsc.bihar.gov.in

आयुध निर्माणी बदमल

पद का नाम - कार्यकाल आधारित डीबीडब्ल्यू
पदों की संख्या - 40
योग्यता - एनसीवीटी से राष्ट्रीय शिक्षुता प्रमाण पत्र (आईटीआई)।
अंतिम तिथि - 21 जून, 2025
वेब. - https://munitionsindia.in

राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान

पद का नाम - कनिष्ठ सचिवालय सहायक (सामान्य), कनिष्ठ सचिवालय सहायक (वित्त एवं लेखा), कनिष्ठ सचिवालय सहायक (भंडार एवं क्रय), कनिष्ठ आशुलिपिक
पदों की संख्या - 25
योग्यता - कक्षा बारहवीं या इसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हो।
अंतिम तिथि - 24 जून, 2025
वेबसाइट - https://www.nio.res.in

इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान

पद का नाम - सहायक प्राध्यापक
पदों की संख्या - 52
योग्यता - भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम, 1956 के अनुसार एमबीबीएस के बाद संबंधित विषय में 2 वर्ष या 3 वर्ष या 5 वर्ष या 6 वर्ष का मान्यता प्राप्त कोर्स।
अंतिम तिथि - 21 जून, 2025
वेबसाइट - http://www.igims.org

रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंपनी (कर्नाटक) लिमिटेड

पद का नाम - महाप्रबंधक (सिविल, प्रीक्योरमेंट, इलेक्ट्रिकल), अतिरिक्त महाप्रबंधक, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक (सिविल, डिजाइन, इलेक्ट्रिकल), प्रबंधक/उप प्रबंधक (सिविल, प्लानिंग, इलेक्ट्रिकल, प्रीक्योरमेंट, मानव संसाधन), वरिष्ठ अधिकारी
पदों की संख्या - 48
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 23 जून, 2025
वेबसाइट - https://kride.in

कर्मचारी चयन आयोग

पद का नाम - वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक, कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक, उप निरीक्षक (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल)
पदों की संख्या - 437
योग्यता - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से हिन्दी और अंग्रेजी विषय के साथ स्नातकोत्तर डिग्री।
अंतिम तिथि - 26 जून, 2025
वेबसाइट - https://ssc.gov.in

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया

पद का नाम - अप्रेंटिस
पदों की संख्या - 4500
योग्यता - किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से स्नातक की डिग्री।
अंतिम तिथि - 23 जून, 2025
वेब. - https://www.centralbankofindia.co.in

बामर लॉरी एंड कंपनी लिमिटेड

पद का नाम - उप प्रबंधक, सहायक प्रबंधक (बिक्री, वाणिज्यिक, कॉर्पोरेट व्यवसाय, परिचालन, फिको प्रकार्य), कनिष्ठ अधिकारी (बिक्री, वाणिज्यिक, संग्रह, परिचालन, समुद्री सीएचए, कराधान), अधिकारी (बिक्री, कॉर्पोरेट व्यवसाय, विपणन, कस्टम परिचालन, विद्युत), प्रबंधक (बिक्री, विनिर्माण, घरेलू परिवहन), वरिष्ठ प्रबंधक (समुद्री निर्यात)
पदों की संख्या - 37
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 20 जून, 2025
वेब.- https://www.balmerlawrie.com

पं. दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांग व्यक्ति संस्थान

पद का नाम - सहायक प्रोफेसर, व्याख्याता (व्यावसायिक चिकित्सा), प्रशासनिक अधिकारी (सलाहकार), पुनर्वास अधिकारी (सलाहकार), लेखाकार (सलाहकार), विशेष शिक्षक/अभिविन्यास और गतिशीलता प्रशिक्षक, व्यावसायिक प्रशिक्षक, क्लिनिकल सहायक, कार्यशाला पर्यवेक्षक सह स्टोर कीपर
पदों की संख्या - 12
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 26 जून, 2025
वेबसाइट - https://pdunippd.nic.in

एडमिशन अलर्ट

एमएसएमई प्रशिक्षण केंद्र, भिवाड़ी

पाठ्यक्रम का नाम - टूल और डाई मेकिंग में डिप्लोमा, मेकाट्रॉनिक्स में डिप्लोमा
योग्यता- किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा दसवीं या समकक्ष उत्तीर्ण हो तथा सभी विषयों के साथ न्यूनतम 35 प्रतिशत अंक हो।
अंतिम तिथि - 24 जून, 2025
वेबसाइट - https://www.msmetcbhiwadi.org

चंडीगढ़ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी

पाठ्यक्रम का नाम - कम्प्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग
योग्यता - प्रवेश जेईई (मेन)-2025 अखिल भारतीय रैंक (एआईआर) के आधार पर दिए जायेंगे।
सीटों की संख्या - कुल 300
अंतिम तिथि - 21 जून, 2025
वेबसाइट - https://www.ccet.ac.in

मध्यप्रदेश की नदियां

कृषि और जैवविविधता को समृद्ध करती मैदानी नदी पार्वती

मध्यप्रदेश की धरती को प्रकृति ने नदियों की विपुलता से समृद्ध किया है। इसलिए प्रदेश को नदियों का मायका कहा जाता है। नदियां जीवन और प्रकृति संवर्धन का आधार हैं। नदी तट पर कई संस्कृतियों का निर्माण और विकास हुआ है। जल-जीवन की इस विरासत से आपको परिचित करवाने के लिए रोज़गार और निर्माण में मध्यप्रदेश की नदियां स्तम्भ शुरू किया है। इस अंक में प्रस्तुत है मध्यप्रदेश की मैदानी नदी पार्वती का परिचय –

मैदानी नदियों में पार्वती बड़ी नदियों में से एक है। मैदानी नदियां वे होती हैं जो पठार और मैदान में बहती हैं। इन नदियों के आसपास खेती का बड़ा क्षेत्र होता है। मैदानी नदियों का लाभ आसपास के कृषि क्षेत्र को मिलता है। पार्वती नदी भी एक ऐसी ही मैदानी नदी है। पार्वती नदी का उद्गम स्थल मध्यप्रदेश है, यह नदी सीहोर जिले में विंध्याचल की पहाड़ियों से निकलती है। पार्वती नदी की कुल लंबाई 471 किलोमीटर है। पार्वती नदी मुख्य रूप से मध्यप्रदेश और राजस्थान में बहती है तथा मालवा और चंबल अंचल से गुजरती है। यह नदी सीहोर जिले से निकलकर गुना होते हुए राजस्थान में प्रवेश करती है और बारा जिले से निकलकर सवाई माधोपुर जिले के पालीग्राम के निकट चंबल नदी में मिल जाती है। इसके मार्ग का लगभग 18 किलोमीटर भाग मध्यप्रदेश और राजस्थान की सीमा निर्धारित करता है। सीहोर शहर पार्वती नदी के किनारे बसा हुआ है, जो मध्यप्रदेश का एक प्रमुख जिला मुख्यालय है। राजगढ़ शहर भी पार्वती नदी के किनारे पर बसा हुआ है। इस जिले की सीमा राजस्थान से लगती है।

पार्वती नदी के किनारे बसे कुछ शहर

शाजापुर

शाजापुर मालवा अंचल का प्रमुख शहर माना जाता है, जो पार्वती नदी के किनारे पर बसा हुआ है। यह क्षेत्र जिले की दक्षिणी और उत्तरी सीमा के बीच विस्तृत है। यह सुसनेर और शाजापुर तहसील के प्रमुख हिस्सों और आगर तहसील के एक बहुत छोटे हिस्से तक विस्तारित है। इस क्षेत्र का दक्षिणी भाग पहाड़ी है जबकि उत्तरी भाग में समतल भूमि हैं। पहाड़ियां धीरे-धीरे दक्षिण से उत्तर की ओर ऊंचाई में घटती जाती हैं। मध्य और उत्तरी भागों में भी कुछ बिखरी हुई पहाड़ियां हैं। यहां कई धाराएं पहाड़ी क्षेत्र का निर्माण करती हैं और सतह को विच्छेदित करती हैं।

आष्टा

आष्टा शहर पार्वती नदी के किनारे बसा है, यह शहर सीहोर जिले में आता है। आष्टा नगर वर्ष 1901 से नगरीय केन्द्र के रूप में जाना जाता है। यह नगर पार्वती नदी से लगकर बसा है, नदी का प्रवाह दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व दिशा की ओर है जो नगर के विकास की प्रक्रिया को दो भागों में विभाजित करता है। नगर का प्राकृतिक ढलान दोनों ओर से पार्वती नदी की ओर है। आष्टा नगर मालवा पठार पर स्थित होने से इसकी मिट्टी अत्यधिक उपजाऊ है, जो गेहूं कपास एवं सोयाबीन आदि फसलों के लिए उपयुक्त है।

राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य

पार्वती और चंबल नदी के संगम पर प्रसिद्ध राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य स्थित है। राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य की स्थापना वर्ष 1979 में चंबल नदी की 425 किलोमीटर की लंबाई के साथ की गई थी। इसकी घाटी राजस्थान, मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के त्रि-बिंदु के पास चंबल नदी के साथ 2-6 किलोमीटर क्षेत्र में फैली हुई है। अभयारण्य गंभीर रूप से लुप्तप्राय घड़ियाल (छोटे मगरमच्छ), रेड क्राउन टोर्टयज और लुप्तप्राय गंगा नदी डॉल्फिन का आवास स्थान है। यहां देश में पाए जाने वाले 26 में से 8 दुर्लभ कछुओं की प्रजातियां हैं। चंबल अभयारण्य में 320 से अधिक निवासी और प्रवासी पक्षी हैं।

पार्वती नदी की सहायक नदियां

बरनी, चौपट, विलास, अंधेरी पार्वती नदी की प्रमुख सहायक नदियां हैं जो इसमें विलय होती हैं।

पार्वती नदी का बहाव क्षेत्र

पार्वती नदी के बहाव क्षेत्र वाले जिले हैं गुना, सीहोर, राजगढ़, शाजापुर, विदिशा और अशोकनगर जिला।

कृषि क्षेत्र में सहायक

पार्वती नदी का पानी कृषि के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसके किनारे कई कृषि गतिविधियां संचालित होती हैं। इस नदी का उद्गम जिला सीहोर का शरबती गेहूं देशभर में प्रसिद्ध है। गेहूं उत्पादन के लिए पार्वती के जल का बड़ा योगदान है। इस नदी के पानी का लाभ आष्टा, इछावर तहसील में भी मिलता है। इसके अलावा इस नदी के पानी का उपयोग कर राजगढ़ जिले के कई गांवों में कृषि कार्य किये जाते हैं।

पेयजल में सहायक

पार्वती नदी का पानी पेयजल के लिए भी उपयोग किया जाता है। यह स्थानीय लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण जलस्रोत है। पार्वती नदी का जल संसाधनों में महत्वपूर्ण योगदान है, और इसके पानी का उपयोग विभिन्न कार्यों में किया जाता है।

पर्यावरण के क्षेत्र में

पार्वती नदी क्षेत्र पर्यावरण के लिए भी महत्वपूर्ण है। इसके किनारे कई वनस्पतियां और जीव-जन्तु पाए जाते हैं। इस नदी के किनारे मूलतः विलुप्त जाति के पक्षी जिनमें रिवर टर्न, ब्लैकबेली, सारस क्रेन, वाइट वेली कन आदि विचरण के लिये आते हैं। पार्वती नदी क्षेत्र इन पक्षियों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण आवास स्थल के रूप में है। पार्वती नदी में जलीय जीवों की श्रृंखला में मगरमच्छ भी पाए जाते हैं।

पार्वती - कालीसिंध - चंबल लिंक परियोजना

पार्वती - कालीसिंध - चंबल लिंक परियोजना एक ऐसी योजना है जिससे किसान समृद्ध होगा। इससे मध्यप्रदेश और राजस्थान के किसानों की तकदीर और तस्वीर बदल जाएगी। इस परियोजना के लिए त्रि-स्तरीय अनुबंध प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की उपस्थिति में जयपुर में हुआ। नदी जोड़ो परियोजना की परिकल्पना पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने की थी। पार्वती - कालीसिंध-चंबल अनुबंध से उनका नदी जोड़ो योजना का स्वप्न साकार हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश और राजस्थान के बीच समझौता किया और पार्वती-कालीसिंध - चंबल लिंक परियोजना को मूर्त रूप दिया।

36 हजार 500 हेक्टेयर क्षेत्र में हो सकेगी सिंचाई

पार्वती - कालीसिंध - चंबल लिंक परियोजना अंतर्गत रणजीत सागर कॉम्पलेक्स सिंचाई परियोजना अनुमानित लागत 2 हजार 182 करोड़ रुपये है। रणजीत सागर कॉम्प्लेक्स सिंचाई परियोजना से 36 हजार 500 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हो सकेगी। इससे 74 गांव लाभान्वित होंगे, जिसमें देवास जिले के 68 गांव और उज्जैन जिले के 6 गांव शामिल है। इस परियोजना से मुख्य रूप से देवास जिले में सिंचाई, पेयजल, मत्स्य पालन और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

40 लाख आबादी को सिंचाई जल के साथ पेयजल भी होगा उपलब्ध

इस परियोजना से प्रदेश के 3217 ग्रामों को लाभ मिलेगा। मालवा और चंबल क्षेत्र में 6 लाख 13 हजार 520 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी और 40 लाख की आबादी को पेयजल उपलब्ध होगा। इसके अतिरिक्त लगभग 60 वर्ष पुरानी चंबल दाई मुख्य नहर एवं वितरण-तंत्र प्रणाली के आधुनिकीकरण कार्य से भिंड, मुरैना एवं श्योपुर जिले में कृषकों की मांग अनुसार पानी उपलब्ध कराया जाएगा।

पार्वती - कालीसिंध - चंबल लिंक परियोजना की अनुमानित लागत 72 हजार करोड़ है, जिसमें मध्यप्रदेश 35 हजार करोड़ और राजस्थान 37 हजार करोड़ रुपये व्यय करेगा। केन्द्र की इस योजना में कुल लागत का 90 प्रतिशत केन्द्रांश और 10 प्रतिशत राज्यांश रहेगा। परियोजना की कुल जल भराव क्षमता 1908.83 घन मीटर होगी। साथ ही 172 मिलियन घन मीटर जल, पेयजल और उद्योगों के लिये आरक्षित रहेगा। परियोजना अंतर्गत 21 बांध तथा बैराज निर्मित किये जाएंगे।

- देवेन्द्र गोरे
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

इलावेनिल ने निशानेबाजी विश्वकप में जीता कांस्य

म्युनिख, भारतीय महिला निशानेबाज इलावेनिल वलारिवान ने आईएसएसएफ विश्वकप में कांस्य पदक के साथ शुरुआत की है। इलावेनिल ने महिला की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में यह पदक जीता। इलावेनिल एक समय फाइनल राउंड में शीर्ष पर थीं, लेकिन अंत में उन्हें कांस्य से संतोष करना पड़ा। इलावेनिल ने 231.2 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। इलावेनिल ने फाइनल में 10.7 अंक के साथ शुरुआत की और फिर अपने अगले प्रयास में 10.8 अंक जुटाए। इलावेनिल शुरुआती पांच शॉट के बाद कोरिया की ओलंपिक चैंपियन युनजी से 0.3 अंक पीछे थीं। इसके बााद वह 10.8 अंक के साथ शीर्ष पर पहुंचीं। इलावेनिल 12 शॉट के बाद 127.2 अंक के साथ शीर्ष पर थीं। लेकिन इसके बाद भारतीय निशानेबाज मुकाबले में पिछड़ गईं और अंततः उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

आईसीसी हॉल ऑफ फेम में

पूर्व भारतीय कप्तान धोनी को मिली जगह

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल करने की घोषणा की है। धोनी भारत के 11वें खिलाड़ी हैं, जिन्हें इस सूची में शामिल किया गया है। आईसीसी ने बताया कि महेंद्र सिंह धोनी के अलावा दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ, हाशिम अमला, ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू हेडन, न्यूजीलैंड के डेनियल विटोरी, पाकिस्तान की महिला क्रिकेटर सना मीर और इंग्लैंड की सारा टेलर को भी इस सूची में शामिल किया गया है।

आईसीसी ने बताया कि हॉल ऑफ फेम में उन्हीं क्रिकेटरों को जगह दी जाती है, जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया हो। धोनी को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिए हुए करीब 5 वर्ष हो गए हैं। धोनी ने भारत के लिए आखिरी मैच आईसीसी वन-डे विश्व कप-2019 के सेमीफाइनल में खेला था।

इन भारतीयों को मिल चुका है सम्मान

आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले धोनी भारत के 11वें क्रिकेटर बन गए हैं। उनसे पहले नीतू डेविड, वीरेंद्र सहवाग, डायना एडुल्जी, विनोद मांकड़, सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले, कपिल देव, बिशन सिंह बेदी और सुनील गावस्कर को यह सम्मान मिल चुका है। गावस्कर और बिशन सिंह बेदी भारत से आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं।

आईपीएल में भी चमके हैं धोनी

घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में धोनी का प्रदर्शन बतौर खिलाड़ी तो शानदार रहा ही है, वे कप्तान के रूप में भी बेमिसाल रहे हैं। उन्होंने आईपीएल और चैंपियंस लीग ट्वेंटी-20 में चेन्नई सुपर किंग्स को खिताब दिलाये हैं। उन्होंने सीएसके को 2010, 2011, 2018, 2021 और 2023 में पांच आईपीएल खिताब दिलाए हैं। धोनी की कप्तानी में सीएसके ने 2010 और 2014 में चैम्पियंस लीग ट्वेंटी-20 का खिताब जीता है।

- **महेंद्र सिंह धोनी भारत के सबसे सफल क्रिकेट कप्तान हैं।**
- **धोनी की कप्तानी में भारत ने तीन आईसीसी खिताब जीते हैं।**
- **धोनी के नेतृत्व में भारत ने वर्ष 2007 में ट्वेंटी-20 विश्वकप, वर्ष 2011 में वन-डे विश्वकप और वर्ष 2013 में चैम्पियंस ट्रॉफी जीती हैं।**
- **भारत ने धोनी की कप्तानी में वर्ष 2010 और 2016 में एशिया कप भी जीता है।**

भारत की जूनियर पुरुष हॉकी टीम की अगुआई करेंगे हुंडल

नई दिल्ली, अनुभवी ड्रैग फ्लिकर अराइजीत सिंह हुंडल जर्मनी में खेले जाने वाले चार देशों के हॉकी टूर्नामेंट में भारत की जूनियर पुरुष हॉकी टीम की अगुआई करेंगे। हुंडल वर्ष 2023 में जूनियर एशिया कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे हैं और 2023-24 प्रो लीग में भी खेले हैं। टूर्नामेंट में भारत और मेजबान जर्मनी के अलावा स्पेन और ऑस्ट्रेलिया भी हिस्सा लेंगे। जूनियर पुरुष टीम के कोच पीआर श्रीजेश ने बताया कि यह टूर्नामेंट इस वर्ष के अंत में (नवंबर-दिसंबर) होने वाले एफआईएच जूनियर विश्वकप के लिए हमारी तैयारी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

निकोलस पूरन ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

गुयाना, वेस्टइंडीज के विकेटकीपर और बल्लेबाज निकोलस पूरन ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर क्रिकेट प्रशंसकों को हैरान कर दिया है। पूरन वेस्टइंडीज के लिए ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। पूरन ने सोशल मीडिया के जरिए संन्यास की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वह अब अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में नहीं खेलेंगे। पूरन ने वेस्टइंडीज के लिए आखिरी ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच बांग्लादेश के खिलाफ दिसंबर 2024 में खेला था।

फ्रेंच ओपन

कार्लोस अलकराज बने चैम्पियन

पेरिस, स्पेन के कार्लोस अलकराज ने फ्रेंच ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया है। खिताबी मुकाबले में उनकी टक्कर इटली के जेनिक सिनर से थी। पहले दो सेट को सिनर ने अपने नाम किया। इसके बाद अलकराज ने दमदार वापसी करते हुए अगले तीनों सेट जीते और खिताब अपने नाम कर लिया।

तीन सेट का फैसला टाई ब्रेकर में हुआ

कार्लोस अलकराज ने इस खिताबी मुकाबले को 4-6, 6-7, 6-4, 7-6, 7-6 से अपने नाम किया। दूसरे, चौथे और आखिरी सेट का फैसला टाई ब्रेकर में आया। चौथे सेट में एक समय जेनिक सिनर जीत के करीब पहुंच गए थे। उन्हें तीन मैच पॉइंट मिले लेकिन हर बार अलकराज ने वापसी की और मैच पॉइंट बचा लिए। पांचवे सेट का नतीजा सुपर टाई ब्रेकर में आया। इसमें सबसे पहले 10 पॉइंट हासिल करने वाले खिलाड़ी को जीत मिलती है। अलकराज ने इसमें 10-2 से जीत हासिल की।

फ्रेंच ओपन इतिहास का सबसे लंबा फाइनल मुकाबला

यह खिताबी मुकाबला 5 घंटे और 29 मिनट तक चला। यह फ्रेंच ओपन इतिहास का सबसे लंबा फाइनल है। ओपन एरा में अभी तक कोई भी फ्रेंच ओपन फाइनल 5 घंटे तक नहीं पहुंचा था। इससे पहले वर्ष 1982 का फाइनल मुकाबला 4 घंटे और 20 मिनट तक चला था। मैट्स विलेंडर ने उस मुकाबले में गिलर्मो विलास को हराया था। ग्रैंड स्लैम का सबसे लंबा फाइनल वर्ष 2012 में नोवाक जोकोविच और राफेल नडाल के बीच हुआ था। यह मुकाबला ऑस्ट्रेलियन ओपन में खेला गया था।

- **कार्लोस अलकराज ने दूसरी बार जीता है फ्रेंच ओपन।**
- **अलकराज ने इससे पहले वर्ष 2024 में भी यह खिताब जीता था।**
- **महिला वर्ग में अमेरिका की कोको गॉफ ने जीता है यह खिताब।**

आईसीसी महिला वन-डे विश्वकप का कार्यक्रम घोषित

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आईसीसी महिला क्रिकेट विश्वकप-2025 का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 30 सितंबर से 2 नवंबर तक चलेगा। इस बार महिला वर्ल्ड कप का आयोजन भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से करेंगे। पहला मैच बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा और फाइनल मुकाबला भी यहीं आयोजित होगा। यदि पाकिस्तान टीम फाइनल में पहुंचती है तो वह मुकाबला कोलंबो में आयोजित किया जाएगा।

आईसीसी ने बताया कि महिला क्रिकेट विश्वकप- 2025 के मैच पांच अलग-अलग स्टेडियम में खेले जाएंगे। इन स्टेडियमों में बेंगलुरु का चिन्नास्वामी स्टेडियम, गुवाहाटी का एसीए स्टेडियम, इंदौर का होलकर स्टेडियम, विशाखापट्टनम का एसीए-वीडीसीए स्टेडियम और कोलंबो का आर. प्रेमदासा स्टेडियम शामिल है। यह टूर्नामेंट लगभग एक महीने तक चलेगा, जिसमें कुल 8 टीमें हिस्सा लेंगी। नॉकआउट राउंड 29 अक्टूबर को गुवाहाटी या कोलंबो में होगा। वहीं दूसरा सेमीफाइनल 30 अक्टूबर को बेंगलुरु में खेला जाएगा।

ताइवान ओपन

भारतीय एथलीटों ने जीते 16 पदक

ताइपे सिटी, चीनी ताइपे में आयोजित ताइवान एथलेटिक्स ओपन- 2025 में भारतीय एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन किया है। प्रतियोगिता में भारतीय खिलाड़ियों ने 12 स्वर्ण, 3 रजत और 1 कांस्य सहित कुल 16 पदक अपने नाम किए हैं।

अन्नू और रोहित ने भालाफेंक में जीता स्वर्ण पदक

प्रतियोगिता में भालाफेंक स्पर्धा में दो स्वर्ण पदक मिले। भारत के लिए अन्नू रानी ने महिला वर्ग में तथा रोहित यादव ने पुरुष वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। प्रतियोगिता में एशियन गेम्स की चैंपियन अन्नू रानी ने अपने दूसरे थ्रो में 56.82 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ महिलाओं की भालाफेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। वहीं दो बार के पुरुष भालाफेंक नेशनल चैंपियन रोहित यादव ने चुनौतीपूर्ण मौसम का सामना करते हुए भारत को स्वर्ण पदक जिताया। तेज हवाओं के बीच कोई भी एथलीट 75 मीटर के मार्क को पार नहीं कर पाया, लेकिन रोहित यादव ने अपने आखिरी प्रयास में 74.42 मीटर का थ्रो करके शीर्ष पोडियम स्थान पर अपनी जगह बनाई।

चार सौ मीटर रिले में मिला स्वर्ण पदक

प्रतियोगिता में भारतीय पुरुषों की 400 मीटर रिले टीम ने स्वर्ण पदक जीता। संतोष कुमार तमिलारासन, विशाल टीके, धर्मवीर चौधरी और मनु टीएस की चौकड़ी ने 3:05.58 का मीट रिकॉर्ड बनाया। वियतनाम 3:06.20 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि एशिया बायोमेडिकल की टीम 3:14.51 का समय लेकर तीसरे स्थान पर रही। प्रतियोगिता में एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता विथ्या रामराज ने महिलाओं की 400 मीटर हर्डल्स में 56.53 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। प्रतियोगिता में महिलाओं की लंबी कूद स्पर्धा में भारत की शैली सिंह ने स्वर्ण तथा ऐंसी सोजन ने रजत पदक जीता है।

यूएफा नेशंस लीग

पुर्तगाल ने दूसरी बार जीता खिताब

म्युनिख, स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की कप्तानी वाली पुर्तगाल की फुटबॉल टीम ने एक बार फिर यूएफा नेशंस लीग का खिताब जीत लिया है। टूर्नामेंट के फाइनल में पुर्तगाल ने स्पेन को पेनल्टी शूटआउट में 5-3 से हराया। मैच में क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने महत्वपूर्ण बराबरी का गोल किया, लेकिन बाद में चोट के कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा।

मैच की शुरुआत में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। पहले हाफ में स्पेनिश टीम ने पुर्तगाल की रक्षापंक्ति को दबाव में ला दिया। मैच के 21वें मिनट में स्पेन के मार्टिन जुबिमेंडी ने गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई, लेकिन पुर्तगाल ने पांच मिनट बाद नूनो मेंडेस के पहले अंतर्राष्ट्रीय गोल से स्कोर बराबर कर लिया। मैच के हाफ टाइम से ठीक पहले 45वें मिनट में मिकेल ओयार्जाबल ने पेड्री के पास को गोल में बदलकर स्पेन को 2-1 की बढ़त दिला दी।

मैच में पिछड़ने के बाद दूसरे हाफ में पुर्तगाल की टीम ने जबरदस्त काउंटर अटैक किया। दूसरे हाफ में रोनाल्डो ने पुर्तगाल को बराबरी दिलाई। रोनाल्डो ने मैच के 61वें मिनट में मेंडेस के क्रॉस पर गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। मैच में निर्धारित समय तक स्कोर बराबर रहा और अतिरिक्त समय में कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी, जिससे मैच पेनाल्टी शूटआउट में गया।

पेनाल्टी शूटआउट में पुर्तगाल ने सभी मौकों को गोल में तब्दील किया और मुकाबला 5-3 से अपने नाम किया। पुर्तगाल के लिए गोंसालो रामोस, विटिन्हा फेरिएरा, ब्रूनो हर्नांडिज, नुनो मेंडेस और रूबेन नेवेस ने गोल किया। स्पेन के लिए मिकेल मेरिनो, एलेक्स बेना और फ्रांसिस्को इस्को ने गोल किया जबकि अल्वारो मोराटो पेनाल्टी चूक गए।

चोट के बाद भी खेले रोनाल्डो

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने खुलासा किया कि वे फाइनल में चोट के साथ खेल रहे थे। उन्होंने कहा कि वॉर्म-अप के दौरान ही मैंने इसे महसूस कर लिया था, कुछ समय से इसे महसूस कर रहा था, लेकिन नेशनल टीम के लिए अगर मुझे अपना पैर भी तोड़ना पड़ता, तो मैं तोड़ देता। यह एक ट्रॉफी के लिए था, मुझे खेलना था और मैंने अपना बेस्ट दिया।

- **पुर्तगाल ने दूसरी बार जीती है यूएफा नेशंस लीग।**
- **इससे पहले पुर्तगाल वर्ष 2019 में बना है चैम्पियन।**
- **क्रिस्टियानो रोनाल्डो की कप्तानी में पुर्तगाल का यह तीसरा बड़ा खिताब है।**
- **रोनाल्डो की कप्तानी में पुर्तगाल ने वर्ष 2016 में यूरो कप भी जीता है।**

मैग्नस कार्लसन ने जीता नॉर्वे शतरंज खिताब

ओस्लो, वर्ल्ड नंबर वन शतरंज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने नॉर्वे चेस-2025 टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है। टूर्नामेंट में भारत के दिग्गज खिलाड़ी और मौजूदा विश्व चैम्पियन डी. गुकेश तीसरे नंबर पर रहे। वहीं अन्य भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी पांचवें स्थान पर रहे। जीत के बाद कार्लसन ने कहा कि मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। टूर्नामेंट जीतना राहत की बात है। टूर्नामेंट काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा, लेकिन अंत में सबकुछ अच्छा रहा। गुकेश और अर्जुन के बारे में उन्होंने कहा कि सभी बहुत अच्छे हैं। हालांकि, उन्हें अभी भी तैयारी के लिए थोड़ा समय चाहिए।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

भारतीय सैन्य टुकड़ी बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास खान क्वेस्ट के लिए मंगोलिया पहुंची

भारतीय सैन्य टुकड़ी बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास खान क्वेस्ट के लिए मंगोलिया के उलानबटार पहुंची। यह सैन्य अभ्यास 14 से 28 जून 2025 तक चलेगा।। उल्लेखनीय है कि यह अभ्यास पहली बार वर्ष 2003 में संयुक्त राज्य अमेरिका और मंगोलियाई सशस्त्र बलों के बीच एक द्विपक्षीय कार्यक्रम के रूप में आरंभ हुआ था। वर्तमान वर्ष इसका 22वां संस्करण है। भारतीय सेना के 40 कर्मियों वाले दल में मुख्य रूप से कुमाऊं रेजिमेंट के सैनिक तथा अन्य सेनाओं के कर्मी शामिल हैं। दल में एक महिला अधिकारी तथा दो महिला सैनिक भी शामिल हैं। अभ्यास खान क्वेस्ट का उद्देश्य बहुराष्ट्रीय वातावरण में प्रचालन करते हुए भारतीय सशस्त्र बलों को शांति अभियानों के लिए तैयार करना है। अभ्यास में उच्च स्तर की शारीरिक फिटनेस, संयुक्त योजना और संयुक्त सामरिक अभ्यास पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। अभ्यास के दौरान किए जाने वाले सामरिक अभ्यासों में अपरिवर्ती और गतिशील चेक प्वाइंटों की स्थापना, घेराबंदी और तलाशी अभियान, गश्त, शत्रु क्षेत्रों से नागरिकों की निकासी, काउंटर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस ड्रिल, युद्ध संबंधित प्राथमिक उपचार और होने वाले नुकसान आदि शामिल होंगे।

योग पोर्टल पर पंजीकरण की संख्या हुई 50 हजार के पार

भारत के नेतृत्व में समग्र स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने में प्रभावी रूप से 21 जून को 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम (योग संगम) ऐतिहासिक उपलब्धि है। देशभर से 50 हजार से अधिक संगठनों ने 21 जून 2025 को सुबह 6:30 बजे से 7:45 बजे तक योग संगम की मेजबानी के लिए पंजीकरण कराया है। राजस्थान में योग संगम 2025 के लिए 11 हजार से अधिक संगठनों ने पंजीकरण कराया है। ये संख्या अन्य सभी राज्यों में किए गये पंजीकरणों में सबसे अधिक है। इस उल्लेखनीय भागीदारी के बाद तेलंगाना का स्थान है जहां 7,000 से अधिक पंजीकरण हुए हैं। मध्यप्रदेश में करीब 5,000 पंजीकरण हुए हैं।

चीन और अमेरिका के बीच बनी व्यापारिक सहमति

चीन और अमेरिका के बीच बीते दिनों व्यापार विवाद बढ़ गया था। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीनी छात्रों के वीजा रद्द करने और कंप्यूटर चिप निर्यात नियंत्रण निर्देश जारी करने के फैसले के बाद चीन ने नाराजगी जाहिर की। इसके बाद ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग ने फोन पर बात की और दोनों देशों ने लंदन में व्यापार वार्ता की। दोनों देशों के बीच का व्यापार विवाद अब सुलह की राह पर है। चीन की मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका और चीन व्यापार विवादों को सुलझाने के लिए समझौते को क्रियान्वित करने के लिए एक रूपरेखा पर सहमत हो गए हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 11 वर्षों में विकसित भारत की यात्रा में किये जा रहे परिवर्तनकारी कार्यों का उल्लेख किया

हमारी विभिन्न पहलों ने गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं के समग्र परिवर्तन को सुनिश्चित किया है - प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 11 वर्षों में सरकार के गरीब, युवा, किसान और नारी सशक्तिकरण के लिये किये जा रहे कार्यों की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने गरीब कल्याण के प्रति एनडीए सरकार के अटूट विश्वास पर कहा कि सशक्तिकरण, बुनियादी ढांचे और समावेश पर केंद्रित एक सहानुभूतिपूर्ण सरकार ने 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से ऊपर उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्रधानमंत्री ने पीएम आवास योजना, पीएम उज्ज्वला योजना, जन धन योजना और आयुष्मान भारत जैसी परिवर्तनकारी योजनाओं के प्रभाव का भी उल्लेख किया। इन योजनाओं से आवास, भोजन पकाने के लिए स्वच्छ ईंधन, बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच का विस्तार हुआ है।

उन्होंने लाभों के पारदर्शी और कुशल वितरण को सुनिश्चित करने में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी), डिजिटल समावेशन और ग्रामीण बुनियादी ढांचे के महत्व को भी रेखांकित किया।

जीवन को बनाया आसान

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे किसान भाई-बहनों को पहले जहां छोटी-छोटी जरूरतों के लिए उधार लेने को मजबूर होना पड़ता था, वहीं बीते 11 साल में हमारी सरकार के निर्णयों से उनका जीवन बहुत आसान हुआ है। पीएम किसान सम्मान निधि हो या फिर किसान फसल बीमा, हमने उनके कल्याण के लिए कई अहम कदम उठाए हैं। अब एमएसपी में निरंतर बढ़ोतरी से देश के अन्नदाताओं को ना सिर्फ फसलों की उचित कीमत मिल रही है, बल्कि उनकी आय भी बढ़ रही है।

महिला नेतृत्व में विकास की नई भूमिका तय की

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी माताओं, बहनों और बेटियों ने ऐसा समय भी देखा है जब उनको हर कदम पर मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। लेकिन आज वे न केवल विकसित भारत के संकल्प में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं बल्कि शिक्षा से लेकर व्यवसाय तक हर क्षेत्र में उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं। श्री मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में नारी शक्ति की सफलताएं सभी नागरिकों के लिए गर्व की बात है। हमारी सरकार ने कई प्रभावशाली पहलों के माध्यम से महिलाओं के नेतृत्व में विकास की नई भूमिका तय की है। इनमें स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से सम्मान सुनिश्चित करना, जन धन खातों के माध्यम से वित्तीय समावेशन और जमीनी स्तर पर सशक्तिकरण शामिल हैं।

किसानों के सम्मान और समृद्धि पर काम

प्रधानमंत्री ने पीएम किसान सम्मान निधि और किसान फसल बीमा योजना जैसी प्रमुख पहलों पर चर्चा करते हुए इन योजनाओं को किसानों के कल्याण के लिए सरकार द्वारा किए गए महत्वपूर्ण प्रयास बताया। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में लगातार वृद्धि के कारण देश के खाद्यान्न उत्पादकों को न केवल अपनी फसलों के उचित मूल्य मिल रहे हैं, बल्कि उनकी आय में भी वृद्धि हो रही है।

श्री मोदी ने इस बात पर बल दिया कि देश के मेहनती किसानों की सेवा करना उनकी सरकार के लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने पिछले 11 वर्षों पर विचार करते हुए कहा कि सरकार की विभिन्न पहलों ने न केवल किसानों के बीच समृद्धि बढ़ाई है, बल्कि कृषि क्षेत्र के समग्र परिवर्तन में भी योगदान दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों के कल्याण के लिए हमारे प्रयास आने वाले समय में और अधिक जोश के साथ जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि हमने अपने किसानों के लिए सम्मान और समृद्धि पर काम किया है।

युवा गतिशीलता, नवाचार और दृढ़ संकल्प का प्रतीक

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के युवाओं की विश्वस्तरीय उपलब्धियों पर कहा कि देश के युवाओं ने दुनिया भर में अपनी पहचान बनाई है। युवाओं को गतिशीलता, नवाचार और दृढ़ संकल्प का प्रतीक बताते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में देश का विकास युवा शक्ति की बेजोड़ ऊर्जा और दृढ़ विश्वास से प्रेरित है। श्री मोदी ने कहा कि हमारे युवाओं ने स्टार्टअप, विज्ञान, खेल, सामुदायिक सेवा और संस्कृति सहित विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण योगदान दिया है। पिछले 11 वर्षों में हमने ऐसे युवाओं के उल्लेखनीय उदाहरण देखे हैं जिन्होंने कल्पना से परे काम किए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में सरकार ने युवाओं को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। नई शिक्षा नीति और कौशल विकास तथा स्टार्टअप पर ध्यान केंद्रित करने से युवा 'विकसित भारत' के संकल्प में महत्वपूर्ण भागीदार बन गए हैं।

अमेरिका के लॉस एंजेलिस में की गई कार्रवाई में अब तक 118 से अधिक अप्रवासी गिरफ्तार

अमेरिका का लॉस एंजेलिस शहर इन दिनों हिंसा की चपेट में है। प्रदर्शनकारी और सुरक्षाबल आमने-सामने हैं और पूरे शहर में अराजकता का माहौल है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नेशनल गार्ड्स की तैनाती की है, लेकिन इसके बावजूद हालात काबू में नहीं आ पा रहे हैं। संघीय आव्रजन विभाग के छापों से यह पूरा विवाद शुरू हुआ, जिसने जल्द ही हिंसा का रूप ले लिया और हालात यह है कि शहर में जगह-जगह विरोध प्रदर्शन और आगजनी की घटनाएं हो रही हैं। पुलिस भीड़ को काबू करने के लिए आंसू गैस के गोले और रबर की गोलियों का इस्तेमाल कर रही है।

इसलिए शुरू हुआ लॉस एंजेलिस में प्रदर्शन

राष्ट्रपति ट्रंप की नीति के तहत अमेरिका से अवैध अप्रवासियों को निर्वासित किया जा रहा है। इसी के तहत अप्रवासन विभाग देशभर में छापेमारी अभियान चला रहा है। अप्रवासन विभाग ने हाल ही में लॉस एंजेलिस में भी अवैध अप्रवासियों के खिलाफ अभियान चलाया

और अप्रवासन विभाग और सीमा शुल्क विभाग ने लॉस एंजेलिस के दो होम डिपो, एक डोनट शॉप और एक कपड़ों को गोदाम से अवैध अप्रवासियों को हिरासत में लिया। लोगों ने इसका विरोध किया और सामाजिक संगठन भी हिरासत में लिए गए लोगों के समर्थन में आ गए। अप्रवासन विभाग ने लॉस एंजेलिस में कुल 118 अप्रवासियों को गिरफ्तार किया है। इससे लोगों का गुस्सा भड़क गया और हिंसा शुरू हो गई।

भारत सहानुभूतिपूर्ण, नैतिक और समतापूर्ण विज्ञान में विश्वास करता है - श्री धर्मेंद्र प्रधान

केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने आईआईटी हैदराबाद में वैश्विक युवा वैज्ञानिक सम्मेलन और ग्लोबल यंग एकेडमी (जीवाईए) की वार्षिक आम बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यह समारोह केवल वैज्ञानिकों का सम्मेलन नहीं है, बल्कि यह आशा, उद्देश्य और साझा नियति का प्रतिनिधित्व करने वाला एक मंच है।

भारत के लिए वसुधैव कुटुम्बकम - एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य - केवल एक नारा नहीं बल्कि जीवन जीने का तरीका है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि भारत ऐसे विज्ञान में विश्वास करता है जो सहानुभूतिपूर्ण, नैतिक और न्यायसंगत हो। उन्होंने यह भी कहा कि विज्ञान को साझा किया जाना चाहिए और पेटेंट नहीं बल्कि साझेदारियों को अनिवार्य रूप से भविष्य को आकार देना चाहिए।

श्री प्रधान ने कहा कि वर्तमान समय वैज्ञानिकों, नवोन्मेषकों और नीति निर्माताओं के लिए एक साथ आने और निर्धनतम लोगों को सशक्त बनाने वाले इको-सिस्टम का निर्माण करने का है।

भारत लोकतंत्र की जननी है, जबकि पाकिस्तान वैश्विक आतंकवाद का जनक है - रक्षा मंत्री

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने उत्तराखंड के देहरादून में 'राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद' विषय पर आयोजित संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मुद्दे के प्रति दृष्टिकोण और कार्रवाई के तरीके को बदलकर भारत के सुरक्षा तंत्र को बदल दिया है और दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर में इस बदलाव को देखा।

रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर को भारतीय इतिहास में आतंकवाद के खिलाफ की गई सबसे बड़ी कार्रवाई बताया, जो जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष लोगों पर कायरतापूर्ण आतंकी हमले के जवाब में की गई थी। उन्होंने कहा कि पहलगाम की घटना देश की सामाजिक एकता पर हमला थी और भारत ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों और संबंधित ढांचे को नष्ट करके आतंकवाद और उसके अपराधियों के खिलाफ बड़ी और कड़ी कार्रवाई की।

रक्षा मंत्री ने कहा कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू-कश्मीर ने शांति और प्रगति के युग की शुरुआत की। हमारे पड़ोसी इसे बर्दाश्त नहीं कर सके और पहलगाम में आतंकी हमले को अंजाम दिया। पाकिस्तान कश्मीर में विकास को रोक नहीं पाया है। उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेलवे लिंक जम्मू-कश्मीर में प्रगति के लिए सरकार की अथक सोच का एक शानदार उदाहरण है। जल्द ही, पीओके हमारे साथ जुड़ जाएगा और कहेगा 'मैं भी भारत हूं'।

बुनियादी मूल्यों की रक्षा की लड़ाई

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब दिया है, लेकिन भविष्य में पहलगाम जैसी आतंकवादी घटनाओं को रोकना जरूरी है। उन्होंने न केवल सरकारों, बल्कि जनता के स्तर पर भी सतर्क रहने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई सिर्फ सुरक्षा का सवाल नहीं है, यह मानवता के बुनियादी मूल्यों की लड़ाई है। रक्षा मंत्री ने आतंकवाद को महामारी बताया और कहा कि इस खतरे को छोड़ा नहीं जा सकता क्योंकि इसका अस्तित्व सामूहिक शांति, विकास और समृद्धि के लिए चुनौती बना रहेगा।

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- डॉ. सुदाम खाड़े, मुद्रक- डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।